शर्मा हार्डवेर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 112 | गुवाहाटी | गुरुवार, 21 नवंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग कर रहे कई राजनीतिक दल — पेज 2

दो दिवसीय दौरे पर कोकराझाड़ पहुंचे अमेरिकी दूतावास के प्रतिनिधिमंडल — पेज 3

महाकुम्भ में पहली बार तैनात होंगे ऑल-टेरेन व्हीकल — पेज 5

नए कोच के नेतृत्व में भारत की नजरें कतर के खिलाफ जीत दर्ज करने पर — पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

ज्ञान से राजा अपनी आत्मा का परिष्कार करता है, संपादन करता है।

– आचार्य चाणक्य

विस चुनाव : महाराष्ट्र में 58 और झारखंड में 67 फीसदी से अधिक मतदान

नई दिल्ली (हि.स.)। महाराष्ट्र की सभी 288 विधानसभा सीटों और झारखंड की 38 विधानसभा सीटों पर दूसरे चरण का मतदान आज शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया। मतदान सुबह 7 बजे शुरू हुआ और शांतिपूर्ण तथा व्यवस्थित रहा। उप्र में उपचुनाव के दौरान शिकवा-शिकायतें मिलने पर निर्वाचन आयोग के निर्देश पर कुल सात पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया गया। चुनाव आयोग के अनुसार शाम 5 बजे तक महाराष्ट्र में मतदान केंद्रों पर 58.22 प्रतिशत और झारखंड में 67.59 प्रतिशत मतदान हुआ। समाचार लिखे जाने तक कुछ मतदान केंद्रों पर मतदान जारी है, जहां मतदान का समय समाप्त होने से पहले मतदाता कतार में खड़े थे। इससे अंतिम आंकड़े बढ़ सकते हैं। दो राज्यों के अलावा 15 विधानसभा सीटों और एक लोकसभा सीट पर भी आज उपचुनाव के लिए मतदान हुआ। उत्तर प्रदेश में 9 विधानसभा क्षेत्रों, पंजाब में 4 विधानसभा क्षेत्रों, उत्तराखंड में केदारनाथ विधानसभा क्षेत्र और केरल में पलक्कड़ विधानसभा क्षेत्र में भी आज उपचुनाव हुए। इसके साथ ही झारखंड और महाराष्ट्र विधानसभाओं और दो चरणों में 15 राज्यों की 48 विधानसभा सीटों और 2 संसदीय सीटों पर उपचुनाव से जुड़ी मतदान प्रक्रिया पूरी हो गई। झारखंड में शाम 5 बजे तक 67.59 प्रतिशत औसत मतदान हुआ, जो 2019 के विधानसभा चुनावों में इन विधानसभा क्षेत्रों में हुए 67.04 प्रतिशत औसत मतदान से अधिक है। महाराष्ट्र में शाम 5 बजे तक 58.22 प्रतिशत औसत मतदान हुआ। मतदान को आसान बनाने के लिए आयोग द्वारा कई तरह के उपाय किए जाने और लोगों को प्रेरित करने के अभियान चलाए जाने के बावजूद राज्य के शहरी मतदाताओं जैसे मुंबई, पुणे और ठाणे के मतदाताओं ने कम भागीदारी जारी रखी। आयोग के अनुसार मुख्य -शेष पृष्ठ दो पर

उपचुनाव : उप्र में सात पुलिसकर्मी निलंबित

लखनऊ (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में विधानसभा की नौ सीटों पर उपचुनाव के लिए बुधवार सुबह 07 बजे से मतदान जारी है। इसी बीच चुनाव आयोग ने दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने पर अलग-अलग क्षेत्रों में ड्यूटी पर तैनात सात पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। अधिकारियों के मुताबिक मुरादाबाद में तीन और कानपुर एवं मुजफ्फरनगर में दो-दो पुलिस कर्मियों को निलंबित किया गया है। कानपुर की सीसामऊ विधानसभा सीट पर मतदान जारी है। यहां पर पुलिस प्रबंध चाक चौबंद किया गया है। इस बीच भाजपा कार्यकर्ताओं ने चुन्नीगंज जिला राजकीय इंटर कॉलेज के मतदान केंद्र के बाहर फर्जी -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

मणिपुर में इंटरनेट सेवा पर प्रतिबंध तीन दिन के लिए बढ़ा

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर सरकार ने राज्य के हिंसा प्रभावित सात जिलों में वीसैट और वीपीएन सहित सभी मोबाइल इंटरनेट और डेटा सेवाओं के निलंबन को अगले तीन दिनों के लिए बढ़ा दिया है। उल्लेखनीय है कि राज्य में जारी हिंसा के मद्देनजर शुरू में 18 नवंबर से दो दिनों के लिए इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, बिष्णुपुर, -शेष पृष्ठ दो पर

आतंकवादियों से मुठभेड़ में 11 जवानों की मौत

पेशावर (हि.स.)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के अशांत बन्नू जिले में पिछले 24 घंटों के दौरान आतंकवादियों से मोर्चा लेते समय सुरक्षाबलों के कम से कम 11 जवानों की जान चली गई। डॉन समाचार पत्र में सूत्रों के हवाले से छपी खबर के अनुसार, मंगलवार को बन्नू के जानीखेल इलाके में माली खेल चौकी के पास एक आत्मघाती हमले में लगभग 11 जवानों की मौत हो गई, जबकि दो जवानों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटनास्थल -शेष पृष्ठ दो पर

एग्जिट पोल्स : महाराष्ट्र में महायुति की सत्ता में वापसी तो झारखंड में एनडीए को बढ़त

मुंबई / झारखंड। महाराष्ट्र और झारखंड के लिए मतदान संपन्न हो चुका है। इसके नतीजे 23 नवंबर यानि शनिवार को आएंगे। महाराष्ट्र में विधानसभा की 288 तो झारखंड में विधानसभा की 81 सीटें हैं। झारखंड में इस बार दो चरणों में मतदान संपन्न हुआ। पहले चरण के लिए 13 नवंबर तो दूसरे के लिए आज मतदान हुआ। एग्जिट पोल्स की मानें तो महाराष्ट्र में भाजपा नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन की सत्ता में वापसी हो रही है। 6 में से करीब 5 एग्जिट पोल्स में महायुति की सरकार बन रही है। वहीं, एक ने कांग्रेस नेतृत्व वाले गठबंधन महाविकास अघाड़ी के सत्ता में आने का अनुमान लगाया है। तो एक ने कांटे का मुकाबला दिखाया है। मालूम हो कि महायुति में भाजपा के अलावा शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) और अजित पवार के गुट वाली नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी शामिल है। वहीं, महाविकास अघाड़ी में कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव बाला साहेब ठाकरे) और शरद पवार के पवार के नेतृत्व वाली नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी आदि शामिल हैं। मैट्राइज के सर्वे में महायुति को 150 से 170 सीटें, महाविकास अघाड़ी को 110 से 130 सीटें और अन्य को 8 से 10 सीटें मिलने का अनुमान है। पी मार्क ने महायुति को 137 से 157 सीटें, महाविकास अघाड़ी को 126 से 146 सीटें और अन्य को 2 से 8 सीटें मिलने का अनुमान जताया है। न्यूज 24- चाणक्य के एग्जिट पोल्स में महायुति को बढ़त है। उसे 152 से 160 सीटें, महाविकास अघाड़ी को 126 से 146 सीटें और अन्य को 2 से 8 सीटें मिलने का अनुमान है। पीपुल्स पल्स के एग्जिट पोल में महायुति को 175 से 195 तक सीटें मिलने का अनुमान है। वहीं, महाविकास अघाड़ी को 85 से 112 और अन्य दलों को 7 से 12 सीटें मिलने का अनुमान है। पोल डायरी ने 122 से 186 सीटें महायुति को, 69 से 121 सीटें महाविकास अघाड़ी को और 12 से 29 सीटें अन्य दलों को मिलने का अनुमान जताया है। इलेक्टोरल एज ने महायुति को 118 तो महाविकास अघाड़ी को 150 सीटों के साथ जीत मिलने का अनुमान जताया है। वहीं, अन्य दलों को इस सर्वे के मुताबिक 20 सीटें मिलने का अनुमान है। इस सर्वे के अलावा लोकशाही मराठी- रुद्रा ने भी महायुति और महाविकास अघाड़ी में कांटे की टक्कर दिखाई है। सर्वे के मुताबिक, महायुति को 128 से 142, महाविकास अघाड़ी को 125 से 140 और अन्य दलों को 18 से 23 सीटें मिलने का अनुमान है। एग्जिट पोल्स की -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने शहीद स्मारक क्षेत्र की प्रगति का लिया जायजा

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज पश्चिम बोरागांव का दौरा किया और शहीद स्मारक क्षेत्र का निरीक्षण किया, जो असम आंदोलन के पुरुषों और महिलाओं के सर्वोच्च बलिदान के सम्मान में बनाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि 100 करोड़ रुपए की लागत से बनाया जा रहा स्मारक क्षेत्र इस साल 10 दिसंबर या अगले साल की शुरुआत में लोगों को समर्पित किया जाएगा। निर्माण कार्य के साथ-साथ अंतिम रूप देने की प्रक्रिया का जायजा लेते हुए मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि एक बार पूरा हो जाने पर शहीद स्मारक क्षेत्र असम आंदोलन के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले पुरुषों और महिलाओं के बलिदान का सम्मान करने के लिए तीर्थ स्थल होगा। इस परिसर में सबसे ऊंचे टावरों में से एक अवस्थित होगा और इसमें सभी वीर शहीदों की प्रतिमाएं होंगी। -शेष पृष्ठ दो पर

रवींद्रनाथ टैगोर की आलोचना कर रही है कांग्रेस : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि कांग्रेस के नेता कविवर रविंद्र नाथ टैगोर की आलोचना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि करीमगंज का नाम श्रीभूमि रविंद्र नाथ टैगोर द्वारा दिया गया था, न कि मेरे (मुख्यमंत्री) द्वारा। मुख्यमंत्री आज एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह मेरी आलोचना कर सकते हैं, लेकिन रविंद्र नाथ टैगोर की आलोचना क्यों कर रहे हैं। उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

एग्जिट पोल की चर्चा में हिस्सा नहीं लेगी पार्टी : कांग्रेस

नई दिल्ली। महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान जारी है। बता दें 288 विधानसभा सीटों वाले महाराष्ट्र में एक ही चरण में वोटिंग हो रही है, वहीं झारखंड में दूसरे चरण में 38 सीटों पर वोट डाले जा रहे हैं। वहीं इन सबके बीच एक बड़ी खबर सामने आई है, जिसमें कांग्रेस के सूत्रों ने बताया है कि, कांग्रेस पार्टी चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद आज आने वाले एग्जिट पोल की चर्चा में हिस्सा नहीं लेगी। महाराष्ट्र और झारखंड में मतदान की गति की बात करें, तो महाराष्ट्र में उम्मीद के -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रीम कोर्ट का राज्य सरकार को निर्देश, कहा-

काजीरंगा में जल्द से जल्द पूरा करें एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण

नई दिल्ली। असम सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय को सूचित किया कि एलिवेटेड कॉरिडोर राष्ट्रीय उद्यान के लिए प्रस्तावित किया गया था। असम सरकार ने न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ को अवगत कराया कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की तरफ से एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पर काम चल रहा है और सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) ने परियोजना को प्राथमिकता (श्रेणी एक) के रूप में रखा है। सर्वोच्च न्यायालय ने बुधवार को कहा कि उसे उम्मीद है कि एनएचएआई काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में लगभग 34 किमी के प्रस्तावित एलिवेटेड कॉरिडोर को जल्द से जल्द पूरा करेगा और -शेष पृष्ठ दो पर

बिहार में विशेष प्रार्थना के नाम पर चल रहा है धर्म परिवर्तन का खेल : विहिप

पूर्वी चंपारण (हि.स.)। जिले में साइलेंट मोड में चंगाई सभा और प्रार्थना के नाम पर बड़े पैमाने पर धर्मांतरण का खेल चल रहा है। इसकी जानकारी देते विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के बिहार-झारखंड के विधि प्रमुख अधिवक्ता अशोक श्रीवास्तव ने बताया कि जिले में यह खेल गुपचुप तरीके से वर्षों से अनवरत जारी है। जिले के पकड़ीदयाल के सिरहां, मोतिहारी सदर के पतौरा,बासमनपुर बरियारपुर व आदापुर प्रखंड में यह खेल चल रहा है। जहां भोली भाली वंचित समाज के लोगों को गुमराह कर धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है। इन लोगो को पैसे,नौकरी व घर में गंभीर रूप से बीमार लोगो को इलाज में -शेष पृष्ठ दो पर

बदलाव का सबसे बड़ा माध्यम है शिक्षा : उपराष्ट्रपति

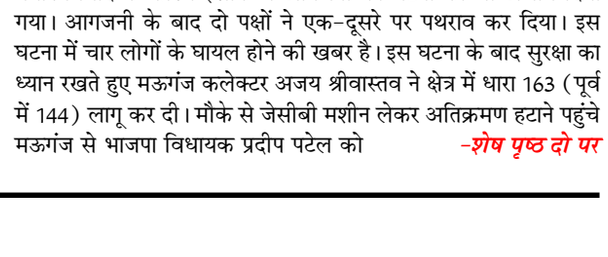

झुंझुनूं (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को कहा कि शिक्षा समाज में बदलाव और समानता स्थापित करने का सबसे बड़ा माध्यम है। शिक्षा समाज में समानता को बढ़ावा देती है और असमानता को समाप्त करती है। शिक्षा हमें जो चरित्र प्रदान करती है, वही हमें परिभाषित करता है। झुंझुनूं जिले के काजड़ा स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय के छात्रों को संबोधित करते हुए विश्व बाल दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अनुशासन, संस्कार और मानव निर्माण के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आपकी उम्र में संस्कारी बनना आवश्यक है। माता-पिता का सम्मान करना, गुरुजनों को प्रणाम करना, आपसी भाईचारे को बढ़ाना और -शेष पृष्ठ दो पर

प्रदूषण पर दिल्ली सरकार का बड़ा कदम

पचास फीसदी कर्मचारी घर से करेंगे काम

नई दिल्ली (हि.स.)। राजधानी में वायु प्रदूषण की गंभीर स्थिति को देखते हुए दिल्ली सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। इसकी जानकारी साझा करते हुए पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने पत्रकारों को बताया कि प्रदूषण कम करने के लिए ग्रैप-4 के प्रावधानों के तहत सरकार ने कई कदम उठाये हैं। उसी क्रम में बुधवार को दिल्ली सरकार ने निर्णय लिया है कि अब 50 फीसदी कर्मचारी फिलहाल घर से काम करेंगे। गोपाल राय ने बताया कि अब दिल्ली सरकार के कार्यालय 50 प्रतिशत कर्मचारी क्षमता से खुलेंगे जबकि 50 प्रतिशत -शेष पृष्ठ दो पर

इजराइल-हमास जंग के बीच नेतन्याहू गाजा पहुंचे : सैन्य ठिकानों का दौरा किया

तेल अवीव। इजराइल-हमास जंग के बीच इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने 19 नवंबर को अचानक गाजा का दौरा किया। यहां वे इजराइली सैन्य ठिकानों पर पहुंचे। रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज भी उनके साथ थे। इस दौरान उन्होंने इजराइल बंधकों को सौंपने वाले को 5 मिलियन डॉलर देने की भी पेशकश की। नेतन्याहू ने हमास के साथ किसी भी तरह के युद्ध विराम के प्रयासों को सिरे से नकार दिया है। उन्होंने कहा कि युद्ध खत्म होने के बाद हमास फिर कभी फिलिस्तीन पर हुकूमत नहीं करेगा। नेतन्याहू ने कहा कि हमास वापस नहीं आएगा। इजराइल गाजा में लापता 101 इजराइली बंधकों की तलाश जारी रखेगा। जो कोई भी हमारे बंधकों को नुकसान पहुंचाने की हिम्मत करेगा, वह अपनी मौत का खुद जिम्मेदार होगा। हम उन्हें खोजकर रहेंगे। इजराइली सेना ने इस विजिट का वीडियो भी जारी किया है। नेतन्याहू युद्ध जैकेट और हेलमेट पहने दिख रहे हैं। इजराइली ने यह दौरा ऐसे वक्त किया जब ब्राजील में जी20 समिट चल रही थी। -शेष पृष्ठ दो पर

एमपी में धार्मिक स्थल से अतिक्रमण हटाने को लेकर दो पक्षों में पथराव

रीवा। मध्यप्रदेश के मऊगंज जिले के खटखरी चौकी क्षेत्र के अंतर्गत महादेवन मंदिर से लगी जमीन से अतिक्रमण से मुक्त कराने की मांग को लेकर मंगलवार शाम को दो पक्षों में विवाद हो गया। विवाद के कारण इलाके में आगजनी की घटना को भी अंजाम दिया गया। आगजनी के बाद दो पक्षों ने एक-दूसरे पर पथराव कर दिया। इस घटना में चार लोगों के घायल होने की खबर है। इस घटना के बाद सुरक्षा का ध्यान रखते हुए मऊगंज कलेक्टर अजय श्रीवास्तव ने क्षेत्र में धारा 163 (पूर्व में 144) लागू कर दी। मौके से जेसीबी मशीन लेकर अतिक्रमण हटाने पहुंचे मऊगंज से भाजपा विधायक प्रदीप पटेल को -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph.: 94350-48866, 94018-06952**

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग कर रहे कई राजनीतिक दल

इंफाल। मणिपुर में पिछले साल 3 मई से शुरु हुआ हिंसा का दौर, थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। एक अंतराल के बाद दोबारा से हिंसा की वारदात शुरु हो जाती हैं। सुरक्षा बलों के हथियार लूटने से लेकर आम लोगों की हत्या हो रही है। मणिपुर में तीन चार सप्ताह के दौरान बीस लोग मारे जा चुके हैं। इनमें महिलाएं व बच्चे भी शामिल हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत पार्टी के दूसरे वरिष्ठ नेता मणिपुर में सीएम बीरेन सिंह को बर्खास्त कर राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग कर चुके हैं। पूर्व सेना अध्यक्ष जन. वीपी मलिक कह रहे हैं कि मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगे। बीएसएफ के पूर्व एडीजी और सुरक्षा मामलों के जानकार एसके सूद ने कहा है, मुख्यमंत्री बीरेन सिंह पर किसी भी समुदाय, मैतेई और कूकी, दोनों का ही विश्वास नहीं है। राज्य में शांति बहाली के लिए राष्ट्रपति शासन लगना जरुरी है। अप्रैल 1992 को मणिपुर में हिंसा हुई तो कांग्रेस पार्टी ने अपने मुख्यमंत्री राजकुमार दोरेंद्र सिंह की सरकार को बर्खास्त कर दिया गया था। बता दें कि मणिपुर में सरकार के तमाम प्रयासों के बावजूद हिंसा की वारदात जारी हैं। सेना, पुलिस व केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की 288 कंपनियां, राज्य में तैनात हैं। इसके बावजूद हिंसा थम नहीं रही है। गत वर्ष से लेकर अब तक मणिपुर में हजारों लोगों के घर, आग के हवाले किए गए हैं। इतना ही नहीं, मुख्यमंत्री, मंत्री और विधायकों के आवासों को भी नहीं बख्शा गया। वहां भी आगजनी और तोड़फोड़ हुई है। सुरक्षा कैंपों पर हमले हो रहे हैं। पिछले दिनों सीआरपीएफ कैंप एवं पुलिस थाने पर हमले का प्रयास हुआ था। सुरक्षा बलों की कार्रवाई में दस उपद्रवी मारे गए थे। राज्य में एक लाख से अधिक लोगों को अपने घरों से दूर राहत शिविरों और सुरक्षा बलों के कैंपों में रहना पड़ रहा है। पिछले साल से ही कांग्रेस सहित कई विपक्षी दल, मुख्यमंत्री बीरेन सिंह को बर्खास्त कर मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग कर रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा था, मणिपुर में प्रधानमंत्री मोदी की घोर विफलता अक्षम्य है। संघर्षग्रस्त राज्य के लोग परेशान और दुखी हैं। वे चाहते थे कि प्रधानमंत्री मोदी उनसे मिलने आएं। मणिपुर के मुख्यमंत्री को तुरंत बर्खास्त किया जाना चाहिए। केंद्र सरकार को मणिपुर में सुरक्षा स्थिति की पूरी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। देश के पूर्व गृह एवं वित्त मंत्री रहे कांग्रेस नेता पी.चिदंबरम ने भी सीएम बीरेन के इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने मणिपुर के हालात के लिए बीरेन सिंह को जिम्मेदार ठहराया है। पूर्व गृह मंत्री ने कहा, मणिपुर में पांच हजार जवानों भेजना, प्रदेश के संकट का समाधान नहीं है। हालांकि इस मुद्दे पर मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने चिदंबरम पर पलटवार किया है। बीरेन सिंह ने कहा कि राज्य में इस समय जो संकट है उसके मूल कारण चिदंबरम हैं। 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान सेना प्रमुख रहे जनरल वेद प्रकाश मलिक ने कहा, मणिपुर में हो रही हिंसा को देखते हुए वहां पर राष्ट्रपति शासन लगा देना चाहिए। मणिपुर की स्थिति, वहां पर राष्ट्रपति शासन और राज्यपाल के तहत एक प्रभावी यूनिफाइड कमांड की मांग करती है। बीएसएफ के पूर्व एडीजी एसके सूद ने बताया, मणिपुर में पिछले वर्ष जब हिंसा शुरु हुई तो उसी वक्त राज्य सरकार को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लगा देना चाहिए था। केंद्र सरकार ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए जो कदम उठाए गए हैं, वे पर्याप्त नहीं हैं। केंद्र सरकार ने वहां पर एक सुरक्षा सलाहकार नियुक्त कर दिया। वे वहां के रहने वाले नहीं हैं। उन्हें डे टू डे पुलिस कार्यप्रणाली का नहीं पता, भले ही उन्हें रिपोर्ट की जाती है। पिछले दिनों हुई हिंसा के बाद सरकार ने छह क्षेत्रों में सशस्त्र सेना विशेधाधिकार कानून (अफस्पा) लागू किया है। सूद के मुताबिक, केंद्र सरकार को बहुत पहले ही उपद्रव वाले क्षेत्रों में अफस्पा लागू करना चाहिए था। उपद्रवियों के पास पुलिस एवं आईआरबी से लूटे गए हथियार हैं। अगर पहले अफस्पा लागू होता तो सुरक्षा बलों को कहीं पर भी जाकर सर्च करने की पावर मिल जाती। मौजूदा स्थिति में सुरक्षा बलों को वहां से हटाना संभव नहीं है। वहां पर जो खराब हालात बनें हैं, उसके लिए सरकार का इनएक्टिव रहना है। अगर सुरक्षा बलों को हटाते हैं तो दोनों समुदाय, एक दूसरे के क्षेत्रों में जाकर मार काट मचा देंगे। मुख्यमंत्री पर मैतेई और कूकी, दोनों समुदायों का ही विश्वास नहीं है। आम लोगों के दिमाग में यह बात बैठ चुकी है कि मणिपुर की मौजूदा स्थिति के लिए वही यानी मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह जिम्मेदार हैं। वे स्थिति को नहीं संभाल पा रहे हैं। वहां पर राष्ट्रपति शासन लागू कर सुरक्षा बलों को सशस्त्र सेना विशेधाधिकार कानून के दायरे में लाया जाए। बाहर से लोग वहां पर आ रहे हैं। इसके लिए सीमा पर मजबूत सुरक्षा घेरे का होना आवश्यक है। बॉर्डर की सुरक्षा के लिए एक नियमित फोर्स लगानी चाहिए।

अंतर्राष्ट्रीय बाल दिवस पर असम सरकार का विशेष कार्यक्रम

गुवाहाटी (हि.स.)। अंतर्राष्ट्रीय बाल दिवस के अवसर पर आज असम सरकार विशेष कार्यक्रम आयोजित करने जा रही है। इसके लिए व्यापक तैयारियां की गई है। इसके लिए असम सचिवालय को दुल्हन की तरह सजा दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया के जरिए आज कहा कि क्या आप जानते हैं कि असम सचिवालय को इस तरह से क्यों सजाया गया है? उन्होंने कहा कि आज हम विश्व बाल दिवस मनाने जा रहे हैं। हम यह सुनिश्चित करने का अपना प्रयास जारी रखते हैं कि राज्य के प्रत्येक बच्चे को एक संरक्षित, सुरक्षित और टिकाऊ वातावरण का उपहार दिया जाए, क्योंकि यह हमारे लिए एक प्राथमिक उद्देश्य है।

पीएम मोदी को दो देशों से मिलेगा सर्वोच्च सम्मान, दुनिया में बढ़ी भारत की प्रतिष्ठा

नई दिल्ली। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज दुनिया के सबसे पॉपुलर नेताओं में शामिल हैं। पीएम मोदी इन दिनों तीन देशों की यात्रा पर हैं, जिसमें से दो देशों ने उन्हें अपने सर्वोच्च सम्मान देने का ऐलान किया है। यह यात्रा और सम्मान प्रधानमंत्री मोदी की अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में बढ़ती प्रतिष्ठा का प्रतीक हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा की शुरुआत नाइजीरिया से हुई। वहां उन्होंने विभिन्न द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की और देशों के बीच रिश्तों को मजबूत करने का प्रयास किया। इसके बाद, पीएम मोदी जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए ब्राजील के रियो डी जेनेरियो शहर गए। यहां उन्होंने वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा की और भारत के दृष्टिकोण को साझा किया। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा का अंतिम चरण अब गयाना में है, जहां वे गयाना और बारबाडोस दोनों देशों से सम्मानित होने जा रहे हैं। गयाना ने पीएम मोदी को अपने सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार द *ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस* से सम्मानित करने की घोषणा की है। यह गयाना का सबसे बड़ा नागरिक सम्मान है, जो किसी व्यक्ति की महत्वपूर्ण उपलब्धियों और योगदान के लिए दिया जाता है। बारबाडोस ने भी पीएम मोदी को अपने प्रतिष्ठित मानद पुरस्कार *ऑर्डर ऑफ फ्रीडम ऑफ बारबाडोस* से सम्मानित करने का निर्णय लिया है। यह पुरस्कार बारबाडोस के स्वतंत्रता संग्राम और राजनीतिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए दिया जाता है। गयाना में भारतीय मूल के लोग बड़ी संख्या में बसे हुए हैं। गयाना में लगभग 3,20,000 भारतीय मूल के लोग रहते हैं, जो इस यात्रा को और भी खास बनाता है।

राजमार्ग पर बरामद खून से लथपथ शव

लखीमपुर (हि.स.)। लखीमपुर जिले के ढकुवाखाना में राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक खून से लथपथ शव बरामद किया गया। शव ढकुवाखाना-घुनासुती मार्ग पर दुलिया गांव में पेट्रोल पंप के पास मिला। मृतक की पहचान मौखोवा गांव के चिरंजीव टाकू के रूप में हुई है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि मृतक सुबह मार्निंग वॉक पर निकला था। एक अज्ञात वाहन द्वारा उसे ठोकर मार दिया गया। ठोकर से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। ढाकुवाखाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को बरामद कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव

जोरहाट (हि.स.)। जोरहाट जिले के टियोक में बांस के पेड़ से लटका एक युवक का शव बरामद किया गया। आशंका जताई जा रही है कि व्यक्ति की हत्या कर शव को पेड़ पर लटका दिया गया। पुलिस ने बुधवार को बताया कि मृतक की पहचान पल्लव सैकिया (30) के रूप में हुई है। पुलिस को संदेह है कि पल्लव की हत्या कर शव को यहां बांस के पेड़ पर लटका दिया गया। जांच के दौरान पुलिस को पल्लव के घर से कुछ सुराग मिला है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

GOVT. OF ASSAM
OFFICE OF THE SUPERINTENDENT OF POLICE ::
UDALGURI :: DISTRICT :: UDALGURI ASSAM ::

The above is photograph of Antoni Narzary (15 Yrs.), S/O - Rajen Narzary, Vill- No. 5, Gwjenpuri (Bombe Centre), PS- Mazbat, Dist.-Udalguri who has been missing 28/10/2024 from Mazbat Railway Station

This refers Mazbat PS GDE No- 06, Dtd. 30/10/2024 and this office Man Missing Register Entry No. 179 Dtd. 06/11/2024

Descriptive Roll of the Missing Person :

1. Complexion : Fair
2. Age : 15 Yrs.
3. Height : 4.9 Ft
4. L/Known : Asamese, Bodo
5. Wearing : Long Pant & Shirt

All efforts may be made to trace out/recover the above noted missing person at the earliest and result there of may be intimated to this office at the following helpline numbers for further necessary action : 6026901138 (Cell Phone)

-- Janasanyog /D/9008/24/21-Nov-24

Superintendent of Police, Udalguri, Assam

पृष्ठ एक का शेष

विस चुनाव : महाराष्ट्र में ...

चुनाव आयुक्त राजीव कुमार, चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और डॉ. सुखबीर सिंह संधू मतदान प्रक्रिया के हर पहलू पर कड़ी नजर रख रहे थे, जिसमें मतदान में भागीदारी बढ़ाने के उपाय भी शामिल थे। उत्तर प्रदेश में कुछ विधानसभा क्षेत्रों में मनमाने ढंग से जांच करने और मतदाताओं को मतदान करने से रोकने की शिकायतें चुनाव आयोग को मिलीं। इनका संज्ञान लेते हुए चुनाव आयोग ने गहन जांच के बाद जांच के संबंध में मानदंडों और दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने के लिए मुरादाबाद, कानपुर और मुजफ्फरनगर में पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई का आदेश दिया। उसके तुरन्त बाद सात पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया गया। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने सभी संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारियों व पुलिस अधीक्षकों और 13 केंद्रीय पर्यवेक्षकों को किसी भी समुदाय के प्रति किसी भी तरह के पूर्वाग्रह के बिना स्वतंत्र, निष्पक्ष और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करने का सख्त निर्देश दिया। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली और झारखंड के गिरिडीह सहित दोनों राज्यों के वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) प्रभावित क्षेत्रों में मतदान व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ा। समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों की लंबी कतारें लगी रहीं। शाम पांच बजे तक गढ़चिरौली में 69.63 प्रतिशत औसत मतदान हुआ। क्रिकेटर और ईसीआई के राष्ट्रीय प्रतीक सचिन तेंदुलकर ने अपने परिवार के साथ मतदान किया और दूसरों से भी मतदान करने का आह्वान किया। महाराष्ट्र में कुल 4136 उम्मीदवार 288 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव लड़ रहे हैं, जिनमें 9.7 करोड़ से अधिक मतदाता हैं। झारखंड में 12 जिलों के 38 विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं ने बड़ी संख्या में मतदान किया। आयोग ने आदिवासी मतदाताओं के बीच भागीदारी बढ़ाने के लिए ठोस प्रयास किए थे। दूसरे चरण के लिए 48 अनूठे मतदान केंद्र बनाए गए थे, जिन्हें आदिवासी संस्कृति और तत्वों को दर्शाते थीम से सजाया गया था। चुनाव से पहले राज्य के 8 विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह के 1.78 लाख सदस्यों का मतदाता सूची में शत प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित किया गया था। 15 विधानसभा क्षेत्रों और नांदेड़ विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव भी आज संपन्न हो गए।

उपचुनाव : उप्र में सात...

मतदान का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया। हालांकि पुलिसकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को वहां से हटा दिया है। सीसामऊ क्षेत्र में मतदान के दौरान गड़बड़ी की शिकायत सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने की थी। उन्होंने चुनाव आयोग से वीडियो साक्ष्य के आधार पर मतदाता पहचान पत्र और अन्य पहचान पत्रों की जांच करने वाले पुलिसकर्मियों को निलंबित करने का आग्रह किया था। इसका संज्ञान लेते हुए चुनाव आयोग ने सीसामऊ क्षेत्र में ड्यूटी पर तैनात दो पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया।

एग्जिट पोल्स : महाराष्ट्र ...

मानें तो झारखंड में भाजपा को बढ़त मिलती दिख रही है। यहां तीन सर्वे में भाजपा आसानी से बहुमत के आंकड़े को छूती नजर आ रही है। वहीं, एक्सिस के सर्वे में झारखंड मुक्ति मोर्चा वाले गठबंधन की सत्ता में बहुमत से वापसी हो रही है। एक्सिस के मुताबिक भाजपा को 25, झामुमो गठबंधन को 53 और अन्य को 3 सीटें मिलने का अनुमान है। मैट्राइज ने झारखंड में भाजपा को 42 से 47 सीटें तो कांग्रेस को 25 से 30 सीटें और अन्य को 1 से 4 सीटें मिलने का अनुमान जताया है। पीपल्स पल्स ने भाजपा को 44 से 53 सीटें, कांग्रेस को 25 से 37 सीटें और अन्य को 5 से 9 सीटें मिलने का अनुमान जताया है। वहीं, टाइम्स नाउ-जेवीसी ने भाजपा को 40 से 44 सीटें, कांग्रेस को 30 से 40 सीटें और अन्य को 1 से 2 सीटें मिलने का अनुमान जताया है।

मुख्यमंत्री ने शहीद ...

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने असम के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले राज्य के लोगों के सम्मान में यह परियोजना शुरू की है। उन्होंने कहा कि हालांकि परिसर का 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है, लेकिन *लाइट एंड साउंड* और *ऑडिटोरियम* से जुड़ा एक और काम निर्माणाधीन है, जो परिसर में आने वाले लोगों के लिए और अधिक सुंदरता और सुविधा प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि परिसर में एक ध्यान कक्ष, असम आंदोलन से संबंधित तस्वीरों वाली एक गैलरी और लोगों के लिए जातीय व्यंजनों की एक दुकान होगी। डॉ. शर्मा ने कहा कि 225 फीट ऊंचा स्मारक असम आंदोलन के शहीदों की उदारता और बलिदान का प्रतीक होगा। मुख्यमंत्री ने परियोजना के विभिन्न पहलुओं पर पीडब्ल्यूडी (भवन) और असम समझौता कार्यान्वयन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से भी बात की। उन्होंने पीडब्ल्यूडी (बी) विभाग से इसे जल्द पूरा करने के लिए भी कहा। मुख्यमंत्री के स्मारक दौरे के दौरान असम समझौता कार्यान्वयन मंत्री अतुल बोरा, असम समझौता कार्यान्वयन विभाग की सचिव नीरा दौलगप्पु, पीडब्ल्यूडी (बी) के विशेष सचिव राज चक्रवर्ती और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

रवींद्रनाथ टैगोर की...

कहा कि जिस नाम का असम से कोई लेना देना ही नहीं है, ऐसे नाम को तो बहुत पहले ही बदल दिया जाना चाहिए था। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को आयोजित असम कैबिनेट की बैठक में करीमगंज जिला का नाम बदलकर श्रीभूमि रखने का निर्णय लिया गया था। इस नाम बदलने को लेकर विपक्षी दल कांग्रेस के नेता विभिन्न प्रकार की बातें कर रहे हैं। आज मुख्यमंत्री से इस संदर्भ में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने नाम बदलने को उचित ठहराया।

एग्जिट पोल की ...

अनुरूप कम मतदान प्रतिशत दर्ज हुआ है। वहीं झारखंड में मतदान की गति महाराष्ट्र के अपेक्षाकृत बेहतर है। महाराष्ट्र की सभी 288 विधानसभा सीट पर शाम छह बजे तक वोटिंग होगी, जबकि झारखंड की 38 में से कुछ सीटों पर शाम 4 बजे तक ही मतदान होगा। दोनों राज्यों में मतों की की गिनती 23 अक्तूबर को होगी। इसके साथ कई राज्यों में विधानसभा और लोकसभा सीटों पर उपचुनाव भी हो रहे हैं। महाराष्ट्र में मतदान की धीमी गति पर तमाम नेता-राजनेता चिंतित दिखाई दिए हैं। इस कड़ी में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पिछले पांच वर्षों में मत प्रतिशत कम रहा है और उन्होंने मतदाताओं से अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए घरों से निकलने का आग्रह भी किया। इधर झारखंड के मंत्री और जामताड़ा से उम्मीदवार इरफान इंसारी ने कहा कि मैं आप सभी से आग्रह करना चाहूंगा कि घर से बाहर निकलें और मतदान करें। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि, हम संथाल परगना की सभी सीटें भारी मतों के अंतर से जीतने जा रहे हैं। बता दें कि झारखंड में पहले चरण का मतदान 13 नवंबर को हुआ था।

काजीरंगा में जल्द ...

इसके साथ ही अन्य हितधारक वन्यजीव-अनुकूल उपाय के लिए पूरा समर्थन प्रदान करेंगे। पीठ ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि असम राज्य और एमओआरटीएच काजीरंगा अभयारण्य के दो हिस्सों को विभाजित करने वाले एलिवेटेड कॉरिडोर प्रदान करने के लिए आवश्यक कदम उठा रहे हैं ताकि वन्यजीवों को जंगल के एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक आसानी आना जाना हो सके। पीठ ने कहा कि हमें उम्मीद है कि एनएचएआई जल्द से जल्द परियोजना को पूरा करेगा और अन्य हितधारकों से भी उम्मीद है कि वे उक्त परियोजना को शीघ्र पूरा करने के लिए पूर्ण समर्थन और सहयोग प्रदान करेंगे। शीर्ष अदालत असम में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से संबंधित मामले की सुनवाई कर रही थी। पीठ ने ध्यान दिया कि शीर्ष अदालत के 13 मार्च के आदेश के अनुसार, असम राज्य और कार्बी आंग्लांग स्वायत्त परिषद (केएएसी) ने मामले में अपने-अपने हलफनामे दायर किए हैं। पीठ ने यह भी ध्यान दिया कि राज्य के हलफनामे के अनुसार, राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड ने लगभग 20 हेक्टेयर वन भूमि के डायवर्जन के प्रस्ताव को अपनी मंजूरी दे दी है। पीठ ने केएएसी के हलफनामे का भी हवाला दिया, जिसमें राष्ट्रीय उद्यान की सीमा से लगे क्षेत्रों में खनन गतिविधियों के मुद्दे पर चर्चा की गई थी। शीर्ष अदालत ने कहा कि हलफनामे के अनुसार, राष्ट्रीय उद्यान के दक्षिणी भाग की सीमा से लगे क्षेत्रों में खनन गतिविधियां पहले ही बंद कर दी गई हैं। पीठ ने कहा कि इसलिए, हम पाते हैं कि केएएसी ने काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान की सीमा से लगे क्षेत्रों में अवैध खनन को रोकने के लिए भी आवश्यक कदम उठाए हैं। पिछले साल 4 नवंबर को असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा था कि काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के लिए वन्यजीव-अनुकूल उपाय के रूप में एक एलिवेटेड एक्सप्रेसवे के निर्माण के लिए 5,500 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा था कि एनएच-715 (पुराना एनएच-37) के साथ चार लेन की एलिवेटेड सड़क तीन स्थानों पर होगी, जिसकी कुल लंबाई 34.28 किलोमीटर होगी और इसमें दो सुरंगें भी शामिल होंगी। सीएम शर्मा ने कहा था कि वन्यजीव-अनुकूल सड़क की अवधारणा भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून के परामर्श से विकसित की गई थी और इसमें एलिवेटेड सड़कें और सुरंगें होंगी जो क्रमश: जानवरों के अंडरपास और ओवरपास के रूप में काम करेंगी। बता दें कि, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान गैंडे के अलावा, हाथी घास, दलदली भूमि और घने उष्णकटिबंधीय नम चौड़ी पत्ती वाले जंगलों में देखे जा सकने वाले जानवरों में हूलॉक गिब्बन, बाघ, तेंदुआ, भारतीय हाथी, सुस्त भालू, जंगली भैंसा और दलदली हिरण शामिल हैं।

बिहार में विशेष प्रार्थना ...

सहायता करने का लालच दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गुरुवार को विहिप की एक टीम इन सभी इलाकों का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लेगी। जिसमे पूर्वी चंपारण जिले के पकड़ीदायाल अनुमंडल के उस सिरहां पंचायत में भी जायेगी । जहां इन धर्म परिवर्तन कराने वाले लोगो ने बकायदा चर्च की स्थापना कर भोली भाली जनता को गुमराह कर रहे है। उल्लेखनीय है, जिले के पकडीदयाल अनुमंडल के सिरहा पंचायत में धर्मांतरण की पाठशाला बन गया है। पड़ताल यह सामने आया है,कि यहां चुपके चुपके बैठकों का आयोजन कराया जा रहा है। जिसमे मधुबन, चैता, कटास, मझार, बहुआरा, राजेपुर, तेतरिया सहित आसपास के दर्जनों गांव के दलित और कमजोर वर्ग के लोगो को तरह तरह के लालच और प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि यहां हर रविवार को विशेष प्रार्थना का आयोजन किया जाता है,जहां बड़ी संख्या में प्रार्थना के नाम पर महिलाओं व बच्चों को टेंपो में बैठाकर चर्च लाया जा रहा है। सिरहां के लोगो ने बताया कि पहले ऐसा नहीं होता था,लेकिन गत कुछ दिनो से यह गतिविधियां काफी बढ़ी है। बताया गया कि ईसाई मिशनरी केवल गरीब दलित शोषित समाज के लोगों को टारगेट कर रहा है। मिशनरी की पाठशाला बनी सिरहां के लोगो ने बताया कि गांव के ही उपेंद्र यादव जो पेशे से डॉक्टर थे, उन्होने सबसे पहले ईसाई धर्म ग्रहण किया और अपने घर के बगल में ही दो कट्ठा जमीन चर्च के नाम रजिस्ट्री कर दिया। जिसमे चर्च बनकर तैयार हो गया। उसके बाद उन्होने अपने बेटे आनंद और विजय को भी इसमें शामिल कराया। तबसे अब तक सिरहा पंचायत के तकरीबन 20 से 25 लोग ईसाई धर्म ग्रहण कर चुके है। जो लगातार बढ़ता ही जा रहा है।

बदलाव का सबसे ...

अनुशासन दिखाना आपके जीवन के अभिन्न हिस्से होने चाहिए। मानव निर्माण के लिए श्रेष्ठ आदतों का संचार आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में युवाओं के लिए उभरते अवसरों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज की सरकारी नीतियों ने आपकी प्रतिभा को चमकाने के लिए अनेक मंच प्रदान किए हैं। छात्रों को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि आप सभी ग्रामीण भारत की री? की हड्डी हैं। याद रखें भारत की आत्मा ग्रामीण अंचल में ही है। हमारी जड़ें ग्रामीण भारत में ही मजबूत होती हैं। हमारा अन्नदाता किसान भी ग्रामीण क्षेत्रों में ही रहता है। उन्होंने कहा कि पंचायत राज और नगर पालिका जैसी संस्थाओं के माध्यम से भारत ने लोकतंत्र को जमीनी स्तर तक सशक्त किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सराहना करते हुए उपराष्ट्रपति ने इसे एक *गेम-चेंजर* बताया। उन्होंने कहा कि तीन दशकों के बाद भारत को एक नई शिक्षा नीति मिली है, जिसका उद्देश्य छात्रों को केवल पुस्तकों और डिग्रियों के बोझ से मुक्त करना और उन्हें कौशलयुक्त बनाना है। यह नीति भारत को 2047 तक विकसित भारत के रूप में स्थापित करने में मदद करेगी। उन्होंने छात्रों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करते हुए आग्रह किया कि वे अपने दादा-दादी और नाना-नानी के नाम पर पेड़ लगाएं। उन्होंने संस्थानों से अपील की कि वे इस नेक कार्य को *मिशन मोड* में लेकर चलें। उपराष्ट्रपति ने कहा कि जब आप इस विद्यालय से बाहर जाएं, तो आपको ऐसा अनुकरणीय आचरण दिखाना चाहिए, जो इस विद्यालय के गौरव को बड़ाए। उपराष्ट्रपति ने अंत में बच्चों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और उनकी कार्यशैली की सराहना की, जिसने भारत के युवाओं को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए मंच प्रदान किया है। इस अवसर पर राजस्थान सरकार के नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा, नवोदय विद्यालय समिति की आयुक्त एवं शिक्षा मंत्रालय की संयुक्त सचिव प्राची पांडेय, संयुक्त आयुक्त गजेंद्र, संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी, जिला कलक्टर रामावतार मीणा, एसपी शरद चौधरी, नवोदय विद्यालय समिति जयपुर के उपायुक्त डॉ अजय कुमार, सह आयुक्त सोमवीर पूनिया, जेएनवी काजडा, झुंझुनूं के प्राचार्य संजय कुमार यादव एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

पचास फीसदी कर्मचारी...

कर्मचारी वर्क फ्रॉम होम करेगें। आवश्यक सेवाओं वाले 18 विभागों में वर्क फ्रॉम होम लागू नहीं होगा। इसके इम्प्लीमेंटेशन के लिए पर्यावरण विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग और औद्योगिक संघ फिक्की, एसोचैम और सीआईआई के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक दिल्ली सचिवालय में हुई। उन्होंने बताया कि प्राइवेट संस्थानों के लिए भी 50 प्रतिशत वर्क फ्रॉम होम करने के लिए निर्देश जारी किया जा रहा है। प्राइवेट संस्थान अपना कार्यालय खोलने का समय 10.30 बजे या 11 बजे रखेंगे। साथ ही अधिक स्टॉफ संख्या वाली प्राइवेट कंपनियां अपने कर्मचारियों के लिए शटल बस सेवा शुरू करें तो अच्छा रहेगा। इसके लिए भी एडवाइजरी जारी की जा रही है। दिल्ली नगर निगम के कार्यालय सुबह 8:30 बजे से शाम 5 बजे तक और दिल्ली सरकार के दफ्तर सुबह 10 बजे से शाम 6:30 बजे तक खुलेंगे जबकि केंद्र सरकार के कार्यालय अपने पूर्ववत समय के अनुसार ही खुलेंगे। पर्यवरण मंत्री ने कहा कि पूरे उत्तर भारत में बदलते मौसम में प्रदूषण का प्रभाव मारक होता जा रहा है। पूरा उत्तर भारत गंभीर प्रदूषण की चपेट में है। दिल्ली सरकार प्रदूषण को कम करने के लिए कई अभियान चला रही है, जैसे एंटी डस्ट अभियान, बायो डीकम्पोजर का छिड़काव, पौधरोपण अभियान और जागरूकता अभियान आदि। पूरे दिल्ली में सड़कों पर 200 मोबाइल एंटी स्मॉग गन से पानी के छिड़काव का अभियान शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार अपने स्तर पर लगातार प्रयास कर रही है। आज ग्रैप-4 के प्रावधानों को कड़ाई से लागू करने के लिए उच्च अधिकारियों के साथ मीटिंग कर आदेश जारी किया गया है कि ग्रैप-4 के नियमों को लागू करवाने में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली के सीमावर्ती पड़ोसी राज्यों को भी कड़े कदम उठाने होगें, तभी दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण को कम किया जा सकता है।

इजराइल-हमास जंग ...

समिट में गाजा को और ज्यादा मदद देने और युद्ध रोकने की अपील की गई। इजराइल-हमास जंग को 13 महीने हो चुके हैं। 7 अक्तूबर 2023 को इसकी शुरुआत हुई थी। हमास के सैकड़ों आतंकी गाजा पट्टी के रास्ते साउथ इजराइल में घुस गए। अंधाधुंध फायरिंग की। 1139 लोगों को मार दिया और 251 लोगों को अगवा करके ले गए। चंद घंटों बाद इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास के खिलाफ जंग का ऐलान कर दिया। इस जंग के शुरू होने के बाद से गाजा में 44 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। गाजा हेल्थ मिनिस्ट्री के आंकड़ों के अनुसार, ये गाजा की आबादी का करीब 2 प्रतिशत है। इजराइली सेना के मुताबिक, इनमें 17 से 18 हजार हमास के लड़ाके थे। इजराइल और हमास के बीच शुरू हुई जंग अब बढ़ते-बढ़ते लेबनान और ईरान तक पहुंच गई। जून में जारी यूनाइटेड नेशन की रिपोर्ट के अनुसार, गाजा में खाना जुटाना चुनौती बन गया है। यहां के 50,000 बच्चे गंभीर कुपोषण का शिकार हैं। गाजा का हेल्थ सिस्टम ध्वस्त हो चुका है। इजराइल की बमबारी में गाजा के ज्यादातर अस्पताल तबाह हो चुके हैं। डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स की अप्रैल की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि युद्ध से पहले यहां डायरिया के मामले 25 गुना बढ़े हैं। इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप की रिपोर्ट के मुताबिक, 7 अक्तूबर से अब तक इजराइलियों ने फिलिस्तीनियों पर 1 हजार से ज्यादा हमले किए।

एमपी में धार्मिक स्थल...

हिरासत में लिया गया और रीवा भेजा गया है। घटनास्थल पर कलेक्टर-एसपी समेत कई अधिकारी पर पहुंचे। वहीं, रीवा से वज्र वाहन और बल बुलाकर घटनास्थल पर तैनात कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि हिंदूवादी नेता संतोष तिवारी तीन दिनों से धरना देकर भूख हड़ताल कर रहे थे। मंगलवार शाम को मऊगंज विधायक प्रदीप पटेल भी इस धरने में शामिल होने के लिए पहुंचे। सबसे खास बात है कि उन्होंने अपने समर्थकों के साथ जेसीबी की मदद से दीवार तोड़ने की कोशिश की। विधायक की मौजूदगी में भीड़ उग्र हो गई। जब जेसीबी से दीवार को तोड़ने की कोशिश की गई, उस दौरान अतिक्रमणकारियों के बीच झड़प हो गई। दोनों पक्षों ने जमकर पथराव किया। जानकारी दें कि मंदिर की जमीन को अतक्रमण मुक्त करने के लिए विधायक व उनके सर्मथक पहले से ही जिला प्रशासन पर दबाव बना रहे थे। जुलाई में कोर्ट ने स्टे दिया था। एसपी रसना ठाकुर ने बताया कि दोनों पक्षों पर मामला दर्ज किया गया है। विधायक ने कहा कि तीन महीने बाद भी कब्जा नहीं हटा है। इस परे घटनाक्रम को लेकर कलेक्टर मऊगंज अजय श्रीवास्तव ने बताया कि मंदिर की जमीन के अतिक्रमण का मामला है। इसे लेकर विधायक उनके समर्थक मौके पर पहुंचे थे। झड़प में तीन लोग घायल हुए हैं, जबकि चौथा व्यक्ति मामूली घायल हुआ है। वर्तमान में इलाके में स्थिति नियंत्रण में है निषेधाज्ञा लागू की गई है।

मणिपुर में इंटरनेट ...

थौबल, काकचिंग, कांगपोकपी और चुराचंदपुर जिलों में इंटरनेट सेवाओं को निलंबित किया गया था। केवल सरकारी कार्यालयों और राज्य सरकार द्वारा अनुमोदित विशिष्ट मामलों के लिए इसमें छूट दी गई थी। राज्य की मौजूदा स्थिति की समीक्षा करने के बाद 20 नवंबर को शाम 5:15 बजे से 23 नवंबर को शाम 5:15 बजे तक इंटरनेट निलंबन को तीन दिनों के लिए बढ़ा दिया गया है। दूरसंचार सेवाओं के अस्थायी निलंबन (सार्वजनिक आपातकाल या सार्वजनिक सुरक्षा) नियम, 2017 के नियम 2 के तहत जारी आदेश का उद्देश्य सार्वजनिक सुरक्षा बनाए रखना और अफवाहों को फैलने से रोकना है।

आतंकवादियों से मुठभेड़ ...

पर अतिरिक्त सुरक्षा बलों के पहुंचने के बाद घायलों और सैनिकों के शवों को निकाला गया। पिछले महीने के अंत में इसी जिले के बक्का खेल इलाके में हुई गोलीबारी में सेना के मेजर समेत तीन सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई थी। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की तिराह घाटी में सप्ताहांत आतंकवादियों के साथ भीषण गोलीबारी में कम से कम आठ सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई थी।

दो दिवसीय दौरे पर कोकराझाड़ पहुंचे अमेरिकी दूतावास के प्रतिनिधिमंडल

कोकराझाड़ (हि.स.)। नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल दो दिवसीय दौरे पर बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) के दौरे पर पहुंचा है। बीटीआर प्रशासन ने आज बताया है कि अमेरिका के राजनीतिक मामलों के लिए मंत्री-परामर्शदाता ग्राहम मेयर के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल मंगलवार की शाम को बीटीआर के दौरे पर पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल बोड़ोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) के मुख्य कार्यकारी पार्षद (सीईएम) प्रमोद बोड़ो से कोकराझाड़ में मुलाकात की। इस प्रतिनिधिमंडल में ए. सुकेश (वरिष्ठ राजनीतिक सलाहकार), डैन रॉबिंस (राजनीतिक अधिकारी) और टिंकू रॉय (राजनीतिक सलाहकार) भी शामिल हैं। बैठक में उन्होंने स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में संभावित सहयोग पर चर्चा की, जिसका उद्देश्य बीटीआर की विकास पहलों का समर्थन करना है। इस दौरे ने अमेरिका और बीटीआर के बीच संबंधों को मजबूत करने की बढ़ती रुचि को उजागर किया, जिसमें सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इन चर्चाओं से ऐसी महत्वपूर्ण साझेदारियों की नींव रखी जाने की उम्मीद है जो क्षेत्र की दीर्घकालिक प्रगति को समर्थन देंगी। बीटीसी के सीईएम बोड़ो ने प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि हम बीटीआर में ग्राहम मेयर और उनकी टीम का स्वागत करके प्रसन्न हैं। उनकी अंतर्दृष्टि और चर्चाएं क्षेत्र के विकास और प्रगति के लिए सार्थक साझेदारियों को बढ़ावा देने का वादा करती हैं। प्रतिनिधिमंडल के कार्यक्रम में स्थानीय हितधारकों के साथ बैठकें और मिनी स्पन मिल तथा बोड़ोलैंड सिल्क पार्क आदाबारी जैसे महत्वपूर्ण स्थलों का दौरा शामिल था, जहां उन्होंने बीटीआर की विकास प्राथमिकताओं के बारे में जानकारी ली। यह दौरा बीटीसी सरकार की स्थायी विकास और क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिए अपनी दृष्टि के अनुरूप अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियां बनाने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

कैबिनेट मंत्री नंदिता गोरलोसा ने रवींद्रनाथ टैगोर विवि का दौरा किया

होजाई (विभास)। कैबिनेट मंत्री नंदिता गोरलोसा ने सोमवार को होजाई स्थित रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में एक संवादात्मक सत्र (इंटरैक्टिव सत्र) में शिरकत करते हुए विश्वविद्यालय के छात्रों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि आज के आधुनिक युग में अवसरों की कोई कमी नहीं है। छात्रों को चाहिए कि वे धैर्य, लगन, निष्ठा के साथ अपना मार्ग चुने व देश की उन्नति में अपना पूर्ण योगदान दें। वहीं मंत्री गोरलोसा ने आकर्षक तरीके से विश्वविद्यालय के अध्यापकों व छात्रों के साथ विचारों का आदान-प्रदान किया। सत्र की अध्यक्षता आरटीयू के माननीय उपकुलपति प्रो. मनवेंद्र दत्ता चौधरी ने की, जिसमें तिलक चंद्र कलिता, रजिस्ट्रार (प्रभारी) संयोजक के रूप में उपस्थित थे। सत्र की शुरुआत विश्वविद्यालय के गीत के साथ हुआ। स्वागत भाषण जूलॉजी विभाग की प्रो. रेजिना अहमद ने दिया। गौरतलाब है, मंत्री गोरलोसा के साथ तीन अधिकारी विश्वजीत चक्रवर्ती, संयुक्त रजिस्ट्रार, सहकारिता विभाग, अंतरा गोगोई, संयुक्त निदेशक खेल और युवा कल्याण और रूमी शर्मा, अनुसंधान सहायक, पुरातत्व निदेशालय ने भी कार्यक्रम में उपस्थित रहकर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के दौरान, मंत्री गोरलोसा ने इतिहास विभाग के अतिथि अध्यापक गौतम शर्मा द्वारा लिखित पुस्तक *उत्तर पूर्वांचल ऐतिहासिक पर्यटन* का भी विमोचन किया। इस कार्यक्रम में उपकुलपति प्रो. मनवेंद्र दत्ता चौधरी ने भी अपने विचार साझा किया और यह स्पष्ट रूप से कहा कि रविंद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय को एक बेहतरीन विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे। सत्र का समापन छात्रों द्वारा जीवंत सांस्कृतिक प्रदर्शनों के साथ हुआ, जिसमें असम की विभिन्न जनजातियों और समुदायों की समृद्ध विरासत और विविधता को प्रदर्शित किया गया। वाणिज्य विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. गार्गी शर्मा ने कार्यक्रम का संचालन किया और अर्थशास्त्र विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. बर्णाली हजारिका ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

रंगिया में कर्ज लेने के बाद संकट में पड़ा परिवार

रंगिया। रंगिया में कर्ज लेने के बाद संकट में पड़ा परिवार अब असहाय अवस्था मे है। कल तक अपने घर में रहने वाली मां-बेटी को आज दूसरों से शरण देने का अनुरोध करना पड़ रहा है। इस असहाय परिवार को साहूकार कंपनी ने सामान सहित घर से निकाल दिया था। चोला मंडलम नामक एक वित्तीय संस्थान ने यह अविवेकपूर्ण कार्य किया है। परिवार ने बड़ी मुश्किल से रात गुजारी। एक स्थानीय परिवार इस दुर्भाग्यपूर्ण माँ और बेटी को रात बिताने के लिए जगह देता है। उल्लेखनीय है कि उनके अपने भाई ने भी खबर तक नही ली। कर्ज देने वाली कंपनी के लोगों ने कल खेत में विभिन्न घरेलू सामान निकाल दिया था। फिर घर के गेट पर ताला लगा दिया था। अब मां-बेटी रो रही हैं, कहां जाएं और क्या खाएं...। मालुम हो कि घर के मुखिया प्राणकृष्ण दास, लड़की के पिता ने संस्थान से 40 लाख रुपयों का ऋण लिया था। 2023 में दास का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। लड़की के पिता ने ऋण की रकम से बिजनेस किया था। अब लड़की संघर्ष कर रही है कि अपनी मां के साथ कहां जाए और क्या करे। उसके बाद परिवार के सदस्य कर्ज न चुका पाने के कारण यह स्थिति पैदा हुई है।

बरपेटा रोड : प्रोफेसर राम अवतार माहेश्वरी मार्ग का भव्य उद्घाटन

बरपेटा रोड (विभास)। बरपेटा रोड के प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और समाजसेवी स्वर्गीय प्रोफेसर राम अवतार माहेश्वरी की द्वितीय पुण्यतिथि पर उनके नाम पर वार्ड क्रमांक 5 के एक प्रमुख मार्ग का नामकरण करते हुए एक भावपूर्ण और गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बरपेटा रोड पौरसभा के सभापति श्री राजेश सरकार और विशिष्ट अतिथि के रूप में बीएच कॉलेज के प्राचार्य डॉ. भूषण चंद्र पाठक उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बरपेटा रोड साहित्य सभा के सभापति श्री हितेश दास ने की, जबकि उद्घाटन समारोह के उद्देश्यों की व्याख्या समाजसेवी भैरू कुमार शर्मा द्वारा की गई। समारोह की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन से हुई, जिसे मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि ने संपन्न किया। इसके बाद पथ पट्टिका का अनावरण करते हुए सभापति राजेश सरकार ने इस पहल को बरपेटा रोड के लिए एक गर्व और सम्मान का प्रतीक बताया। डॉ. भूषण चंद्र पाठक ने अपने उद्बोधन में स्वर्गीय प्रोफेसर माहेश्वरी को एक आदर्श व्यक्तित्व बताते हुए उनके सिद्धांतों और मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा दी। इस भव्य आयोजन में शहर के विभिन्न वार्डों के कमिश्नर, संस्थाओं के पदाधिकारी, और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। मंच पर उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी स्वर्गीय माहेश्वरी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन प्रेस क्लब के कार्यकारी सभापति आलकेश बायन द्वारा कुशलता से किया गया। अंत में धन्यवाद प्रस्ताव हरिकिशन माहेश्वरी ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर समाज के सभी वर्गों ने स्वर्गीय प्रोफेसर राम अवतार माहेश्वरी के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की और इस नामकरण को उनके योगदानों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि माना।

हिमालय भारत का है और हमेशा ही रहेगा : इंद्रेश कुमार

दरंग (हि.स.)। भारत-तिब्बत सहयोग मंच के संस्थापक और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश कुमार ने बुधवार को कहा कि हिमालय भारत का है और हमेशा ही रहेगा। तिब्बत चीन से स्वतंत्र होना चाहिए और कैलाश-मानसरोवर को चीन की आक्रामकता से छुटकारा मिलना चाहिए। इंद्रेश कुमार गुवाहाटी के श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र से अरुणाचल प्रदेश के तवांग तक निकाली गई यात्रा के सिपाझार स्थित नारिकली शिवमंदिर पहुंचने पर आयोजित स्वागत समारोह को संबोधित कर रहे थे। तीर्थयात्रियों का स्वागत स्थानीय परंपरा के अनुसार असमिया और बिहू नृत्य प्रस्तुत कर किया गया और स्थानीय व्यजंन भी परोसे गए। स्वागत समारोह में मंच के असम प्रांत के उपाध्यक्ष राणा वशिष्ठ, सिपाझार के विधायक डॉ. परमानंद राजवंशी समेत कई गण्यमान्य मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि पिछले डेढ़ वर्ष से भारत-तिब्बत सहयोग मंच तिब्बत को भारत के साथ एकीकृत करने के लिए यह जागरुकता कार्यक्रम चला रहा है।

रंगिया में बलात्कारी को दस साल की सजा

रंगिया (विभास)। न्यायमूर्ति मुकुल चेतिया की विशेष अदालत ने रंगिया में बलात्कारी को 10 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। यह कड़ी सजा चांग्सारी के मनोज विश्वस को मिली है। पीड़िता के रिश्तेदारों ने 2018 में चांग्सारी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया था। (चांगसारी पीएस केस नंबर 65/18)। यह मामला 2018 से अदालत में लंबित रहा। (कोर्ट केस नं. एसपीएल (पी) 4/18)। रंगिया अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश और विशेष न्यायाधीश की अदालत ने मंगलवार को आरोपी मनोज विश्वस को 10 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। साथ ही दो हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। इस बीच, अदालत ने घोषणा की कि पीड़ित को मुआवजे के रूप में सरकार से 1 लाख रुपए दिए जाएंगे। चांग्सारी के मनोज विश्वास ने अपने घर में अपनी ही साली से बलात्कार जैसे अपराध किया था। इस घटना से साबित होता है कि महिलाएं अपने रिश्तेदारों के पास भी सुरक्षित नहीं हैं।

स्नैचिंग मामले में दो स्विगी डिलीवरी बॉय गिरफ्तार

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के चांदमारी पुलिस ने अलग-अलग मामले में दो स्विगी डिलीवरी बॉय को स्नैचिंग मामले में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि चांदमारी थाने की एक टीम ने राजगढ़ रोड पर धारदार हथियार दिखाकर एक सोने की चेन छीनने और दो सोने की बालियां लूटने के मामले में कामपुर के भास्कर कलिता (26) को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से अपराध को अंजाम देने के दौरान इस्तेमाल किया गया खंजर और स्कूटी जब्त कर ली गई। गिरफ्तार स्नैचर स्विगी डिलीवरी बॉय के रूप में काम करता है। वहीं चांदमारी थाने की एक टीम ने पूब सरनिया से मोबाइल स्नैचिंग के एक मामले में वांछित एक स्नैचर उमरांग्शू के अर्जुन मालाकार को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से छीना गया मोबाइल फोन और अपराध को अंजाम देने के दौरान इस्तेमाल की गई स्कूटी जब्त कर ली गई। गिरफ्तार दोनों स्नैचर स्विगी डिलीवरी बॉय के रूप में काम कर रहे थे और वे सड़कों पर मोबाइल और चेन की स्नैचिंग और डकैती में भी शामिल थे। पुलिस इस संबंध में दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

राज्य के स्थानों से हेरोइन सहित तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी/नगांव/लखीमपुर (हि.स.)। पुलिस ने गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर भारी मात्रा में हेरोइन के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बुधवार को सोशल मीडिया के जरिए बताया कि गुवाहाटी रेलवे पुलिस (जीआरपीएस) ने गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर जांच के दौरान एक आरोपित से 140 ग्राम संदिग्ध हेरोइन जब्त की। आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। उधर पुलिस ने नगांव जिले से हेरोइन के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बुधवार को सोशल मीडिया के जरिए बताया कि विश्वसनीय सूचना के आधार पर नगांव जिले के रूपहीहाट थाना के इंस्पेक्टर संजीत राय ने ड्रग्स की तस्करी के खिलाफ अभियान चलाया। अभियान के दौरान 12.41 ग्राम हेरोइन जब्त की गई। इस दौरान दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपितों के विरुद्ध नगांव थाना में एक प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है। वहीं पुलिस ने लखीमपुर से हेरोइन के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बुधवार को सोशल मीडिया के जरिए बताया कि विश्वसनीय सूचना के आधार पर उत्तर लखीमपुर थाना के ट्रैफिक सब इंस्पेक्टर ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान चलाया। अभियान के दौरान 62.88 ग्राम हेरोइन जब्त की गई। इस दौरान एक व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपित के विरुद्ध लखीमपुर थाना में एक प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है।

करीमगंज का नाम श्रीभूमि करने का अभाविप ने किया स्वागत

गुवाहाटी (हि.स.)। असम सरकार द्वारा करीमगंज जिले का नाम बदलकर श्रीभूमि करने की घोषणा का अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने स्वागत किया है। असम और भारत के अन्य हिस्सों के नाम कुछ ऐसे नामों पर दिए गए हैं, जिनके शब्दकोश के अर्थ किसी भी भारतीय भाषा में नहीं मिलते। ऐसा ही एक नाम था करीमगंज। गौरतलब है कि आजादी से पहले 1919 में कविगुरु रवींद्रनाथ टैगोर ने इस भूमि को *सुंदरी श्रीभूमि* कहा था। असम सरकार का करीमगंज जिले का नाम बदलकर शाब्दिक अर्थ वाला नाम और कविगुरु की स्मृति में नाम बदलने का निर्णय एक स्वागत योग्य निर्णय है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद असम प्रदेश ने इस फैसले का स्वागत किया है।

असम पुलिस का बाल अधिकार सप्ताह अभियान आयोजित

गुवाहाटी (हि.स.)। 14 नवंबर को (राष्ट्रीय बाल दिवस) से शुरू हुआ असम पुलिस का बाल अधिकार सप्ताह अभियान आज 20 नवंबर को विश्व बाल दिवस पर *गो ब्लू* पहल के साथ समाप्त हुआ। यह वैश्विक दिवस दुनिया भर में बाल अधिकारों को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है, और गो ब्लू अभियान के तहत एकजुटता दिखाने के लिए प्रतिष्ठित स्थलों को नीले रंग से रोशन किया जाता है। बाल अधिकारों और संरक्षण के समर्थन में असम पुलिस मुख्यालय, एसपी कार्यालय और राज्य भर के चुनिंदा पुलिस स्टेशनों को नीले रंग से रोशन किया गया है। राज्य के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने कहा है कि बाल अधिकारों के साथ एकजुटता का प्रतीक, असम पुलिस मुख्यालय को नीले रंग से रोशन किया गया है। *गोइंग ब्लू* के जरिए, असम पुलिस बच्चों के अधिकारों की रक्षा करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है, खासकर अपराध या संघर्ष से प्रभावित बच्चों के अधिकारों की। पहले उत्तरदाता के रूप में, पुलिस इन बच्चों के लिए न्याय सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। असम पुलिस के प्रमुख शिशु मित्र कार्यक्रम का उद्देश्य यूनिसेफ और यूटीएसएएच चाइल्ड राइट्स ऑर्गेनाइजेशन के साथ साझेदारी में पुलिस प्रतिक्रिया तंत्र को मजबूत करना और पुलिसिंग के सभी स्तरों पर बाल अधिकारों की रक्षा करना है। यह कार्यक्रम भारत की सबसे बड़ी बाल हितैषी पुलिसिंग पहलों में से एक है। असम पुलिस के विशेष डीजीपी हरमीत सिंह सिंह ने कहा कि असम पुलिस हमेशा से बाल अधिकारों में दृढ़ विश्वास रखती रही है। अपने सप्ताह भर के समारोह के समापन पर, हम अपने पुलिस तंत्र के संपर्क में आने वाले प्रत्येक बच्चे के अधिकारों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारे दिल में सहानुभूति है। मैं, असम पुलिस की ओर से हर खूबसूरत बच्चे को विश्व बाल दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

पूसीरे तीन और ट्रेनों में बढ़ाएगा जनरल कोच

गुवाहाटी (हि.स.)। भारतीय रेल साधारण श्रेणी के यात्रियों के लिए आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठा रही है। बेहतर सेवाएं प्रदान करने और बढ़ती यात्री मांगों को समायोजित करने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत, भारतीय रेल ने नवंबर माह तक लगभग 370 नियमित ट्रेनों में एक हजार से अधिक नए जीएस (जनरल सीटिंग) कोच जोड़ने की योजना बनाई है। यह पहल प्रतिदिन लगभग 1 लाख अतिरिक्त यात्रियों को जीएस कोचों में यात्रा करने में सक्षम बनाती है, जो रेलवे के समावेशिता और सुविधा पर ध्यान केंद्रित करने का प्रदर्शन करती है। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने बताया कि पूसीरे भी इस पहल में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जो भारतीय रेल की सफलता में योगदान दे रहा है। हाल ही में, पूसीरे ने 36 ट्रेनों/69 रेकों में 276 जीएस कोचों की बढ़ोतरी की है, जो अपने जोन और इसके बाहरी यात्रियों को अधिक सुविधा और पहुंच प्रदान करते हैं। इसके अलावा, पूसीरे ने दिसंबर माह के अंत तक तीन अतिरिक्त ट्रेनों में 16 और जीएस कोचों की संख्या बढ़ाने की योजना बनाई है। ये प्रयास यात्री सेवाओं में सुधार लाने और ट्रेन यात्रा को समाज के सभी वर्गों के लिए अधिक आरामदायक और समावेशी बनाने हेतु पूसीरे के समर्पण को रेखांकित करते हैं। रेल यात्रा में बढ़ती सार्वजनिक रुचि को स्वीकार करते हुए, रेलवे अपनी ट्रेनों में जीएस कोचों की संख्या बढ़ाकर अपने बेड़े का विस्तार करने संबंधी प्रयासों को तेज कर रहा है। सिर्फ जुलाई से अक्तूबर तक, लगभग 370 ट्रेनों में 600 जीएस कोच जोड़े गए, जिनकी कुल संख्या नवंबर माह तक एक हजार तक पहुंचेगी। इसके अलावा, अगले दो वर्षों में छह हजार से अधिक जीएस कोच और अतिरिक्त स्लीपर-क्लास कोच सहित 10 हजार से अधिक गैर-वातानुकूलित कोचों को शामिल करने की योजना है। इस महत्वाकांक्षी विस्तार से प्रतिदिन लगभग 8 लाख अतिरिक्त यात्री रेल यात्रा करने में सक्षम होंगे, जिससे सामान्य श्रेणी के यात्रियों की पहुंच में काफी वृद्धि होगी। ये नवनिर्मित कोच अत्याधुनिक एलएचबी (लिंके हॉफमैन बुश) डिजाइन के हैं, जो अधिक आराम, गति और सुरक्षा प्रदान करते हैं। एलएचबी कोच न केवल हल्के और मजबूत होते हैं, बल्कि हादसे की स्थिति में नुकसान भी कम से कम होगा, जिससे पारंपरिक आईसीएफ कोचों की तुलना में एलएचबी में बेहतर यात्री सुरक्षा सुनिश्चित होती है। पूसीरे, साधारण श्रेणी के यात्रियों की जरूरतों को प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता में दृढ़ है, इस प्रकार इस जोन और देश भर में यात्रा के अनुभवों में सुधार हुआ है। सभी के लिए सुविधाओं में की जा रही बढ़ोतरी रेल यात्रा को परिवहन के एक सुरक्षित, अधिक सुविधाजनक और समावेशी मोड में बदलने के अपने दृष्टिकोण को दर्शाता है।

No. GDB/BTC/SOPD/261/2019-20/928 *Date: 05/11/2024*

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Sealed tender affixing a non refundable court fee stamp of 8.25 (Rupees Eight & paisa twenty five) only with a validity period of 180days which will subsequently to be converted and drawn up in the printed of APWD, F-2 Form from the Govt. registered contractor/Farm of Class III and above category of Assam PWD Department and BTC. According to their eligibility for submitting tenders for the following works under AWC Schemes as stated below. The tender will be received by the undersigned up to 2.00 PM on 29/11/2024 and will be opened on the same date & Place at 2.30PM . Payment of non refundable, the tender form's cost is Rs. 500.00(Rupees Five hundred) only and non refundable 0.03% only in cash for each act of tender paper Demand Draft to be drawn in favour of the Principal Secretary, BTC, Kokrajhar payable at Kokrajhar.

Period of Collection	To be obtain from the office of the BDO Gobardhana Dev. Block on any working days /hours upto5.00PM from 25/11/ 2024 to 29/11/ 2024
Tender date and time of Opening	29/11/2024

Sl.. No.	Name of Scheme	A .A. Amount (Rs.)	Tender Value of work(Rs.)	Time of Completion of Work	Earnest Money(1%) for ST/SC and 2% for Gen /Farm and
1	Repairing of 12Nos. AWC under Women & Child Development Department under SOPD fund under Gobardhana Dev. Block, BTC for the year 2024-25	Rs. 18,00,000.00	Rs. 18,00,000.00	180days	(1%) Rs. 18000/- (2%)Rs.36000/-

The tender /tenders must be submitted with the requisite Earnest Money Deposit(EMD) in the form of deposit at Fixed Deposit /Demand Draft to be drawn in favour of the BDO, Gobardhana Dev. Block payable at Barpeta Road .Tender not accompanied by the Earnest Money Deposit (EMD) is liable to be rejected .

Sealed tender in the prescribed tender form shall be addressed to the Block Development Officer Cum Chairman , Tender Committee, Gobardhana Dev. Block , Barpeta Road , Dist.-Baksa, P.S.- Barpeta Road, Pin-781315,Assam . Tenders received after above date & time will not be accepted . The undersigned reserve the right to issue the tender papers to the tenderers and to accept or reject /cancel any or all the tenders if the situation compel to do so without assigning any reason thereof and DOES NOT BIND HIMSELF TO ACCEPT THE LOWEST QUOTED RATE OF TENDER.

UNSEALED TENDER WILL SUMMARILY BE REJECTED.

Sd/- Block Dev.Officer cum Chairman
Tender Committee Gobardhana Dev. Block, Barpeta Road

IPR(BTC)/C/2024-25/905

संपादकीय

प्रदूषण 'राष्ट्रीय शर्म' है

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के जानलेवा प्रदूषण और सरकारों के कामकाज को अब 'राष्ट्रीय शर्म' घोषित कर देना चाहिए। इसके अलावा विकल्प भी क्या है? जिस समय सर्वोच्च अदालत के 'कोर्ट रूम' में प्रदूषण पर सुनवाई चल रही थी, उस समय वहां का वायु गुणवत्ता सूचकांक 994 था। वह 'बेहद गंभीर' श्रेणी का प्रदूषण था। दिल्ली के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता 978 भी दर्ज की गई। ऐसे प्रदूषण में जीना भी 'राष्ट्रीय शर्मिन्दगी' है। सर्वोच्च अदालत का वह विशेष और संवेदनशील कक्ष होता है, जहां की हवा 'गैस चैंबर' के हालात को भी लांघ गई थी। यह शर्मनाक स्थिति नहीं है, तो और क्या है? राजधानी दिल्ली की 'प्रदूषित हवा' का औसत सूचकांक 500 को पार कर चुका है। अब एक दिन ऐसा आएगा, जब सडक़ों पर 'मास्कधारी आबादी' ही दिखाई देगी, लिहाजा अब सर्वोच्च अदालत की फटकार ही पर्याप्त नहीं है। अब सर्वोच्च अदालत सरकारों से सवाल न करे, बल्कि राज्यों के मुख्यमंत्रियों और मुख्य सचिवों को 'प्रतीकात्मक जेल' की सजा सुनाए।

> दिल्ली के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता 978 भी दर्ज की गई। ऐसे प्रदूषण में जीना भी 'राष्ट्रीय शर्मिन्दगी' है। सर्वोच्च अदालत का वह विशेष और संवेदनशील कक्ष होता है, जहां की हवा 'गैस चैंबर' के हालात को भी लांघ गई थी। यह शर्मनाक स्थिति नहीं है, तो और क्या है? राजधानी दिल्ली की 'प्रदूषित हवा' का औसत सूचकांक 500 को पार कर चुका है। अब एक दिन ऐसा आएगा, जब सडक़ों पर 'मास्कधारी आबादी' ही दिखाई देगी, लिहाजा अब सर्वोच्च अदालत की फटकार ही पर्याप्त नहीं है। अब सर्वोच्च अदालत सरकारों से सवाल न करे, बल्कि राज्यों के मुख्यमंत्रियों और मुख्य सचिवों को 'प्रतीकात्मक जेल' की सजा सुनाए। प्रदूषण सिर्फ दिल्ली-एनसीआर तक ही सीमित नहीं है। यहां तो 'गैस चैंबर' से भी बदतर हालात हैं।

प्रदूषण सिर्फ दिल्ली-एनसीआर तक ही सीमित नहीं है। यहां तो 'गैस चैंबर' से भी बदतर हालात हैं। अस्पतालों में मरीजों की संख्या 30-35 फीसदी बढ़ गई है। सांसें टूट रही हैं। दिल का दौरा पड़ा है। अस्थमा, दमा का अटैक पड़ा है। लोग बुरी तरह खांस रहे हैं। मस्तिष्क पर भी प्रभाव पड़ा है, लिहाजा ऐसे मरीज भी अस्पताल तक दौड़ रहे हैं। आम दृश्यता धुंध में कहीं खो गई है, लिहाजा 100 से अधिक विमान देरी से उड़े, 15 को अन्य राज्यों की ओर मोड़ा गया और कुछ उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। यह कोई आपातकाल या संक्रमण काल नहीं है, रोजमर्रा की जिंदगी पर प्रदूषण का प्रभाव है। प्रदूषण से 22 लाख लोग सालाना मर जाते हैं। करीब 90 करोड़ भारतीय 'गंभीरतम प्रदूषण' में सांस लेने को विवश हैं। वे भी हरेक सांस के साथ अकाल मृत्यु की तरफ बढ़ रहे हैं। पर्यावरण में इतना धुआं औसत आदमी एक दिन में 49.2 सिगरेट पीने के समान निगलने को विवश है। हरियाणा में यह औसत 33.25 सिगरेट के धुएं के बराबर है। उप्र और बिहार में प्रतिदिन लोग औसतन 10 सिगरेट पीने को मजबूर हैं। आदमी के दिल, फेफड़े और गुर्दे कब तक साथ देंगे? आम आदमी की उम्र औसतन 8 साल घट रही है। हम लोग छोटे, बौने, निहित स्वार्थ के मुद्दों पर साल भर में औसतन एक लाख से अधिक आंदोलन करने के आदी हैं। जाति, धर्म, आरक्षण, आर्थिक मुद्दों पर भी राष्ट्रव्यापी आंदोलन छेड़े गए हैं, लेकिन प्रदूषण जैसे जानलेवा हालात पर कोई आंदोलन नहीं! हालिया चुनावों में भी प्रदूषण पर कोई चर्चा, बहस सामने नहीं आई है। हमारे सामने चीन का उदाहरण है। वह एक तानाशाही किस्म का देश है, लेकिन वहां लोगों ने 'गैस चैंबर' सरीखे प्रदूषण पर ऐसा आंदोलन छेड़ा कि सरकार हिल गई। आज वहां प्रदूषण लगभग नियंत्रण में है। भारत में वैसा क्यों नहीं किया जा सकता? सर्वोच्च अदालत भी फटकारना बंद करे और संवैधानिक दायित्व तय करे, क्योंकि स्वच्छ हवा में सांस लेना भी हमारा संवैधानिक अधिकार है। पराली जलाना, घरेलू धुआं, औद्योगिक प्रदूषण, वाहनों से निकलने वाले जहरीले कण, पाबंदी के बावजूद आतिशबाजी आदि के मद्देनजर ग्रैप-4 की पाबंदियां भी स्थायी और पर्याप्त असरकारक नहीं हैं। बड़े वाहन बंद, निर्माण-कार्य बंद, फैक्ट्रियों में उत्पादन बंद, दफ्तर बंद, स्कूल बंद...आखिर निठल्ले बैठकर प्रदूषण से कैसे लड़ा जा सकता है? प्रदूषण पर असर डालने वाले कारकों पर सोचना होगा, लिहाजा सरकारें विशेषज्ञों की सलाह लें। जिम्मेदारी भारत सरकार की भी है, बल्कि ज्यादा है। दिल्ली में ही राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और पूरी कैबिनेट, संसद स्थित हैं। सर्वोच्च अदालत और प्रधान न्यायाधीश भी दिल्ली में ही मौजूद हैं। सभी देशों के दूतावास भी दिल्ली में हैं। राजधानी होने के कारण दिल्ली की अपनी प्रतिष्ठा और गरिमा है। यदि प्रदूषण वाकई 'राष्ट्रीय शर्म' मान लिया गया, तो भारत की छवि कलंकित होगी। प्रदूषण से जानलेवा खतरा हिंदू, मुसलमान, सिख, ईसाई, दलित, पिछड़ों सभी को है, लिहाजा इस मुद्दे पर क्षुद्र राजनीति भी नहीं करनी चाहिए। यदि सरकारें प्रदूषण काबू करने में ही नाकाम, असहाय हैं, तो उन्हें बर्खास्त कर देना चाहिए।

आम आदमी पार्टी के बढ़ते संकट एवं गिरते राजनीतिक मूल्यों के कारण उसकी चुनौतियां खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही

गहलोत के इस्तीफे का झटका, बड़े संकट का संकेत

ललित गर्ग

> दिल्ली सरकार के प्रमुख मंत्री कैलाश गहलोत ने जिस तरह से चुनावी वादों को पूरा न करने जैसे ऐसे अनेक मुद्दों का जिक्र करते हुए अपने पद एवं प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया है जो अरविंद केजरीवाल की छवि पर सीधी चोट करने वाले हैं। दिल्ली के विकास की बजाय 'आप' सरकार का सारा समय केंद्र सरकार से झगड़ा करने में बीतने की बात कहकर गहलोत ने आम आदमी पार्टी की एक बड़ी कमजोरी को उजागर किया है, जो 'आप' के लिये एक बड़ा राजनीतिक संकट का संकेत है।

दिल्ली में विधानसभा चुनावों से पहले आम आदमी पार्टी को एक बड़ा झटका लगा। दिल्ली सरकार के प्रमुख मंत्री कैलाश गहलोत ने जिस तरह से चुनावी वादों को पूरा न करने जैसे ऐसे अनेक मुद्दों का जिक्र करते हुए अपने पद एवं प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया है जो अरविंद केजरीवाल की छवि पर सीधी चोट करने वाले हैं। दिल्ली के विकास की बजाय 'आप' सरकार का सारा समय केंद्र सरकार से झगड़ा करने में बीतने की बात कहकर गहलोत ने आम आदमी पार्टी की एक बड़ी कमजोरी को उजागर किया है, जो 'आप' के लिये एक बड़ा राजनीतिक संकट का संकेत है। अरविंद केजरीवाल ने सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे के साथ भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ा आंदोलन शुरू करके इस पार्टी का गठन किया, लेकिन खुद एवं उसके अन्य बड़े नेता भ्रष्टाचार के आरोप में जेल की यात्रा कर आये, अनेक मतभेदों, विवादों एवं केजरीवाल के अहंकार, गलत नीतियों के चलते पार्टी के कई दिग्गज नेता पार्टी से दूर होते चले गए, जिनमें किरण बेदी, कवि कुमार विश्वास, आशुतोष, आशीष खेतान, शांति भूषण, प्रशांत भूषण, योगेंद्र यादव, शाजिया इल्मी और कपिल मिश्रा और अब कैलाश गहलोत जैसे नाम शामिल हैं। लगता है अब आम की झाड़ू ही नहीं, बल्कि आप के राजनीतिक मूल्य भी तार-तार हो गये हैं। आम आदमी पार्टी के बढ़ते संकट एवं गिरते राजनीतिक मूल्यों के कारण उसकी चुनौतियां खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही है। कैलाश गहलोत ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल और दिल्ली की सीएम आतिशी को इस्तीफा भेजा है। दिल्ली की सीएम आतिशी ने गहलोत का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। गहलोत ने अपने पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देते हुए एक लम्बा पत्र केजरीवाल को भेजा है। उन्होंने इस्तीफे में यमुना की सफाई और शीशमहल निर्माण का मुद्दा उठाया है। गहलोत ने पत्र में आरोप लगाते हुए लिखा है कि जिस ईमानदार राजनीति के चलते वह आम आदमी पार्टी में आए थे, वैसा अब नहीं हो रहा है। उन्होंने पार्टी के संयोजक व पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास को शीशमहल करार देते हुए कई आरोप भी लगाए हैं। ऐतिहासिक भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से जन्मी इस पार्टी का यह हश्र एवं दूरगति राजनीतिक महत्वाकांक्षा का परिणाम है। आम आदमी पार्टी खुद को ईमानदारी के उच्चतम मानकों पर रखने का दावा भले ही करती रही हो, लेकिन उसने सत्ता

का दुरुपयोग करते हुए राजनीतिक एवं नैतिक मूल्यों को ध्वस्त ही किया है। आप का उदय एक ताज़ी हवा का झोंका था लेकिन आज वह दूषित राजनीति का पर्याय बन गया है। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले कैलाश गहलोत का इस्तीफा आम आदमी पार्टी के लिये उल्टी गिनती का द्योतक है, यह राजनीतिक रूप से नुकसान पहुंचाने वाला है, क्योंकि गहलोत ने एक तो यह कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार यमुना को साफ नहीं कर सकी और स्थिति यह है कि वह पहले से अधिक गंदी हो गई है। इसके अलावा उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि 'आप' सरकार का सारा समय केंद्र सरकार से झगड़ा करने में बीतता है। भले ही 'आप' कैलाश गहलोत की इन बातों को यह कहकर खारिज कर सकती है कि वह भाजपा की भाषा बोल रहे हैं और यह भी कहा जा सकता है कि गहलोत पर ईडी-सीबीआइ आदि का दबाव था। निश्चित ही गहलोत के खिलाफ ईडी और इनकम टैक्स के कई मामले चल रहे थे। कैलाश गहलोत पर ईडी और इनकम टैक्स की कई रेड भी हो चुकी थी। वह जांच का सामना कर रहे थे। आप के इन बयानों में कुछ सच्चाई भी हो सकती है कि उनके पास इस्तीफा देने के अलावा कोई और विकल्प नहीं था। लेकिन बड़ा तथ्य है कि 'आप' दिल्ली की जनता के साथ न्याय नहीं कर सकी है, वह केंद्र सरकार से बात-बात में झगड़ा मोल लेने के लिए जानी जाती है। इससे इन्कार नहीं कि केंद्र सरकार भी आम आदमी पार्टी से उलझती हुई दिखती है, लेकिन दिल्ली सरकार की छवि ऐसी बन गई है कि वह केंद्र सरकार पर दोषारोपण करने का मौका ढूंढ़ती रहती है। दिल्ली और केंद्र सरकार के बीच हर मुद्दे पर खींचतान जारी रहने से सबसे अधिक नुकसान दिल्ली की जनता को हुआ है। दिल्ली की कई समस्याएं नहीं सुलझ पाने, दिल्ली का अपेक्षित विकास न हो पाने एवं अपने चुनावी वादों को पूरा न करने के कारणों के लिये 'आप' नेताओं ने हमेशा ही केन्द्र सरकार एवं भाजपा को दोषी ठहराया है। गहलोत ने कहा कि पार्टी से जुड़ी उनकी यात्रा का उद्देश्य दिल्ली के लोगों की सेवा करना था, लेकिन अब उन्होंने महसूस किया कि पार्टी सिर्फ अपने राजनीतिक एजेंडे के लिए लड़ रही है, जिससे दिल्लीवासियों को बुनियादी सेवाएं प्रदान करने में मुश्किलें आ रही हैं। ऐसे में उनके सामने पार्टी से अलग होने के अलावा कोई और विकल्प नहीं था। 'आप' टकराव की राजनीति में व्यस्त रही, अच्छे गवर्नेंस और बेहतर राजनीति का दामन उसके हाथ से लगातार छूटता रहा। दिल्ली में पार्टी ने असंख्य मुद्दे उठाये लेकिन वह इन सबको आखरी मंज़लि तक नहीं पहुंचा पायी। यह भविष्य ही बताएगा कि कैलाश गहलोत का त्यागपत्र आम आदमी पार्टी को राजनीतिक रूप से महंगा पड़ेगा या नहीं, लेकिन इसमें दो राय नहीं कि उन्होंने अपने इस्तीफे में जिस तरह 'आप' की गलत नीति एवं केजरीवाल की अति-महत्वाकांक्षाओं का जिक्र किया, वह अरविंद केजरीवाल के साथ-साथ पूरी आम आदमी पार्टी की साख को करारा आघात देने वाला है। यह एक तथ्य है कि आम आदमी पार्टी आज तक इस प्रश्न का कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दे सकी कि आखिर अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री रहते अपने सरकारी आवास की साज-सज्जा पर 45 करोड़ रुपये खर्च करने की क्या जरूरत थी? कैलाश गहलोत ने अपने पत्र में यह भी आरोप लगाया है कि 'आप' अपनी रीति-नीति से भटक गई है। केजरीवाल और उनके सहयोगी इससे सहमत नहीं होने वाले, लेकिन इसमें कोई दो राय नहीं कि 'आप' की भ्रष्टाचार विरोधी राजनीतिक दल की छवि का बहुत अधिक क्षरण हुआ है। 'आप' ने नई तरह की एवं मूल्यों की राजनीति करने के जो तमाम दावे किए थे, वे दावे यदि खोखले नजर आने लगे हैं तो इसके लिए अरविंद केजरीवाल और उनके सहयोगी अन्य किसी को जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते। एक बड़ा सवाल है कि 'आप' की इस दुर्दशा के चलते क्या वह दिल्ली पर अपनी मजबूत पकड़ को क्या कायम रख पायेगी? क्या दिल्ली में भाजपा या अन्य दलों के लिये अब सत्ता तक पहुंचने की संभावनाएं बढ़ गयी है? आप एवं उसकी सरकार के लिये अभी भी देर नहीं हुई है, ज़रूरत है कि वह जन मुद्दों के बीच प्राथमिकता तय करे। अनावश्यक टकराव से बचते हुए अपने एजेंडे को अमलीजामा पहनाये।

दृष्टि कोण

आतंकवाद पर रुख स्पष्ट करे सियासत

सेवा अस्माकं धर्मः, अर्थात 'राष्ट्र की सेवा हमारा धर्म है।' यह प्रसंग भारतीय थलसेना का आदर्श वाक्य है। सेना के लिए राष्ट्र हमेशा सर्वोपरि रहा है। इसीलिए देश सुरक्षित है। मगर देश पर हुक्मरानी करने वाले सियासी निजाम के लिए वोट बैंक व सत्ता सर्वोपरि होती है। इस नवंबर महीने में वीरभूमि हिमाचल के हिस्से दो और सैन्य बलिदानों का इजाफा हो गया। जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ में सेना की 'दो पैरा स्पेशल फोर्स' के जेसीओ राकेश कुमार दस नवंबर 2024 को आतंकियों से लड़ते बलिदान हो गए। 13 नवंबर को हवलदार सुरेश कुमार 'डोगरा रेजिमेंट' लद्दाख क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर वीरगति को प्राप्त हो गए। राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान देने की सैन्य परंपरा को निभाने वाले दोनों सपूतों का संबंध मंडी जिला से था। डोगरा शासकों के समय से लेकर मौजूदा दौर तक जम्मू कश्मीर के लिए हिमाचल प्रदेश के रणबांकुरों की दास्तान-ए-सुजात की फेहरिस्त काफी लंबी है। जम्मू कश्मीर रियासत के जरनैल 'जोरावर सिंह कहलूरिया' ने डोगरा सल्तनत की सरहदों को अफगानिस्तान से लेकर तिब्बत के महाज तक विस्तार देकर लद्दाख के रणक्षेत्र में अपना बलिदान दिया था। कैप्टन संजय चौहान 'शौर्य चक्र', पवन घंगल 'कीर्ति चक्र', कुलभूषण मांटा 'शौर्य चक्र' तथा सूबेदार संजीव कुमार 'कीर्ति चक्र' जैसे हिमाचल के सैंकड़ों बहादुर सैनिकों ने कश्मीर की सुरक्षा के लिए आतंकवाद से लडक़र अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया था। लेकिन देश की फिजाओं में हरदम सियासी माहौल रहता है। सियासी हुक्मरान देश का राष्ट्रीय खेल बन चुकी सियासत में मशगूल रहते हैं। सियासत जाति, मजहब व वंशवाद की तवाफ करती है। मुल्क का मीडिया सियासत की तवाफ करता है। नतीजतन फिदा-ए-वतन हो रहे जांबाजों का सर्वोच्च बलिदान कभी न्यूज चैनलों की सुर्खियां नहीं बनता। युवा वर्ग के लिए प्रेरणास्रोत हमारा गौरवशाली सैन्य इतिहास कभी शिक्षा पाठ्यक्रम का हिस्सा नहीं बना। सैनिकों की रक्तरंजित शूरवीरता पर मायानगरी के अदाकार फिल्में बनाकर करोड़ों रुपए कमा लेते हैं, मगर वतन-ए-अजीज की हशमत के लिए अपनी जान का नजराना पेश करने वाले वास्तविक नायक गुमनामी के अंधेरे में खो जाते हैं। सुरक्षा के लिहाज से जम्मू कश्मीर भारत के लिए एक मुद्दत से चुनौती बन चुका है। मुल्क के नीति-निर्माताओं के गलत फैसलों का खामियाजा सैनिक व सैन्य परिवार भुगत रहे हैं। कश्मीर हथियाने के लिए चार बड़े युद्धों में मिली शर्मनाक शिकस्त के बदनुमां दाग मिटाने के लिए पाक सेना ने भारत के खिलाफ आतंक को अपना हथियार बनाया। मजहबी रहनुमाओं की जहरीली तालीम ने युवाओं को जन्नत में बहत्तर हूरों का जहालत भरा ख्वाब दिखाकर उनके जहन में मजहबी जिहाद का मवाद भरकर उन्हें हथियार उठाने के लिए प्रेरित किया। पाक परस्त दहशतगर्दों को कश्मीर की स्थानीय आबादी व सियासत की पूरी हिमायत हासिल हुई। बिना लोकल स्पोर्ट के आतंकवाद, अलगाववाद व चरमपंथ कभी पैर नहीं पसार सकते। इसी पाक परस्त आतंक के कारण 1990 के दशक में कश्मीर के मूल निवासी लाखों बेगुनाह लोग घाटी से हिजरत करके अपने ही मुल्क में शरणार्थी बन गए। लेकिन आतंक व पलायन के उस खौफनाक मंजर पर भी कश्मीर से लेकर मरकजी हुकूमत तक देश की सियासत मौन थी। मुफ्तखोरी की खैरात के जरिए मुल्क की हर सियासी जमात सत्ता के फलक पर विराजमान होने को बेताब रहती है। आतंकवाद का मसला तथा कश्मीरी पंडितों के पलायन का मुद्दा जम्हूरियत की पंचायतों में कभी चर्चा का मरकज नहीं बना। जम्मू कश्मीर रियासत के हुक्मरान हरि सिंह की रियासती सेना सन 1947 में पाक सेना के हमले को रोकने में विफल रही थी। उस वक्त भारतीय सेना ने जोरदार पलटवार करके कश्मीर को बचाया था। पाक परस्त आतंक से निपटने में जम्मू कश्मीर राज्य की पुलिस फोर्स भी नाकाम रही है। नतीजतन 'राष्ट्रीय राइफल्स' की साठ से अधिक बटालियन घाटी में तैनात करनी पड़ी। इसके अलावा पाकिस्तान से सटी जम्मू-कश्मीर की सरहदों पर सेना के सात डिवीजन तैनात हैं। बेतुकी बयानबाजी से अपनी सियासी जमीन मजबूत करने वाले कश्मीर के सियासी रहनुमा खुद सेना की सर्वश्रेष्ठ सिक्योरिटी के दायरे में महफूज रहते हैं। राज्य की पुलिस फोर्स अपने अधिकारियों व प्रशासन तथा सियासतदानों की सुरक्षा में मशरूफ है। घाटी में काम करने वाले अप्रवासी मजदूरों की टारगेट कीलिंग हो रही है। 'ग्राम सुरक्षा गार्डों' का अपहरण करके कत्ल किया जा रहा है। सैनिक शहीद हो रहे हैं।

कुछ अलग

ऐसे थोड़े ही होता है...

बंधुओ! गलतियों के निरंतर क्रम में मुझसे सच बोलने की गलती हुई तो मेरे भगवान ने मुझे कोसा, 'गधे कहीं के! इतना भी नहीं समझते कि सच बोलना गुनाह होता है। अगली बार सब कुछ करना, पर सच बोलने की गलती मत करना', और मैंने उनका आदेश पा सच कहने की गलती सुधार ली। मित्रो! आदमी गलती का पुतला हो या न, पर मैं ठहरा गलती का पुतला। और गलतियों के अनवरत क्रम में मुझसे एक और गलती हो गई। आदमी नहीं हूं न! मुझसे अचानक अपने खास पर विश्वास करने की गलती हो गई। गलती होने पर मेरे भगवान ने मुझे फिर फटकारते कहा, 'सूअर कहीं के! इतना भी नहीं समझते कि अपने पर भी विश्वास करना गुनाह होता है। अगली बार सब कुछ करना, पर अपने पर भी विश्वास करने की गलती मत करना', और मैंने अपने खास पर विश्वास करने पर हुई गलती सुधार ली। कसम खाई कि भविष्य में और चाहे कितनी ही गलतियां करूंगा, पर मरने के बाद भी अपने पर विश्वास करने की गलती न करूंगा। आदमी गलती का पुतला हो या न, पर मैं ठहरा गलती का पुतला। गलती का खेल देखिए, अचानक मुझसे ईमानदारी करने की गलती हो गई। गलती होने पर मेरे भगवान से मुझे फिर फटकारते कहा, 'उल्लू कहीं के! इतना भी नहीं समझते कि नख से शिख तक बेईमानी में सने समाज में किसी से भी ईमानदारी करना गुनाह होता है। अगली बार सब कुछ करना, पर ईमानदारी करने की गलती मत करना', और मैंने ईमानदारी करने की गलती भी सुधार ली। टांगों के नीचे से कान पकड़े, कसम खाई कि मर जाऊं, जो आगे किसी से भी ईमानदारी करूं। जनाब! आदमी गलती का पुतला हो या न, पर मैं ठहरा गलती का पुतला। गलतियों के क्रम में मुझसे एक और गलती हो गई। मुझसे सडक़ पर मर रहे की वीडियो बना उसे वायरल करने के बदले उसे अस्पताल ले जाने की गलती हो गई। गलती होने पर मेरे भगवान से मुझे फिर फटकारते कहा, 'हे गलतियों के भंडार! माना, तुम गलतियों के भंडार हो, पर कदम कदम पर गलती करते फिरो, ये कहां की बदतमीजी है? इतना भी नहीं समझते कि राह में किसी मरते को उठाकर अस्पताल ले जाने के बदले उसका वीडियो बना वायरल करना ही सच्ची मानवता है। राह में किसी मरते को देख उसे अस्पताल ले जाना सबसे बड़ा गुनाह होता है। अगली बार सब कुछ करना, पर किसी भी जरूरतमंद को अस्पताल ले जाने की गलती मत करना', और मैंने फिर किसी राह मरते को उठाकर उसका वीडियो बना वायरल करना शुरू कर उसे अस्पताल ले जाने की गलती भी सुधार ली। हुजूर! आदमी गलती का पुतला हो या न, पर मैं ठहरा गलती का पुतला। और इस गलती के पुतले से कल फिर एक और गलती हो गई। हालांकि मैंने तय कर लिया था कि अब अपने भगवान से अपनी और फजीहत करवाने के बदले मैं और तो सब कुछ करूंगा, पर कोई गलती न करूंगा। पर गलती करने से मेरे जैसे को कौन रोक सकता है? और मुझसे फिर गलती हो गई। इधर मुझसे गलती हुई तो उधर मेरे भगवान को मुझे डांटने फटकारने का एक और अवसर मिला, 'रे सूअर के बच्चे के बच्चे! कर दी न फिर गलती। पता नहीं तुम कितनी गलतियों से बने हो कि जितना तुम्हें गलती न करने की सलाह देता हूं, तुम उतनी ही गलतियां करते हो। समझ में नहीं आता कि तुम जैसे को मैंने आदमी क्यों बनाया?' अब कोई किसी को कितना बर्दाश्त करे? आदमी हो चाहे भगवान! भाई साहब! सहन करने की भी एक हद होती है। वे केवल मेरे भगवान हैं तो इसका मतलब ये तो नहीं हो जाता कि...। आखिर मुझे भी गुस्सा आ गया।

देश दुनीया से

'स्लीप डिवोर्स' का कड़वा सच

आजकल के शादीशुदा जोड़ों के बीच एक नया ट्रेंड देखने को मिल रहा है और इसकी सोशल मीडिया पर भी जबरदस्त चर्चा हो रही है। इसे स्लीप डिवोर्स, यानी कि नींद में तलाक का नाम दिया जा रहा है। पूरी दुनिया के समाज शास्त्री और मनोवैज्ञानिक इसको लेकर चिंताएं व्यक्त कर रहे हैं। यह सिंड्रोम यानी विकार कॉर्पोरेट कल्चर के वर्क कल्चर के कारण अपने देश में भी फैल चुका है। हमारे बड़े शहरों में इन दिनों खास तौर पर कॉर्पोरेट दुनिया में काम कर रहे अनेक युवा कपल्स अपनी नींद को तरजीह देते हुए स्लीप डिवोर्स की तरफ बढ़ रहे हैं। स्लीप डिवोर्स का मतलब है कि पार्टनर्स अलग-अलग बिस्तर पर सोना शरू कर देते हैं, ताकि उनकी नींद खराब न हो और वे पूरी नींद ले सकें। लेकिन कपल्स के आपसी रिश्ते, सेक्स लाइफ और करीबी को लेकर अनेक विसंगतियां पैदा हो जाती हैं। आइए इस मुद्दे का गहन विश्लेषण करें। 'स्लीप डिवोर्स' में पार्टनर ब्रेकअप या तलाक के फेर में नहीं जाते, बल्कि एक ही घर में रहते हुए अलग-अलग सोना शुरू कर देते हैं। ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि एक-दूसरे को परेशान किए बिना पार्टनर रातों को चैन की नींद सो सकें। स्लीप डिवोर्स के दौरान अक्सर कपल्स भावनात्मक लेवल पर अलग नहीं होते, बल्कि अपनी नींद पूरी करने के लिए एक-दूसरे से अलग सोते हैं। स्लीप डिवोर्स शब्द का पहली बार प्रयोग कब हुआ, यह ठीक-ठीक कह पाना मुश्किल है। लेकिन 2013 से ही इस शब्द को मीडिया में पढ़ा जा सकता है। अच्छी नींद और सेहत से जुड़े कई हालिया शोधों में भी यह समस्या तेजी से उभरकर सामने आई है। कई विशेषज्ञ अच्छी सेहत को अच्छी नींद से जोड़ते हैं। उनका मानना है कि स्लीप डिवोर्स से न सिर्फ रिश्ते मजबूत होते हैं, बल्कि सेहत भी सुधरती है। स्लीप डिवोर्स या फिर नींद में तलाक का मतलब, असल में एक-दूसरे से अलग हो जाना या तलाक ले लेना नहीं है। इसका मतलब है कि पार्टनर्स क्वालिटी स्लीप लेने के लिए अलग सोना पसंद करते हैं। इसके अलावा, अलग-अलग स्लीपिंग शेड्यूल होने के चलते, दूसरे पार्टनर के नींद में हाथ-पैर चलाने के कारण, खर्राटे लेने की आदत के चलते या कोई स्लीप डिसोर्डर के कारण स्लीप डिवोर्स की जरूरत पड़ सकती है। लेकिन, अच्छी नींद स्वस्थ रहने के लिए जरूरी है और इसीलिए बहुत से पार्टनर्स यह मानते हैं कि स्लीप डिवोर्स उनके लिए फायदेमंद है। मीडिया रिपोट्र्स के मुताबिक उत्तर प्रदेश निवासी एक महिला ने कुछ वक्त पहले तो इस समस्या से जूझ रहे पति से तलाक की अर्जी ही कोर्ट में दाखिल कर दी। काउंसलर्स के लाख समझाने पर महिला तलाक लेने पर ही अड़ी रही। महिला के पति को दरअसल खर्राटे बहुत आते थे। महिला ने तलाक का कारण पति के खर्राटों की वजह से उसे होने वाला मानसिक तनाव प्रमुख वजह बताई थी। इंटरनेशनल हाउसवेयर्स एसोसिएशन ने जनवरी 2023 में एक सर्वे किया था। पता चला कि अमेरिका में तो 20 फीसदी जोड़ों ने एक साथ सोना ही छोड़ दिया, जिसके पीछे प्रमुख वजह पति या पत्नी में से किसी न किसी एक को खर्राटों की समस्या थी। सेंट मैरी यूनिवर्सिटी की मनोवैज्ञानिक डा. स्टेफनी जे. विल्सन द्वारा किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि जब दो लोग नींद से वंचित होते हैं, तो इससे शरीर में सूजन की प्रतिक्रिया बढ़ जाती है, और जोड़े एक-दूसरे के साथ अधिक आक्रामक तरीके से और अक्सर झगडऩे लगते हैं। यह कितना सच है? स्लीप डिवोर्स को कई लोग अच्छा नहीं मानते हैं। हम इसकी वकालत तो नहीं कर सकते हैं। कुछ मनोवज्ञानिक मानते हैं कि नींद में तलाक के फायदे अनेक हैं, क्योंकि कई बार नींद पूरी न होने के कारण चिड़चिड़ापन बढ़ जाता है। अगर कपल अलग-अलग सोते हैं तो उनकी नींद पूरी होती है। ऐसे में उनका हेल्थ भी अच्छा रहता है। कई बार ऐसा होता है कि कपल्स के बीच में पर्सनल स्पेस बेहद जरूरी होता है। तो ऐसी स्थिति में वह खुद के साथ कुछ वक्त बिताना चाहते हैं। ऐसे में जब वह अकेले सोते हैं तो उन्हें काफी अच्छा महसूस होता है। क्या यह सच नहीं है कि हर एक व्यक्ति का एक स्लीप रूटीन होता है। यह स्लीप का रूटीन कई बार पार्टनर से मैच नहीं करता है, जिसके कारण उनके रिलेशन में कई तरह की प्रॉब्लम्स होने लगती हैं। जब वे अलग-अलग सोते हैं, उनके बीच झगड़े भी कम होते हैं। हालांकि, कई बार कपल्स बिना लड़ाई के भी अलग-अलग सोते हैं। इसके पीछे कारण होता है कि वो अलग इसलिए सोते हैं ताकि वे अच्छी नींद ले सकें। आसपास के लोगों को लगता है कि कपल्स के बीच लड़ाई है। तभी वे अलग-अलग सोते हैं, लेकिन ऐसा कुछ नहीं है। मनोचिकित्सक कहते हैं की स्लीप डिवोर्स रिश्ते को ज्यादा बेहतर बनाता है। डिवोर्स शब्द सुनते ही हमारे मन में दो व्यक्तियों के बीच अलगाव होने की छवि उभती है, लेकिन स्लीप डिवोर्स में ऐसी कोई बात नहीं। अलग-अलग सोने का बस यही मतलब है कि आपकी नींद की जरूरतें आपके साथी की जरूरतों से मेल नहीं खाती हैं। इसमें संबंधों में कुछ भी अटपटा नहीं है और यह सामान्य है। असल में, अपने पति या पत्नी से अलग दूसरे कमरे में या अलग बिस्तर पर सोना ताकि रात में वह शांति से चैन की नींद ले सके, इसी स्लीप यानी नींद की अवधारणा को स्लीप डिवोर्स कहा जाता है। नींद में तलाक के नुकसान भी हैं। बहुत से एक्सपट्र्स का यह विपरीत मत है कि स्लीप डिवोर्स के कारण कपल्स के बीच दूरियां आ सकती हैं। अगर वे अपने कनेक्शन को बनाए रखने के लिए कोई दूसरा तरीका नहीं ढूंढते हैं, तो स्लीप डिवोर्स के कारण, उनके रिश्ते में दूरी पैदा हो सकती है। एक साथ सोने से टचिंग, किसिंग, कडलिंग और स्पूनिंग पार्टनर के साथ रिश्ते को मजबूत बनाते हैं। नींद में तलाक के दौरान व्यक्ति पहले पहल पार्टनर को मिस करने लगता है और फिर उसी रूटीन को फॉलो करने लगता है। इससे सेक्सुअल लाइफ प्रभावित होती है, जिससे कुछ लोग तनाव का सामना करने लगते हैं। कई अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि जो जोड़े एक साथ बिस्तर शेयर करते हैं, उनमें मनमुटाव या विवाद के सुलझने की संभावनाएं ज्यादा होती हैं। जबकि अलग-अलग सोने वाले जोड़े एक ही मुद्दे पर लंबे समय तक झगड़ते रह सकते हैं। ऐसे में रिश्ता टूटने या किसी एक या दोनों के कहीं और स्पेस तलाशने का जोखिम ज्यादा बढ़ जाता है। स्लीप डिवोर्स तभी बेहतर तरह से काम कर सकता है, जब दोनों पार्टनर्स की इस पर सहमति हो। दोनों में ढेर सारा प्यार और एक-दूसरे पर विश्वास हो।

आप का नजरीया

बच्चों के अधिकार

प्रति वर्ष 20 नवंबर को दुनियाभर में बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार करने, बच्चों की समस्याओं को हल करने, बच्चों के बीच जागरूकता तथा बच्चों के कल्याण के लिए काम करने और अंतरराष्ट्रीय एकजुटता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय बाल दिवस मनाया जाता है। यह दिवस बच्चों के अधिकारों की वकालत करने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करता है। इस वर्ष बाल दिवस का विषय है 'प्रत्येक बच्चे के लिए, प्रत्येक अधिकार', जो यह सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर देता है कि सभी बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, सुरक्षा और सुरक्षित वातावरण सहित उनके मौलिक अधिकारों तक पहुंच हो। यह एक ऐसी दुनिया बनाने के लिए सामूहिक कार्रवाई का आह्वान करता है जहां प्रत्येक बच्चा फल-फूल सके और अपनी पूरी क्षमता तक पहुंच सके। वयस्कों से अलग बच्चों के अधिकारों को बाल अधिकार कहा जाता है। सही मायनों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बाल दिवस की शुरुआत किए जाने का मूल उद्देश्य बच्चों की जरूरतों को पहचानना, उनके अधिकारों की रक्षा करना और उनके शोषण को रोकना है, ताकि बच्चों का समुचित विकास हो सके। भारतीय संविधान में भी बच्चों के कई अधिकार निर्धारित हैं। हमारे संविधान के अनुसार प्रत्येक बच्चे को जिंदा रहने का मौलिक अधिकार है और इसकी पूरी जिम्मेदारी राज्य पर है। हर राज्य की यह नैतिक जिम्मेदारी है कि वह बच्चों को किसी भी तरह के भेदभाव से बचाए और उनके अधिकारों को बढ़ाने के लिए उचित कदम उठाए। बच्चे को उच्चतम स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधा पाने का अधिकार है। राज्य का यह कत्र्तव्य है कि वह बच्चे के लिए प्राथमिक स्तर की शिक्षा निःशुल्क व अनिवार्य करे। प्रत्येक बच्चे को अच्छा जीवन स्तर पाने का अधिकार है। अक्षम बच्चे को विशेष देखभाल, शिक्षा, प्रशिक्षण पाने का अधिकार है। बच्चे को नशीली दवाओं, मादक पदार्थों के उपयोग से बचाए जाने का अधिकार है। राज्य का यह कत्र्तव्य है कि वह बच्चों को हर तरह के दुव्र्यवहार से बचाए। समाज के अनाथ बच्चों को सुरक्षा पाने का अधिकार है, बच्चों को ऐसे कार्यों से बचाए जाने का अधिकार है, जो उसके स्वास्थ्य, शिक्षा, विकास को हानि पहुंचाएं। किसी बच्चे को बेचना, अपहरण करना या जबरन काम करवाना कानूनी अपराध है, राज्य की यह नैतिक जिम्मेदारी है कि वह बच्चे को इससे बचाए। राज्य की यह भी जिम्मेदारी है कि वह बच्चों को यौन अत्याचारों, वेश्यावृत्ति आदि से बचाए। अंतरराष्ट्रीय बाल दिवस मनाने की शुरुआत वैसे तो संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 1954 में की गई थी, लेकिन वास्तव में यह दिवस वर्ष 1857 में जून के दूसरे रविवार को चेल्सी (मैसाचुसेट्स) में यूनिवर्सल ऑफ दि रिडीमर के पादरी रेवरेंड डा. चाल्र्स लियोनार्ड ने शुरू किया था। लियोनार्ड ने बच्चों के लिए और उनके लिए समर्पित एक विशेष सेवा का आयोजन किया था, जिसे रोज डे का नाम दिया था। कुछ समय बाद इसे फ्लावर संडे नाम दिया गया और बाद में इसका नाम चिल्ड्रन्स डे कर दिया गया। बहरहाल, सभी सरकारों को बच्चों के कल्याण के लिए काम करने की शपथ लेनी चाहिए।

आम जनता को धमका रहे सपा के गुंडे : उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक

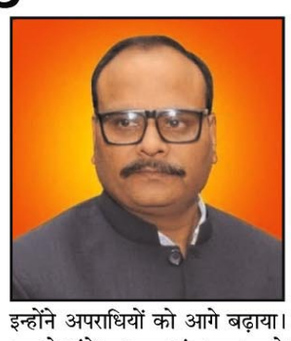

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि समाजवादी पार्टी अपनी गुण्डई माफियागिरी से बाज नहीं आ रही है। सपा के के गुंडे आम जनता को धमका रहे हैं। भाजपा को वोट देने की बात कहने पर करहल क्षेत्र में दलित बेटी की हत्या हो गई। ब्रजेश पाठक ने बुधवार को अपने आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि सपा यादव परिवार और एक कुनबे की पार्टी। यह केवल पीडीए पीडीए चिल्लाते हैं लेकिन इनका पिछड़े समाज से कोई लेना देना नहीं है। जब–जब यह सत्ता में आए, इन्होंने अपराधियों को आगे बढ़ाया। सपा के गुंडे हर जगह नंगा नाच करने की कोशिश कर रहे हैं। यह जनता को धमका कर वोट लेना चाहते हैं। बुर्का पहनकर के पुरुष मतदान करना चाहते हैं। यह संविधान की धज्जियां उड़ाने का काम करते हैं। ब्रजेश पाठक ने कहा कि करहल में सपा कराह रही है। जिस बेटी की हत्या हुई है, उसे प्रशांत यादव नाम का शख्स लेकर गया था। इस घटना से पूरे प्रदेश भर के दलित समाज को सपा के कु-कृत्य का संज्ञान लेना चाहिए। सपा सरकार में अधिकारियों को पीटा गया। लोहिया वाहिनी के गुंडों ने लखनऊ में सीओ को गाड़ी में टांग कर एसपी ऑफिस में घुसेड़ दिया था। सपा को उसके कुकृत्यों की सजा मिली है। फिर भी सपा मुखिया अधिकारियों को धमकाने का काम कर रहे हैं।

महाकुम्भ में पहली बार तैनात होंगे ऑल-टेरेन व्हीकल

-मेला क्षेत्र में कहीं भी आग लगने पर तत्काल पहुंच सकेगा अत्याधुनिक डिवाइस से लैस व्हीकल

प्रयागराज, (हि.स.)। महाकुम्भ में पहली बार ऑल टेरेन व्हीकल तैनात किया जा रहा है। यह व्हीकल मेला क्षेत्र में कहीं भी आग की घटना होने पर चंद सेकेंड्स में घटनास्थल पहुंचकर आग पर काबू पा सकेगा। यह फायर एस्टींगुशर समेत तमाम अत्याधुनिक फायर सेफ्टी डिवाइसेज से लैस होगा। रेत, दलदल और छिछले पानी में भी यह पूरी रफ्तार से दौड़ सकेगा। अग्निशमन विभाग के ट्रेन्ड फायरकर्मी इस पर सवार होकर पूरे मेला क्षेत्र में आपात स्थिति पर नजर रखेंगे। इसे पहली बार महाकुम्भ में उपयोग में लाया जाएगा। इसके लिए चार ऑल टेरेन व्हीकल्स प्रयागराज पहुंच चुके हैं और अग्निशमन कर्मियों को इसकी राइडिंग और उपयोग की ट्रेनिंग दी जा रही है। मुख्यमंत्री योगी 25 नवम्बर को इन चारों वाहनों समेत अन्य डिवाइसेज को हरी झंडी दिखा सकते हैं। इलेक्ट्रिक बैट्री से संचालित होने वाला यह वाहन मुख्यमंत्री योगी के सुरक्षित और हरित महाकुंभ के संकल्प को साकार करेगा। मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर उत्तर प्रदेश अग्निशमन और आपातकालीन सेवाएं (यूपी फायर सर्विसेज) की ओर से मेला क्षेत्र को जीरो फायर इंसिडेंट जोन बनाने की व्यापक तैयारी की गई है। ऑल टेरेन व्हीकल उसी तैयारी का हिस्सा है।

जर्मनी से प्रयागराज पहुंचे चारों व्हीकल – प्रयागराज के मुख्य अग्निशमन अधिकारी और महाकुम्भ के नोडल अधिकारी प्रमोद शर्मा ने बताया कि चार ऑल-टेरेन व्हीकल्स को जर्मनी से प्रयागराज लाया गया है। लगभग ढाई करोड़ की लागत वाले इन व्हीकल्स को मुख्यमंत्री योगी स्वयं हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इन व्हीकल्स की तैनाती से यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि महाकुम्भ मेला प्रारंभ होने के बाद क्षेत्र के भीड़ भाड़ वाले इलाकों में भी सुचारू रूप से फायर सेफ्टी सर्विसेज का परिचालन किया जा सके। उन्होंने बताया कि वाहन में पानी की टंकियां, नल और पंप सहित अग्निशमन उपकरण लगे हैं, जिससे अधिकारी आग लगने पर तुरंत कार्रवाई कर सकेंगे। यह त्वरित कार्रवाई आग को फैलने से रोकने में महत्वपूर्ण है, खास-ाकर शुरूआती चरणों में।

आग बुझाने की प्रभावी क्षमता – उन्होंने कहा कि इसमें नॉर्मल एस्टींगुशर के साथ एयर कम्प्रेसर और वैमपैक फायर एस्टींगुशर भी है। इसमें गन से 9 लीटर तक पानी का छिड़काव किया जा सकता है। इसमें 8 लीटर पानी और एक लीटर केमिकल होता है जो छिड़काव के बाद फोम बन जाता है। फ्लोरीन-मुक्त फोम में आग बुझाने की प्रभावी क्षमता होती है। यह आग को तेजी से बुझा सकता है। यह ज्वलनशील तरल पदार्थ की आग को भी दबा सकता है और दोबारा आग लगने से रोक सकता है, जिससे यह पारम्परिक फोम का एक विश्वसनीय विकल्प बन जाता है। इसकी डिस्चार्ज डिस्टेंस 45 फीट तक होती है, जिससे सिस्टम ऑपरेटर और आग के बीच सुरक्षित दूरी बनी रहती है। इसमें 75 फीट की नली होती है जो उपयोगकर्ता को किसी भी दिशा में यूनिट के 100 फीट के भीतर आग तक पहुंचने में सक्षम बनाती है। यह दूरी ऑपरेटर और फायरमैन को विकिरण गर्मी और जहरीली गैसों से भी सुरक्षा प्रदान करती है। यह वाहन अग्निशामकों और प्रथम प्रतिक्रियाकताओं के लिए अधिक सुरक्षित है। यह बॉयोडिग्रेडेबल और ग्रीन शील्ड प्रमाणित भी है। फ्लोरीन मुक्त फोम वाले वाहनों का उपयोग करने के लिए अग्निशमन कर्मियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

भीड़भाड़ वाले इलाकों में आसान होगी पहुंच – उन्होंने बताया कि आग से जुड़ी ज्यादातर बड़ी घटनाओं में कर्मियों को अक्सर भीड़भाड़ वाले इलाकों का सामना करना पड़ता है। जिससे आग बुझाने के प्रयासों में बाधा आती है। उन इलाकों में दमकल गाड़ियों को ले जाना या उनका संचालन करना मुश्किल होता है। इसके परिणामस्वरूप काफी समय बर्बाद होता है। हम एक ऐसा समाधान चाहते थे जिससे हम भीड़भाड़ वाले इलाकों में जल्दी पहुंच सकें और तुरंत ऑपरेशन शुरू कर सकें। महाकुम्भ में जब सभी क्षेत्रों में भारी भीड़ मौजूद रहेगी तब आपातकाल स्थितियों में यह वाहन चंद सेकेंड्स में घटनास्थल पर पहुंच सकेगे। त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए तेजी से चलने की क्षमता के साथ, यह वाहन विभिन्न प्रकार की आग बुझाने में सक्षम होंगे। यह वाहन रेत, कीचड़ और उबड़ खाबड़ इलाकों के साथ-साथ छिछले पानी में भी चलने में सक्षम है। रेत पर जब वाहन फंस जाता है तब यह बूस्ट मोड में काम करता है जिससे इसके चारों पहिए काम करने लग जाते हैं। यह मात्र 4 घंटे में ही चार्ज हो जाता है और 8 घंटे तक काम करता है। यह 60 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सकता है।

भाजपा प्रत्याशी की गाड़ी पर हमला, सुरेश अवस्थी ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी के गुंडों ने किया हमला

-मतदाताओं की आईडी चेक करने के मामले में दो दरोगा निलंबित

कानपुर, (हि.स.)। सीसामऊ उपचुनाव के दौरान भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी सुरेश अवस्थी की गाड़ी में लाल इमली चौराहे के पास अचानक से हमला बोल दिया। भाजपा प्रत्याशी की गाड़ी में एक पत्थर जाकर लगा। यह देखते ही उनके समर्थक विरोध प्रदर्शन करने लगे। सूचना पर नोडल अधिकारी महेश कुमार मौके पर पुलिस बल के साथ पहुंचे और किसी तरह मामले को शांत कराने के बाद उनके काफिले को वहां से रवाना कर दिया। अपर पुलिस उपायुक्त मध्य महेश कुमार ने बताया कि भाजपा प्रत्याशी सुरेश अवस्था का काफिला लाल इमली चौराहे के पास पहुंचा था कि अचानक कुछ लोग पथराव करने लगे। यह सूचना मिलते ही मैं खुद पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और उनके आक्रोशित कार्यकताओं को किसी तरह शांत कराया। उसके बाद उनके काफिले को वहां से रवाना कर दिया गया है। हालांकि अभी तक इस मामले में कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलेगी तो आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। भाजपा प्रत्याशी सुरेश अवस्थी ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी के गुंडों ने जबरन हमला किया। सपा के गुंडे इस तरह की गुंडई हमेशा करते रहें है। यह चुनाव जबरन गुंडई करके जीतना चाह रहें है।

मतदाताओं की आईडी चेक करने के मामले में दो दरोगा निलंबित – चुनाव आयोग के मना करने के बावजूद कानपुर नगर के विधानसभा सीट के सीसामऊ में पुलिस कर्मियों द्वारा मतदाताओं की वोटर आईडी चेक करने को लेकर सपा प्रत्याशी नसीम सोलंकी और सपा के मुखिया अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग से शिकायत की। मामले को गंभीरता से लेते हुए चुनाव आयोग ने उपनिरीक्षक अरुण सिंह और राकेश नादर को निलंबित कर दिया है। चुनाव आयोग ने ड्यूटी पर तैनात सभी पुलिसकर्मियों को चुनाव प्रक्रिया का पूर्ण रूप से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

उप्र में दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने वाले सात पुलिसकर्मी निलंबित

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में विधानसभा की नौ सीटों पर उपचुनाव के लिए बुधवार सुबह 07 बजे से मतदान जारी है। इसी बीच चुनाव आयोग ने दिशा-निदेर्शों का उल्लंघन करने पर अलग-अलग क्षेत्रों में ड्यूटी पर तैनात सात पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। अधिकारियों के मुताबिक मुरादाबाद में तीन और कानपुर एवं मुजफ्फरनगर में दो-दो पुलिस कर्मियों को निलंबित किया गया है। कानपुर की सीसामऊ विधानसभा सीट पर मतदान जारी है। यहां पर पुलिस प्रबंध चाक चौबंद किया गया है। इस बीच भाजपा कार्यकताओं ने चुन्नीगंज जिला राजकीय इंटर कॉलेज के मतदान केंद्र के बाहर फर्जी मतदान का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया। हालांकि पुलिसकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को वहां से हटा दिया है। सीसामऊ क्षेत्र में मतदान के दौरान गड़बड़ी की शिकायत सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने की थी। उन्होंने चुनाव आयोग से वीडियो साक्ष्य के आधार पर मतदाता पहचान पत्र और अन्य पहचान पत्रों की जांच करने वाले पुलिसकर्मियों को निलंबित करने का आग्रह किया था। इसका संज्ञान लेते हुए चुनाव आयोग ने सीसामऊ क्षेत्र में ड्यूटी पर तैनात दो पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया।

तालाब की बैरीकेटिंग तोड़कर कब्जा करने वाले दबंगों के विरुद्ध खड़े हुए विधायक

लखनऊ, (हि.स.)। सरोजनी नगर के विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने खरिका वार्ड प्रथम में सरकारी तालाब पर बैरीकेटिंग तोड़कर कब्जा करने वाले दबंगों के विरुद्ध मंडलायुक्त लखनऊ से शिकायत की है। कब्जा कर रहे दबंगों के विरुद्ध सरोजनी नगर विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों ने लड़ाई आरम्भ की और अब विधायक उनके साथ डटकर खड़े हैं। विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि मंडलायुक्त अपने स्तर पर सरकारी तालाब पर हुए कब्जे की जांच करायें। इसमें नगर निगम के संलिप्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को चिन्हित करा के उनके विरुद्ध कार्रवाई होनी चाहिए। तालाब पर कब्जा करने वाले लोगों पर तत्काल कार्रवाई आवश्यक है। इसी तरह मौके पर कब्जा हुई जमीन की पैमाइश कराया जाये। पुलिस बल भेजकर पुनः बैरेकेटिंग कराया जाये। उल्लेखनीय है कि खरिका प्रथम वार्ड निवासी शुभम ठाकुर और स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में सरकारी तालाब पर कब्जा करने की लिखित शिकायत मंडलायुक्त लखनऊ से की थी। मंडलायुक्त के यहां शिकायत के कई दिनों के बीत जाने के बाद क्षेत्रीय लोगों ने अपने विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के समक्ष अपनी बात रखी। तभी विधायक ने मंडलायुक्त को अपने स्तर से शिकायत की है।

अशिक्षित बेरोजगार महिलाओं के लिए 13 दिवसीय टॉयज मेकर्स सेलर प्रशिक्षण कार्यक्रम

फतेहपुर, (हि.स.)। जिले में बुधवार को मॉडल प्राथमिक विद्यालय अस्ती में बडौदा स्वरोजगार विकास संस्थान रामपुर थरियांव द्वारा ग्रामीण क्षेत्र की अशिक्षित बेरोजगार महिलाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए 13 दिवसीय टॉयज मेकर्स सेलर प्रशिक्षण कार्यक्रम का नगर पालिका परिषद अध्यक्ष राजकुमार मौर्य ने फीता काटकर शुभारंभ किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में ग्रामीण क्षेत्र में बसी अशिक्षित महिलाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए सॉफ्ट टॉयज, बच्चों के खिलौने, मोटू पतलू, जानवर, चिड़िया व अन्य प्रकार के खिलौने बनाने व बिक्री करने का प्रशिक्षण देकर महिलाओं को आत्मनिर्भर व स्वावलम्बी बनाने का कार्य किया जा रहा है। मुख्य अतिथि राजकुमार मौर्य ने बताया कि शिक्षिका आशिया फारुकी द्वारा शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सेवा का सराहनीय कार्य किया जा रहा है। इस तरह के कैंप के आयोजनों से महिलाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे और उनकी स्थिति में सुधार होगा बेसिक शिक्षा के आंगन में स्वरोजगार मेले और कार्यशाला का आयोजन प्रसंसनीय कार्य है। उन्होंने कहा कि जनपद में अन्य विद्यालय कि शिक्षिकाओं को इस तरह के नवाचार करने की आवश्यकता है जिससे बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावकों को भी रोजगार के अवसर मिल सके और देश विकास के पथ पर अग्रसर होगा। वहीं बडौदा स्वरोजगार विकास संस्थान के ट्रेनर सत्येंद्र सिंह ने बताया कि बडौदा स्वरोजगार विकास संस्थान द्वारा महिलाओं को नारी सशक्तिकरण के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं महिलाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए संस्थान द्वारा 60 ट्रेडों में प्रशिक्षण देकर के रोजगार से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है ताकि महिलाएं समृद्धिशाली व आत्मनिर्भर बन सके। प्राथमिक विद्यालय अस्ती की प्रधानाध्यापिका आशिया फारूकी ने बताया कि विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों के माता-पिता की आर्थिक स्थिति कमजोर होने की वजह से विभिन्न समस्याओं से निजात दिलाने व उन महिलाओं को जो घर में बेरोजगार बैठी हैं ऐसी महिलाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए सॉफ्ट टॉयज खिलौने बनाने का प्रशिक्षण लेकर के अपना स्वयं का रोजगार स्थापित कर सकेंगी जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

रांची में हथियार के साथ आरोपित गिरफ्तार

रांची, (हि.स.)। कोतवाली थाना पुलिस ने हथियार के बल पर लोगों को डराने-धमकाने वाले एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए ने बुधवार को बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि कोतवाली थाना क्षेत्र के मैकी रोड में एक व्यक्ति हथियार के बल पर आसपास के लोगों को डरा-धमका रहा है। इसके बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची, तो व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगा। इस दौरान पुलिस की टीम ने भाग रहे व्यक्ति को पकड़ा और उसके पास से एक देशी कट्टा बरामद किया। पकड़े गये व्यक्ति का नाम गौरव कुमार गौतम है। वह वर्तमान में बरियातू थाना क्षेत्र के सोम बिहार भ्रम टोली का रहने वाला है। वह मूल रूप से बिहार के अरवल का रहने वाला है। इसके पास से एक बाइक और एक हथियार बरामद किया गया है। बरामद हथियार के संबंध में कागज की मांग किया गया, जिसपर पकड़ाये आरोपित ने कोई भी कागजात नहीं दिखाया। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

साढ़े तीन लाख मी. टन से ज्यादा उर्वरक उपलब्ध है प्रदेश में, फिर लग रही लंबी लाइन

लखनऊ,(हि.स.)। प्रदेश में वर्तमान में उर्वरक की कमी नहीं है, फिर भी कई जगहों पर लम्बी-लम्बी लाइनें देखने को मिल रही हैं। इसको लेकर हर दिन मंत्री सूर्य प्रताप शाही भी समीक्षा बैठक कर रहे हैं। प्रदेश की स्थिति यह है कि वर्तमान में 175062 मी.टन डीएपी और एनपीके 187297 मीट्रिक टन उपलब्ध है। इस संबंध में कृषि मंत्री ने बताया कि प्रदेश के सभी 18 मंडलों में खाद की उपयुक्त मात्रा उपलब्ध है। इसको लेकर किसानों को घबराने की जरूरत नहीं है।

मंत्रालय से उपलब्ध आंकड़ों की मानें तो सोमवार को डीएपी सहारनपुर मंडल में 4732 मी.टन, मेरठ मंडल में 10691 मी. टन, आगरा मंडल में 6154 मी. टन, अलीगढ़ मंडल में 7054 मी.टन, बरेली मंडल में 5852 मी. टन, मुरादाबाद मंडल में 8476 मी.टन, कानपुर मंडल में 11498 मी.टन उपलब्ध है। इसी तरह प्रयागराज मंडल में 10673 मी.टन, झांसी मंडल में 5493 मी.टन, चित्रकूट धाम बांदा मंडल में 3537 मी.टन, वाराणसी मंडल में 16355 मी.टन, मिजार्पुर मंडल में 7482 मी.टन, आजमगढ़ मंडल में 10823 मी.टन, गोरखपुर मंडल में 16862 मी.टन, बस्ती मंडल में 7703 मी.टन, देवीपाटन मंडल में 8209 मी.टन, लखनऊ मंडल में 16781 मी.टन, अयोध्या मंडल में 13452 मी.टन डीएपी उपलब्ध है। इसी तरह एनपीके की उपलब्धता 187297 मी.टन की है। इसमें सहारनपुर मंडल में 4006 मी.टन, मेरठ मंडल में 5503 मी.टन, आगरा मंडल में 9869 मी.टन, अलीगढ़ मंडल में 6641 मीट्रिक टन, बरेली मंडल में 13209 मी.टन, मुरादाबाद मंडल में 15813 मीट्रिक टन, कानपुर मंडल में 19256 मी.टन , लखनऊ मंडल में 21290 मी.टन एनपीके उपलब्ध है।

नियोजित शिक्षक जहां हैं, वहीं रहेंगे : मुख्यमंत्री

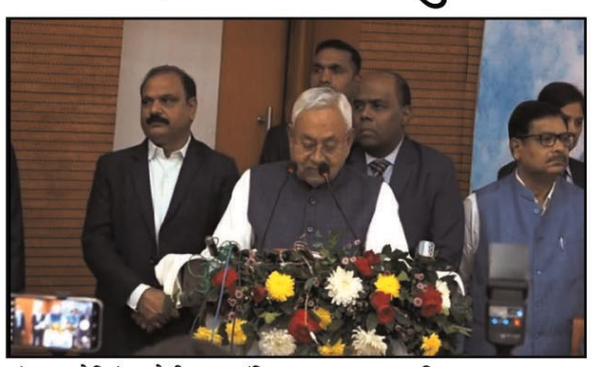

पटना, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज राजधानी पटना के अधिवेशन भवन में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम के दौरान कहा कि नियोजित शिक्षक जहां हैं, वहीं रहेंगे। सीएम के इस ऐलान के बाद स्पष्ट हो गया है कि नियोजित शिक्षक से विशिष्ट शिक्षक बने टीचर्स का दूसरी जगह पदस्थापन नहीं होगा। सक्षमता परीक्षा पास करने के बाद राज्यभर में कुल 01 लाख 14 हजार 138 शिक्षकों को सरकार ने राज्यकर्मी का दर्जा दे दिया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना के अधिवेशन भवन में बुधवार को 200 नियोजित शिक्षकों के बीच नियुक्ति पत्र का वितरण किया जबकि अन्य शिक्षाकों को उनके जिले में ही नियुक्ति पत्र सौंपा जा रहा है। नियुक्त पत्र पाने वाले नियोजित शिक्षक अब विशिष्ट शिक्षक कहलाएंगे और बीपीएससी शिक्षकों की तर्ज पर ही उन्हें सभी तरह के लाभ मिल सकेंगे। नियुक्ति पत्र मिलने के साथ ही ये शिक्षक अब राज्यकर्मी हो गए हैं। नियुक्ति पत्र सौंपने के साथ ही सीएम नीतीश कुमार ने यह बड़ा एलान भी कर दिया कि जो नियोजित शिक्षक जहां हैं, वहीं रहेंगे। नियोजिस शिक्षक से विशिष्ट शिक्षक बने टीचर्स इस बात को लेकर परेशान थे कि राज्यकर्मी बनने के बाद अब उनकी ट्रांसफर-पोस्टिंग होगी। हालांकि, मुख्यमंत्री ने उनके संशय को दूर कर दिया है। मुख्यमंत्री के इस एलान के बाद शिक्षकों को बड़ी राहत मिली है। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर वर्ष 1990 से 2005 के लालू-राबड़ी राज पर कटाक्ष किया। उन्होंने राजद को निशाने पर लेते हुए कहा कि वर्ष 2005 के पहले बिहार में शिक्षा की क्या स्थिति थी। वर्ष 2005 के पहले स्कूलों की कमी थी। अपने मुख्यमंत्री बनने के बाद आए बदलावों की याद दिलाते हुए कहा कि हमने 2006-07 में पोशाक योजना शुरू की। वर्ष 2008 में छात्राओं के लिए साइकिल योजना की शुरूआत हुई। बाद में इसे लड़कों के लिए भी शुरू किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि याद रखिएगा पुरनका चिजबा को याद रखिए। अब सबका घरबा कितना बड़ा बन गया है। पटना में कोय शाम में निकलता था। उन्होंने बिना नाम लिए ही 2005 के पहले राज्य में बिगड़ी कानून-व्यवस्था की ओर इशारा किया। साथ ही राज्य में बालिका शिक्षा एवं रोजगार की दिशा में राजग सरकार में हुए कार्यों की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए कितना कुछ किया है। पहले से अब कितना बदल गया है। उल्लेखनीय है कि अधिवेशन भवन में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, शिक्षा मंत्री सुनील कुमार, शिक्षा विभाग के एसीएस एस सिद्धार्थ के अलावे शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

नवादा में सक्षमता परीक्षा उत्तीर्ण 201 शिक्षकों को प्रभारी मंत्री डॉ प्रेम ने दिया औपबंधिक नियुक्ति पत्र

नवादा, (हि.स.)। नवादा जिले के सरकारी स्कूलों में कार्यरत सक्षमता परीक्षा उत्तीर्ण 201 शिक्षकों को नवादा के प्रभारी मंत्री डॉ प्रेम कुमार ने बुधवार को औपबंधिक नियुक्ति पत्र दिया ,जिन शिक्षकों ने काउंसिलिंग की प्रक्रिया पूरी कर ली है, उन्हें औपबंधिक नियुक्ति-पत्र दिया गया। शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में नगर भवन में 201 शिक्षाकों को नियुक्ति-पत्र वितरित किया गया। 201 शिक्षकों को प्रभारी मंत्री डॉ. प्रेम कुमार, नवादा विधायक विभा देवी, हिसुआ विधायक नीतू सिंह, जिला परिषद अध्यक्ष पुष्पा देवी, नगर परिषद अध्यक्ष पिंकी कुमारी ने नियुक्ति-पत्र प्रदान किया। इस प्रक्रिया का उद्देश्य शिक्षकों के शैक्षिक और प्रशासनिक कौशल को मजबूत करना है ताकि वे भविष्य में बेहतर ढंग से शिक्षण कार्य कर सकें। मौके पर जिलाधिकारी रवि प्रकाश, एडीएम चंद्रशेखर आजाद, जिला शिक्षा पदाधिकारी, डीपीओ सहित अन्य लोग मौजूद थे। प्रभारी मंत्री डॉ प्रेम कुमार ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही बिहार सरकार का लक्ष्य है,जिसे पूरा करने के लिए सक्षमता परीक्षा का आयोजन किया गया था ।सक्षमता परीक्षा शिक्षकों की योग्यता को बढ़ाता है एवं निश्चित तौर पर बिहार में बेहतर शैक्षणिक व्यवस्था के माध्यम से सरकारी स्कूल में पढ़ाई का कार्य संपन्न कराया जाएगा। औपबंधित प्रमाण - पत्र पाने वाले शिक्षकों ने खुशी का इजहार करते हुए कहा कि बिहार सरकार ने बड़ा उपादान दिया है ।अब मन लगाकर बच्चों को पढ़ाया जाएगा।

जलवायु परिवर्तन के अनुसार खेती कर किसान होंगे समृद्ध

बेतिया, (हि.स.)। समग्र शिक्षण एवं विकास संस्थान, सुभाष नगर के सभागार में जलवायु परिवर्तन और खेती जल प्रणाली पर इसके प्रभाव और संभावित समाधान पर एक-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में एनवायरमेंटल डिफेंस फण्ड के तत्वावधान में जलवायु परिवर्तन विशेषज्ञ अभिनव पाठक और अमरेश कुमार मुख्य प्रशिक्षक रहे। कार्यशाला में सीतामढ़ी, मुजफ़्फरपुर, मोतिहारी, शिवहर, बेतिया और वैशाली जिला के 24 सामाजिक कार्यकताओं व प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया। कार्यशाला में जलवायु परिवर्तन के प्रमुख कारकों, वायुमंडल में ग्रीन हाउस गैसों की उपस्थिति और उनके अनुपात, खेती व पशुपालन के द्वारा उत्सर्जित ग्रीनहाउस गैसों का प्रभाव, गर्मी बढ़ने से खेती , पशुपालन पर होने वाले प्रमुख कुप्रभाव और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रहे प्रयासों पर चर्चा हुई। अमरेश कुमार ने जलवायु परिवर्तन से संबंधित कई भ्रांतियों और अफवाहों को भी स्पष्ट करते हुए बताया कि अधूरी जानकारी से हम सही रणनीति बनाने और उसे लागू करने में असफल होंगे । विषय पर हमें समझ विकसित कर इसके प्रसार हेतु कार्य करने की आवश्यकता है। ताकि व्यक्तिगत, सामूहिक व सामाजिक स्तर पर जलवायु परिवर्तन पर साझा समझ विकसित की जा सके। अभिनव पाठक ने बताया कि पहले से विद्यमान सामाजिक व आर्थिक समस्याओं के साथ जलवायु परिवर्तन के मिलने से बिहार के संदर्भ में अत्यंत बहुस्तरीय और गंभीर समस्या की उत्पत्ति हो सकती है। अगर हम इसमें देरी करेंगे तो निकट भविष्य में हमें इसका गंभीर दुष्परिणाम भुगतना पड़.सकता है। कृषि विशेषज्ञ सचिन कुमार और किसान गंगाधर प्रसाद ने अनियमित वर्षापात, ठंढ़ के दिनों में कमी, अत्यधिक तापमान वाले दिनों की संख्या में वृद्धि जैसे कई लक्षणों और खेती पर हो रहे प्रभावों पर अनुभव को साझा किया। मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता विपिन कुमार, पंकज कुमार ने संतुलित मात्रा में खाद व सिंचाई का उपयोग करने, मिश्रित और बहुस्तरीय खेती करने के साथ ही समुचित जल संरक्षण और प्रबंधन, समेकित कीट प्रबंधन, नाइट्रोजन स्थिरीकरण वाली फसलों का उपयोग करने जैसे रणनीतियों पर विचार दिया।

घरेलू ताप विद्युत संयंत्रों के कोयला आयात में आई गिरावट : कोयला मंत्रालय

नई दिल्ली

देश में घरेलू कोयला आपूर्ति बढ़ने के कारण इसके आयात में गिरावट दर्ज हुई है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-सितंबर अवधि के दौरान गैर-विनियमित क्षेत्रों (एनआरएस) का कोयला आयात 9.83 फीसदी घटकर 63.28 मीट्रिक टन (एमटी) रह गया।

गैर-विनियमित क्षेत्रों का कोयला आयात 9.83 फीसदी घट कर 63.28 मीट्रिक टन

पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में एनआरएस ने 70.18 मीट्रिक टन कोयला आयात किया था। इसी तरह मिश्रण उद्देश्य के लिए घरेलू ताप विद्युत संयंत्रों का कोयला आयात भी अप्रैल-सितंबर अवधि में 8.59 फीसदी घटकर 9.79 मीट्रिक टन रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 10.71 मीट्रिक टन रहा था।

कोयला मंत्रालय ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-सितंबर के दौरान कुल कोयला आयात पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 127.78 मीट्रिक टन की तुलना में 1.36 फीसदी बढ़ कर 129.52 मीट्रिक टन हो गया। वहीं, मूल्य के संदर्भ में अप्रैल-सितंबर के दौरान कुल आयातित कोयला 1,38,763.50 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के 1,52,392.23 करोड़ रुपये से कम है। मंत्रालय के मुताबिक आयात में कमी के परिणामस्वरूप 13,628.73 करोड़ रुपये की बचत हुई है, जो कोयला खरीद के लिए अधिक लागत प्रभावी दृष्टिकोण को दर्शाता है।

मंत्रालय ने कहा कि यह इन क्षेत्रों के लिए घरेलू कोयले की आपूर्ति पर बढ़ती निर्भरता को दर्शाता है। हालांकि, इस्पात उद्योग के लिए जरूरी कोकिंग कोयले और आयातित कोयला आधारित (आईसीबी) बिजली संयंत्रों के लिए कोयले के आयात में वृद्धि हुई है, जिन्हें घरेलू कोयले से प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता है। मंत्रालय ने कहा कि सरकार घरेलू उत्पादन को बढ़ाकर और लॉजिस्टिक्स को सुव्यवस्थित करके जहां संभव हो, आयातित कोयले पर निर्भरता कम करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके साथ ही बिजली और इस्पात जैसे महत्वपूर्ण उद्योगों को समर्थन देने के लिए गैर-प्रतिस्थापनीय कोयले के आयात को रणनीतिक रूप से बनाए रखा गया है।

न्यूज ब्रीफ

बिटकॉइन ने बनाया नया रिकॉर्ड, 94 हजार डॉलर के पार पहुंची कीमत, बिटकॉइन का बाजार मूल्य 1.82 ट्रिलियन डॉलर पर

वाशिंगटन। आधुनिक वित्तीय दुनिया में क्रिप्टोकरेंसी के क्षेत्र में बिटकॉइन ने एक बार फिर से अपनी ताकत दिखाते हुए नई ऊंचाई को छू लिया है। बिटकॉइन की कीमत 94,000 डॉलर के पार पहुंच गई है, जो एक रिकॉर्ड है। इस बड़ी बढ़त के पीछे बितकॉइन के प्रमुख समर्थक पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और टेस्ला के मालिक एलन मस्क का समर्थन माना जा रहा है। कंपनी क्राइन डेस्क के आंकड़ों के मुताबिक बिटकॉइन की कीमत ने 94,038.97 डॉलर के स्तर तक पहुंच कर रिकॉर्ड बनाया। पिछले हफ्ते में बिटकॉइन में 2 फीसदी की वृद्धि देखने को मिली, जबकि पिछले महीने में इसने 33 फीसदी से अधिक का रिटर्न दिया। वर्तमान में बिटकॉइन का बाजार मूल्य 1.82 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गया है। इसके साथ ही एलन मस्क की पसंदीदा क्रिप्टोकरेंसी डॉगकॉइन की भी कीमत में बढ़ोतरी देखने को मिली है। वर्तमान में डॉगकॉइन की कीमत 0.38 डॉलर हो गई है, जो पिछले हफ्ते में 1.30 फीसदी तक बढ़ गई है। ट्रंप की जीत के बाद डॉगेकॉइन ने निवेशकों को 175 फीसदी का रिटर्न दिया है, जबकि पिछले एक साल में इसने 400 फीसदी से ज्यादा की कमाई दी है। ग्लोबल क्रिप्टोकरेंसी मार्केट ने भी नई ऊंचाई छू ली है और अब यह 3 ट्रिलियन डॉलर से ऊपर पहुंच चुका है। हालांकि पिछले 24 घंटे में गिरावट आई है, लेकिन कुल मार्केट कैप में 5 नवंबर के बाद से 800 बिलियन डॉलर से ज्यादा का इजाफा हुआ है।

यूपीआई मंच पर तकनीकी अस्वीकारण की दर में 0.8 प्रतिशत की कमी: एनपीसीआई

मुंबई । नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने हाल ही में यहां एक बड़ा ऐलान किया। उन्होंने बताया कि यूपीआई मंच पर तकनीकी अस्वीकरण की दर अब घटकर 0.8 प्रतिशत तक रह गई है। उन्होंने हाल ही में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि तकनीकी अस्वीकरण की दर 2016 में 8-10 प्रतिशत से घटकर अब 0.7-0.8 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने अद्वितीय उपयोगकर्ताओं की संख्या को भी 40 करोड़ बताया। इसके साथ ही एनपीसीआई विचार कर रहा है कि कम राशि वाले लेनदेन को यूपीआई लाइट में स्थानांतरित करके सर्वर पर दबाव कम किया जा सके। इस बढ़ते उपयोगकर्ता संख्या और तकनीकी सुधार के साथ, यूपीआई मंच की प्रभावीता में सकारात्मक बदलाव देखने की संभावना है।

ट्रम्प प्रशासन का दबाव कम करने भारत से संबंध सुधारने की कोशिश कर रहा चीन : अघी

वाशिंगटन। भारत और अमेरिका के बीच सामरिक और राजनितिक एकीकरण की महत्वपूर्ण घटना हुई है जो अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों के बाद हुई है। यूएसआईएसपीएफ के अध्यक्ष मुकेश अघी ने कहा कि अमेरिका में राष्ट्रपति चुनावों के नतीजे के बाद अमेरिका चीन के दबाव को कम करने के लिए भारत के साथ समर्थन की ओर ध्यान देने के लिए कोशिश कर रहा है। अमेरिका में हाल ही में पुनरावृत्ति संपन्न हुई और जो उम्मीदवार राष्ट्रपति पद के लिए चुना गया है, उन्होंने चीन के साथ व्यापारिक रिश्तों में शुल्कों में कमी करने का सुझाव दिया था। अघी ने कहा कि ट्रम्प की जीत ने भारत-चीन संबंधों पर भी सकारात्मक प्रभाव डाला है। इस संबंध में अमेरिकी कांग्रेस की एक समिति ने भी चीन के साथ अधिक सख्ती बनाने की सिफारिश की है। चीन के साथ सामान्य व्यापारिक रिश्तों को समाप्त करने की मांग की गई है। इससे पहले भारत ने पिछले महीने चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा के मामले में समझौता किया और सैन्य गतिरोध को समाप्त करने का आह्वान किया था।

ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का शेयर 55 फीसदी तक गिरा, निवेशकों को 38,000 करोड़ रुपए का नुकसान

नई दिल्ली

हाल ही में लिस्टेड कंपनी ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी ने अपने निवेशकों को बड़ी चोट पहुंचाई है। इस कंपनी का शेयर करीब 55 फीसदी तक गिर चुका है, जिससे निवेशकों के लगभग 38,000 करोड़ रुपए का नुकसान हो गया है। मंगलवार को यह शेयर 70 रुपए पर बंद हुआ, जबकि 20 अगस्त को यह उच्चतम स्तर पर था। ओला इलेक्ट्रिक के ग्राहकों की खराब सेवा और उत्पाद गुणवत्ता का आरोप शेयरों में गिरावट का मुख्य कारण बन रहा है। कई ग्राहकों ने गाड़ी में तकनीकी समस्याओं की शिकायत की है, जैसे कि ब्रेक थू की खराबी और बैटरी व सॉफ़्टवेयर की समस्याएं। इससे कंपनी के शेयरों में व्यापक गिरावट देखने को मिल रही है।

इसके अतिरिक्त ओला इलेक्ट्रिक के खराब वित्तीय नतीजे भी शेयर में गिरावट का बड़ा कारण है। कंपनी की दूसरी तिमाही में 495 करोड़ रुपए का घाटा हुआ, जो कंपनी की बढ़ती संख्याओं को दर्शाता है। ओला के फाउंडर भाविश अग्रवाल की कॉमेडियन कुणाल कामरा के साथ सोशल मीडिया पर हुई बहस के बाद, कंपनी की भड़की किरकिरी का सामना करना पड़ा। कुणाल कामरा ने कंपनी के उत्पादों में पाई जा रही समस्याओं को सामने रखकर कंपनी पर हमला किया, जिससे कंपनी की साख और धक्का लगा। ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के शेयरों में गिरावट और वित्तीय संकष्टों के बढ़ते दबाव के बीच कंपनी का भविष्य अभी अनिश्चित बना हुआ है। निवेशकों और ग्राहकों की उम्मीदें कंपनी पर बड़ी चुनौतियों का सामना कर रहा है।

पोस्ट ऑफिस की नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट स्कीम: अच्छा निवेश विकल्प, ऑनलाइन निवेश की सुविधा भी उपलब्ध

नई दिल्ली । आजकल निवेश करने वाले लोग बेहद सावधानी से अपनी धनराशि लगाने की प्रक्रिया में जुटे हैं। इस संदेश को ध्यान में रखते हुए, सरकारी पोस्ट ऑफिस द्वारा संचालित नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट स्कीम एक अच्छा निवेश विकल्प प्रस्तुत करती है। यह स्कीम विभिन्न आयु समूहों के लिए रुचिकर ब्याज दर के साथ आता है। एनएससी स्कीम में निवेश करने वालों को मिलने वाला 7.7 फीसदी का ब्याज न केवल उनके पैसे को दोगुना करता है, बल्कि इनकम टैक्स एक्ट के तहत निवेश की रकम पर टैक्स छूट का भी लाभ मिलता है।

इस स्कीम का लॉक-इन पीरियड 5 वर्ष का होता है, जो निवेशकों के लिए एक सावधानीपूर्ण समयावधि प्रदान करता है। इस सेविंग्स स्कीम में छोटे बच्चों के नाम से भी अकाउंट ओपन कराने की सुविधा दी गई है, जिससे उनका भविष्य सुरक्षित रहे। निवेशकों को सरकार द्वारा दी गई गारंटी के साथ निवेश करने का मौका मिलता है। इस स्कीम के तहत ऑनलाइन निवेश की सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे निवेशकों को किसी भी समय और किसी भी स्थान से आसानी से निवेश करने का अवसर मिलता है। इस प्रकार, नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट स्कीम एक सुरक्षित, लाभकारी और आसान निवेश विकल्प प्रदान करती है जो निवेशकों के लिए एक बेहतर भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है।

पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला नया सेक्टोरल फंड, 5000 रुपए से शुरू कर सकते हैं निवेश

नई दिल्ली

एसेट मैनेजमेंट कंपनी पीजीआईएम इंडिया म्यूचुअल फंड इक्विटी कैटेगरी में नया सेक्टोलर फंड पीजीआईएम इंडिया हेल्थकेयर फंड लेकर आया है। यह न्यू फंड ऑफर 19 नवंबर से पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया है और इसमें 3 दिसंबर, 2024 तक निवेश किया जा सकता है। यह स्कीम 11 दिसंबर, 2024 को रेगुलर बिक्री और रीपर्चेज के लिए फिर से खुलेगी। यह हेल्थकेयर और फार्मास्युटिकल कंपनियों की इक्विटी और इक्विटी से संबंधित सिक्योरिटीज में निवेश करने वाली एक ओपन एंडेड इक्विटी स्कीम है। इस फंड के लिए बेंचमार्क बीएसई हैल्थकेयर टीआरआई है। म्यूचुअल फंड हाउस का कहना है कि इस स्कीम में न्यूनतम 5,000 रुपये और इसके बाद 1 रुपये के मल्टीपल में निवेश शुरू कर सकते हैं। इसके अलावा न्यूनतम 1,000 रुपये और इसके बाद 1 रुपये के मल्टीपल में अतिरिक्त खरीद की जा सकती है। इसमें निवेशकों को एसआईपी (सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के जरिए निवेश का भी मौका है। एसआईपी के जरिए कम से कम 5 किस्त और हर किस्त के लिए कम से कम 1,000 रुपये की राशि और उसके बाद 1 रुपये के मल्टीपल में निवेश किया जा सकता है। इस स्कीम में एग्जिट लोड है। एकमुश्त, स्विच-इन, सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) और सिस्टमैटिक ट्रांसफर प्लान (एसटीपी) के माध्यम से यूनिट की प्रत्येक खरीद के लिए यूनिट्स के आवंटन की तारीख से 90 दिनों के भीतर रिडम्शन पर 0.50 फीसदी, एग्जिट लोड है। टोटल एग्जिट लोड अगर कोई हो, योजना में जमा किया जाएगा। पीजीआईएम इंडिया एसेट मैनेजमेंट के सीईओ अजीत मेनन का कहना है कि पीजीआईएम इंडिया हेल्थकेयर फंड निवेशकों को भारत के तेजी से बढ़ रहे हेल्थकेयर सेक्टर में निवेश कर मुनाफा कमाने का एक अच्छा अवसर उपलब्ध देता है। कम लागत, इनोवेशन, हेल्थ इंश्योरेंस के लिए बढ़ती जागरुकता, बढ़ते एफडीआई इन्फ्लो और लगातार बढ़ रहे मेडिकल टूरिज्म और अन्य कई फैक्टर के चलते निवेशकों को इस फंड में निवेश करने का फायदा मिलेगा।

गोदरेज ने कोलकाता में 53 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया

नई दिल्ली

गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड एक भारतीय रियल एस्टेट कंपनी ने अपनी नवीनतम परियोजना के लिए कोलकाता में 53 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया है। यह भूमि कोलकाता के जोका में स्थित है और इस परियोजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनेगी। कंपनी ने इस समाचार को शेयर बाजार में जारी हुए एक वक्तव्य के माध्यम से जानकारी दी कि इस परियोजना में 13 लाख वर्ग फुट बिक्री योग्य क्षेत्र का विकास किया जा सकता है। मुख्य रूप से आवासीय प्लॉट के विकास को ध्यान में रखते हुए इस परियोजना की अनुमानित राजस्व क्षमता करीब 500 करोड़ रुपये है। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि यह भूमि हमारी उपस्थिति को गहरा करने के लिए महत्वपूर्ण है। हमारा लक्ष्य एक उत्कृष्ट प्लॉट विकास परियोजना के निर्माण में समर्पित है। यह अधिग्रहण कंपनी के विकास के कल्पना को मजबूती देगा और क्षेत्र में उनकी उपस्थिति को मजबूत करेगा।

परियोजना की अनुमानित राजस्व क्षमता करीब 500 करोड़ रुपए

भारत और ब्रिटेन के बीच 2025 में फिर से होगी एफटीए पर बातचीत

वाणिज्य मंत्रालय ने एफटीए पर वार्ता की बहाली का स्वागत किया

नई दिल्ली

भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर वार्ता की शुरुआत नए साल 2025 में फिर से शुरू होगी। ब्राजील के रियो-डी-जेनेरियो में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सर कीर स्टारमर के बीच हुई बैठक के बाद इसकी घोषणा की गई। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी है। मंत्रालय ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री सर कीर स्टारमर की भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर वार्ता फिर से शुरू करने की घोषणा का स्वागत किया है। मंत्रालय ने कहा कि 2025 की शुरुआत में एफटीए पर वार्ता की तारीखों को जल्द ही राजनयिक चैनलों के माध्यम से अंतिम रूप दिया जाएगा। ब्रिटिश सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री सर कीर स्टारमर ने

घोषणा की है कि नए वर्ष में ब्रिटेन-भारत व्यापार वार्ता पुन: शुरू होगी। दोनों देशों के बीच प्रस्तावित एफटीए के लिए बातचीत जनवरी 2022 में शुरू हुई थी। दोनों पक्षों के बीच अब तक 14 दौर की बातचीत हो चुकी है। हालांकि, कई विवादास्पद मुद्दों का समाधान अभी होना बाकी है। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार एफटीए वार्ता पहले हासिल की गई प्रगति से चर्चाओं को फिर से शुरू करेगी और व्यापार सौदे को तेजी से पूरा करने के लिए अंतराल को पाटने का प्रयास करेगी। ब्रिटेन के साथ भारत के व्यापार संबंध लगातार बढ़ रहे हैं। अप्रैल से सितंबर 2024 के नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक ब्रिटेन को भारत से होने वाले निर्यात में 12.38 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो वर्ष 2023 के समान अवधि के 6.51 अरब डॉलर की तुलना में 7.32 अबर डॉलर तक पहुंच गई है। भारत के लिए ब्रिटेन वित्त वर्ष 2029-30 तक एक ट्रिलियन डॉलर के निर्यात लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्राथमिकता वाला देश है, जिसको 2029-30 तक निर्यात 30 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी, सोना और चांदी की बढ़ी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सोना लगातार दूसरे दिन महंगा हुआ है। इस चमकीली धातु की कीमत में 700 रुपये से लेकर 760 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 77,230 रुपये से लेकर 77,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 70,810 रुपये से लेकर 70,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है।

सोने की तरह ही चांदी भी 2,000 रुपये से अधिक उछल गया है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 91,600 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 70,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,130 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 70,710 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 77,080 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 70,660 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 77,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 70,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,130 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 70,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,230 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 77,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 70,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

विश्व कप क्वालीफायर में जापान से हारा चीन

जियामेन

जापान ने मंगलवार को 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर में चीन को 3-1 से हरा दिया। सितंबर में दोनों टीमों के बीच पहले चरण के मुकाबले में जापानी टीम ने चीन को 7-0 से हराया था।

चीनी टीम ने मैच की शुरुआत बेहतरीन डिफेंस के साथ की। हालांकि 39वें मिनट में कोकी ओगावा ने कॉर्नर क्रॉस पर हेडर से गोल कर जापान को 1-0 की बढ़त दिला दी। पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में, जापान ने एक और कॉर्नर किक में अपनी बढ़त दोगुनी कर ली, जब को इटाकुरा का हेडर नेट में चला गया।

दूसरे हाफ के तीसरे मिनट में लिन लियांगमिंग ने गोल कर चीन का खाता खोला और स्कोर 2-1 हो गया।

हालांकि, जापानी टीम ने छह मिनट बाद ही घरेलू दर्शकों को शांत कर दिया, जब जुन्या इटो ने दाएं फ्लैंक में प्रवेश किया और ओगावा ने हेडर के जरिए अपना दूसरा गोल कर जापान को 3-1 से आगे कर दिया। 70वें मिनट में, वेई शिहाओ चीन के लिए गोल करने के करीब थे, लेकिन उनके शॉट को जापानी गोलकीपर ज़ायन सुजुकी ने रोक दिया। अंतिम सीटी बजने तक जापान ने 3-1 की अपनी बढ़त बरकरार रखी और मैच अपने नाम किया।

हार के बावजूद, चीनी टीम के मुख्य कोच ब्रैंको इवानकोविच ने कहा कि वह अपने खिलाड़ियों द्वारा मैदान पर दिखाए गए जुझारूपन से वास्तव में संतुष्ट हैं।

उन्होंने कहा, मैं अपने खिलाड़ियों के बारे में खुश हूँ। एक मजबूत जापानी टीम के खिलाफ, वे सभी मैदान पर कड़ी टक्कर देते रहे और आगे की ओर दबाव बनाने के लिए बहादुर थे। हमने पहले कुछ सेट पीस डिफेंडिंग अभ्यास किए थे। एक सेकंड के ध्यान भटकने से परिणाम बदल गया। हम भविष्य में अपने सेट पीस डिफेंस में सुधार करेंगे और अपने खिलाड़ियों को मैदान पर अधिक ध्यान केंद्रित करने में मदद करेंगे।

जापान के कोच हाजीमे मोरियासु ने चीनी टीम की क्षमताओं की बहुत प्रशंसा की।

उन्होंने कहा, यह हमारे पहले चरण के मैच की तुलना में पूरी तरह से अलग टीम है। चीनी कोच अपने खिलाड़ियों को अच्छा प्रदर्शन करने में मदद करने के लिए बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। यह शुरू से ही एक कठिन खेल था। खेल में हमें लंबे समय तक पीछे धकेला गया, लेकिन हम सेट पीस से दो गोल करने में सफल रहे। कॉर्नर से पहला गोल मैच का बदलावकारी क्षण था।

दूसरी ओर, मंगलवार को इंडोनेशिया ने सऊदी अरब को घरेलू मैदान पर 2-0 से हराकर ग्रुप में अपनी पहली जीत दर्ज की। जापान के पास अब 16 अंक हैं और वह पांच जीत और एक ड्रॉ के साथ ग्रुप में शीर्ष पर है, जबकि सऊदी अरब, इंडोनेशिया और चीन के ग्रुप में छह-छह अंक हैं।

न्यूज ब्रीफ

केरल में खेलते दिखेंगे लियोनेल मेसी, अर्जेंटीना अगले साल कोच्चि में दोस्ताना मैच खेलने के लिए तैयार

नई दिल्ली। अर्जेंटीना की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम अगले साल केरल में दो प्रदर्शनी मैच खेलेगी, केरल के खेल मंत्री वी. अब्दुल रहमान ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी घोषणा की। जापान और कतर को अर्जेंटीना के लिए संभावित प्रतिद्वंद्वी माना जा रहा है और लियोनेल मेसी के टीम का हिस्सा होने की उम्मीद है। मंत्री ने कहा, कोच्चि अस्थायी स्थल है, हालांकि अन्य शहरों में मैच आयोजित करने की व्यवहार्यता पर भी चर्चा की जाएगी। मंत्री ने यह भी कहा कि कुल खर्च लगभग 100 करोड़ रुपये होगा और इसे प्रायोजन के माध्यम से पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य व्यापारी संघ इस आयोजन को प्रायोजित करने के लिए आगे आया है। मंत्री ने कहा कि अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) का एक प्रतिनिधिमंडल बातचीत करने के लिए जल्द ही केरल का दौरा करेगा और उसके बाद अंतिम घोषणा की जाएगी। केरल के खेल मंत्री ने इस साल की शुरुआत में स्पेन में एएफए अधिकारियों के साथ प्रारंभिक चर्चा की थी।

माराडोना की बराबरी पर मार्टिनेज

ब्यूनस आयर्स । अर्जेंटीना के लौटारो मार्टिनेज ने पेरू के खिलाफ विश्वकप फुटबॉल क्वालीफायर मुकाबले में गोल कर महान खिलाड़ी डिएगो माराडोना के राष्ट्रीय टीम की ओर से 32 गोल करने रिकार्ड की बराबरी की है। मार्टिनेज के नाम इस मैच से पहले 31 गोल थे और वह माराडोना से केवल एक गोल ही पीछे थे। वहीं इस सूची में अर्जेंटीन के स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी 112 गोल के साथ ही नंबर एक पर हैं। मार्टिनेज के दूसरे हाफ में किये गोल के कारण पेरु के खिलाफ मिली 1-0 की जीत से फीफा विश्व कप क्वालीफायर में अर्जेंटीना का शीर्ष स्थान पर कब्जा और मजबूत हुआ है। मार्टिनेज ने कहा,प्रदर्शन, गोल और खेले गए मैचों के मामले में यह एक शानदार साल रहा है। हमें खेलते रहना है और हर दिन और बेहतर करना है। अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम हमेशा ही आगे रही है। हमें भी कुछ चीजें सुधारने की हैं क्योंकि हर टीम हमें हराना चाहती है। मार्टिनेज ने पेरु के साथ गोल के साथ ही इस साल का अपना 11वां अंतरराष्ट्रीय गोल किया। वह अर्जेंटीना के लिए एक कैलेंडर वर्ष में 10 गोल करने वाले केवल तीसरे खिलाड़ी हैं। उनसे पहले गैब्रियल बतिस्तुता (1998 में 12) और मेसी (2012 में 12 और 2022 में 18) ने गोल किए थे। इस जीत से अर्जेंटीना 12 मैचों में 25 अंकों के साथ ही अंक तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है, इस प्रकार वह उरुग्वे से पांच अंक आगे है जबकि पेरू केवल सात अंकों के साथ ही सबसे निचले स्थान पर है। वहीं अर्जेंटीना दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर पेरू के खिलाफ अपने पिछले 18 मैचों में अपराजित रहा है। अर्जेंटीना के खिलाफ दक्षिण पिछले 11 घरेलू मैचों में से 10 में एक भी गोल नहीं हुआ है।

पहले टेस्ट के लिए उछाल भरी रहेगी पिच : क्यूरेटर, बारिश के कारण नमी और घास रहेगी

पर्थ (ईएमएस) । यहां शुक्रवार से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आप्टस स्टेडियम में शुरु होने वो बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में पिच उछाल भरी रहेगी जिससे तेज गेंदबाजों को लाभ होगा। वाका के मुख्य क्यूरेटर इसाक मैकडोनाल्ड ने कहा कि यहां हाल में हुई बारिश से पिच पर प्रभाव पड़ा है जिससे उसमें दरारें तो नहीं पड़ी हैं पर घास से उछाल जरुर रहेगा और नमी के कारण ये टूटेगी भी नहीं। वैसे भी आप्टस स्टेडियम की पिचों पर गति और उछाल मिलता हैं और सूखे हालात में बनने वाली दरारों से तेज गेंदबाजों को ही अधिक सहायतात मिलती है। यहां पिछले कुछ दिन से बारिश हो रही है और मंगलवार को पिच पर पूरे दिन कवर बिछे थे जिससे क्यूरेटरों को तैयारी के लिये पर्याप्त समय नहीं मिल पाया। मैकडोनाल्ड ने कहहा ,'' जैसी तैयारी होने चाहिये नहीं हो सकी है। कल पूरे दिन पिच पर कवर बिछे थे। अब अगले दो दिन हम जल्दी तैयारी शुरू करेंगे।'' मैच के दिन पर पिच में नमी बनी रहने की उम्मीद है जिससे टेस्ट के पांच दिन भी इसके टूटने की आशंका नहीं है। क्यूरेटर ने कहा ,'' मुझे नहीं लगता कि अब यह पिच टूटेगी। इस पर घुमाववदार दरारें पड़ने की संभावना नहीं है परा घास उगने से समान उछाल मिलेगा।'' वहीं मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार के बाद से आसमान साफ रहेगा पर तापमान बढ सकता है। मैकडोनाल्ड ने कहा कि धूप निकलने पर ही वे पिच को सही तरीके से तैयार कर सकेंगे।

फीबा एशिया कप क्वालीफायर

नए कोच के नेतृत्व में भारत की नजरें कतर के खिलाफ जीत दर्ज करने पर

चेन्नई

भारतीय पुरुष राष्ट्रीय बास्केटबॉल टीम शुक्रवार को यहां नेहरू इंडोर स्टेडियम में ग्रुप ई मैच में कतर का सामना करके अपने एफआईबीए एशिया कप 2025 क्वालीफायर अभियान को पुनर्जीवित करने की कोशिश करेगी। फरवरी में आयोजित क्वालीफायर के पहले दो मैचों में कजाकिस्तान और ईरान से लगातार हार के बाद भारत इस मुकाबले में उतरेगा। मई में टीम की कमान संभालने के बाद से यह हेड कोच स्कॉट फ्लेमिंग की पहली असली परीक्षा होगी। उन्होंने 2012-15 तक टीम को कोचिंग दी थी। अमेरिकी कोच ने सर्बियाई वेसलिन मैटिक की जगह ली है। फ्लेमिंग ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, मैं इस टूर्नामेंट के पिछले मैचों में नहीं था। इसलिए, मेरे लिए, हम कतर के खिलाफ यहां शुरुआत कर रहे हैं और फिर हम वहां से आगे बढ़ेंगे।

फीबा विश्व रैंकिंग में 76वें स्थान पर काबिज भारत क्वालीफिकेशन राउंड में पहली बार कम रैंकिंग वाली टीम का सामना करेगा। कतर, जिसका सामना उसने आखिरी बार 2015 में फीबा एशियाई चैम्पियनशिप में किया था, 101वें स्थान पर है।

उन्होंने कहा, मैं पिछले कई महीनों से अपने खिलाड़ियों से बात कर रहा हूं। हम हर दिन अभ्यास करते हैं और अपने प्रतिद्वंद्वियों से अंतर कम करने की कोशिश करते हैं। घर पर खेलना शानदार है और अगर हम अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचते हैं, तो मुझे शुक्रवार की रात जो भी हो सकता है, वह पसंद आएगा।

फ्लेमिंग के पिछले कार्यकाल के दौरान, भारत ने फीबा एशिया कप 2014 में एशियाई दिग्गज चीन के खिलाफ एक प्रसिद्ध जीत दर्ज की और 2014 लुसोफोनिया खेलों में टीम को स्वर्ण पदक भी दिलाया।

उन्होंने कहा कि मई में उनके पदभार संभालने के बाद से, टीम ने कई शिविरों में भाग लिया है और यहां तक कि दुबई की दो एक्सपोजर यात्राएं भी पूरी की हैं, जहां उन्होंने शीर्ष स्तरीय क्लबों के खिलाफ खेला।

फ्लेमिंग ने कहा, 2013-14 में मेरे पास एक ऐसी टीम थी जिसके बारे में मुझे लगता था कि वह एशिया में किसी से भी मुकाबला कर सकती है। इसलिए, ऐसा किया जा सकता है और उस समय ऐसा करने में लगभग एक साल लग गया था और इस बार मुझे उम्मीद है कि यह समय और भी कम होगा।

उन्होंने कहा, हर कोई सालों पहले चीन के खिलाफ़ मिली जीत के बारे में बात करता है, लेकिन मुझे सबसे ज्यादा लगता है कि हम सभी के साथ प्रतिस्पर्धी थे। अब हमारी टीम में बहुत प्रतिभा है। हमें बस इतना चाहिए कि वे एक साथ आएं और खेल की एक प्रणाली बनाएं।

भारत वर्तमान में अपने ग्रुप में दो मैच खेलकर अंतिम स्थान पर है, कतर के साथ दो अंक बराबर हैं, जो तीसरे स्थान पर है। रैंकिंग में उनके बीच अंतर के बावजूद, कतर ने भारत पर बेहतर रिकॉर्ड का आनंद लिया है, उन्होंने अपने पिछले पांच मुकाबलों में से चार में जीत हासिल की है।

शीर्ष दो टीमों को अगले साल सऊदी अरब में होने वाले टूर्नामेंट के फाइनल के लिए सीधे क्वालीफिकेशन मिलेगा, जबकि छह समूहों में से प्रत्येक से तीसरे स्थान पर रहने वाली सर्वश्रेष्ठ टीमें अंतिम चार स्थानों के लिए एक और क्वालीफाइंग दौर में भाग लेंगी।

फ्लेमिंग ने कहा कि वह और उनके खिलाड़ी जानते हैं कि वे अंडरडॉग हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि उनके पास एक टीम है जो उन्हें विश्वास है कि जीत सकती है। फ्लेमिंग ने निष्कर्ष निकाला, मैं अपने खिलाड़ियों से केवल तीन चीजें करने के लिए कहता हूं - कड़ी मेहनत करें, एक साथ खेलें और टीम को खुद से ऊपर रखें।

एन्किसो के अंतिम क्षणों में किए गए गोल की बदौलत पैराग्वे ने बोलीविया के खिलाफ ड्रॉ खेला

एल आल्टो

ब्राइटन फॉरवर्ड जूलियो एन्किसो के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत पैराग्वे ने मंगलवार को विश्व कप क्वालीफायर में बोलीविया के साथ 2-2 से ड्रा खेला। एन्किसो ने एक गोल किया और एक में सहायता की। मैच में बोलीवियाने शानदार शुरुआत की और 15वें मिनट में ही रामिरो वेका के बेहतरीन पास के बाद एर्विन वेका ने नज़दीकी रेंज से गोल किया और अपनी टीम को 1-0- की बढ़त दिला दी।

पहले हॉफ तक बोलीवियाने अपनी बढ़त बरकरार रखी। दूसरे हॉफ में मैच के 71वें मिनट में मिगुएल अल्मिरोन ने एन्किसो के पास पर 12-यार्ड से बेहतरीन गोल कर पैराग्वे को 1-1 से बराबरी दिला दी।

मिगुएल टेरसेरोस ने 80वें मिनट में पेनल्टी स्पॉट से गोल कर बोलीविया को 2-1 से आगे कर दिया। इसके बाद अतिरिक्त समय में एन्किसो ने 30-यार्ड ड्राइव के साथ गोल कर अपनी टीम को 2-2 से बराबरी पर ला दिया।

मैच के बाद एन्किसो ने संवाददाताओं से कहा, बोलीविया अपने घरेलू मैदान पर बहुत मजबूत है, लेकिन हमने दिखाया कि हम किस चीज से बने हैं।

उन्होंने समुद्र तल से 4,000 मीटर से अधिक ऊंचाई पर खेलने की कठिनाई का जिक्र करते हुए कहा, हमने मैदान पर अपना सब कुछ झोंक दिया और यहां एक अंक हासिल करना एक बड़ी उपलब्धि है।

इस परिणाम के साथ पैराग्वे के 12 मैचों में 17 अंक हो गए हैं, जो दक्षिण अमेरिकी समूह में बोलीविया से चार अंक आगे है।

ऑस्ट्रियाई क्रिकेट ने टी20 विश्व कप क्वालीफायर के दौरान हुई घटना के लिए इजरायल क्रिकेट से मांगी माफी

नई दिल्ली

ऑस्ट्रियाई क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) ने 10 जून को पुरुषों के टी20 विश्व कप यूरोप क्वालीफायर ए मैच से पहले इजरायल क्रिकेट एसोसिएशन (आईसीए) और इजरायल क्रिकेट टीम से किसी भी तरह की चोट या अपराध के लिए बिना शर्त माफी मांगी है।

हालाँकि घटना की बारीकियाँ अभी तक अज्ञात हैं, आईससी के एक बयान में कहा गया है कि एसीए ने जिम्मेदार खिलाड़ी के साथ इस मुद्दे को सुलझाने के लिए त्वरित कार्रवाई की है, और एसीए की अनुशासनात्मक प्रक्रियाओं के अनुसार खिलाड़ी पर उचित अनुशासनात्मक प्रतिबंध लगाए हैं।

घटना के बाद, आईसीसी ने एसीए और आईसीए के बीच समझौता प्रक्रिया आयोजित की, ताकि आईसीसी के भेदभाव-विरोधी कोड के अनुसार, सहमति से समाधान निकाला जा सके। यह प्रक्रिया भेदभाव-विरोधी और नस्ल संबंधों के क्षेत्र में एक स्वतंत्र विशेषज्ञ पॉल मॉर्टिमर द्वारा गोपनीय रूप से संचालित की गई थी।

यूएसपीएल सीज़न-3 की शुरुआत 22 से, कैलिफोर्निया गोल्डन ईगल्स से भिड़ंत को तैयार कैरोलिना ईगल्स

फ्लोरिडा

यूनाइटेड स्टेट्स प्रीमियर लीग (यूएसपीएल) के तीसरे सीजन की शुरुआत 22 नवंबर से हो रही है। लीग का पहला मुकाबला कैरोलिना ईगल्स और कैलिफोर्निया गोल्डन ईगल्स के बीच फ्लोरिडा के ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम में होगा। कैरोलिना ईगल्स के कप्तान गजानंद सिंह यूएसपीएल सीजन 3 में टीम की कप्तानी को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। 32 वनडे और 13 टी20 मैच खेले चुके गजानंद ने उद्घाटन मैच से पहले कहा कि, यूएसपीएल के तीसरे सीज़न में कैरोलिना ईगल्स का नेतृत्व करना मेरे लिए गर्व की बात है। हमारी टीम पूरी तरह से संतुलित है और मुझे पूरा भरोसा है कि हम एक मजबूत प्रतिद्वंदी बनकर उभरेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि हमारे पास युवाओं और अनुभव का अच्छा मिश्रण है, जिससे टीम काफी संतुलित नजर आ रही है। मुझे पूरी उम्मीद है कि सभी खिलाड़ी मैदान पर अपनी योग्यता दिखाएंगे और इस सीजन को शानदार बनाएंगे।

कैरोलिना ईगल्स अपना दूसरा मैच 23 नवंबर को मैरीलैंड मेवरिक्स के खिलाफ खेलेगी। लीग के प्रत्येक दिन ट्रिपल-हेडर मुकाबले खेले जाएंगे ताकि प्रशंसकों को रोजाना एक्शन से भरपूर क्रिकेट देखने को मिले।

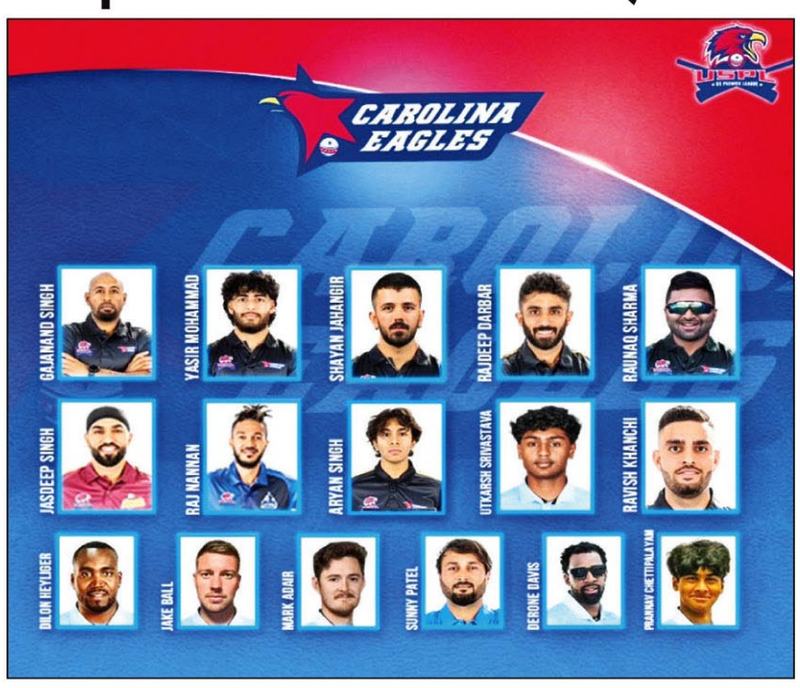

नडाल ने टेनिस से लिया संन्यास, कहा- खुशकिस्मत हूं कि अपने शौक को करियर में बदल सका

मलागा

नीदरलैंड के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर डेविस कप मुकाबले के बाद पेशेवर टेनिस से संन्यास लेने वाले दिग्गज स्पेनिश टेनिस स्टार राफेल नडाल ने कहा कि वह अपने शौक को एक शानदार करियर में बदलने के लिए बेहद भाग्यशाली हैं।

22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नडाल का पेशेवर टेनिस सफर मंगलवार देर रात डेविस कप में नीदरलैंड के खिलाफ स्पेन के क्वार्टर फाइनल मैच के शुरुआती मुकाबले में बोटिक वैन डे ज़ैंड्सचुल्प से 6-4, 6-4 से सीधे सेटों में हार के साथ समाप्त हो गया।

इसके बाद युवा सनसनी कार्लोस अल्काराज ने टैलोन ग्रीक्सपूर के खिलाफ 7-6 (0), 6-3 से जीत के साथ स्कोरलाइन को बराबर कर दिया। लेकिन बाद में, अल्काराज और मार्सेल ग्रैनोलर्स को युगल निर्णायक मुकाबले में 7-6 (4), 7-6 (3) से हार का सामना करना पड़ा और नीदरलैंड अगले दौर में पहुंचा गया।

एटीपी की आधिकारिक वेबसाइट के हवाले से मैच के बाद नडाल ने कहा, मैं वह व्यक्ति हूं जिसे इतने सारे लोगों का आभारी होना चाहिए। यह जानना मुश्किल है कि कहां से शुरू करें।

नडाल ने प्रशंसकों को उनके असाधारण समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, स्पेन और सामान्य रूप से दुनिया में, मुझे इतना स्नेह पाकर बहुत सौभाग्यशाली महसूस हुआ है।

नडाल ने विरोधियों के साथ-साथ अपने साथियों को भी बधाई देते हुए कहा, मैं यहां मौजूद पूरी स्पेनिश टीम का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। आप सभी ने मुझे इस डेविस कप में खेलने का मौका दिया। यह वैसा नहीं हुआ जैसा हम चाहते थे, मैंने अपना सबकुछ दिया। मेरे करियर के कई सबसे भावनात्मक पल यहां मौजूद कई लोगों के साथ रहे हैं, यह मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान रहा है। हमने साथ मिलकर कई शानदार चीजें हासिल की हैं और अब समय आ गया है कि आप सभी उन्हें हासिल करते रहें।

नडाल ने कहा कि एक खिलाड़ी नहीं चाहता कि रिटायरमेंट का यह पल आए, लेकिन उसका शरीर अब टेनिस नहीं खेलना चाहता। उन्होंने कहा, आपको स्थिति को स्वीकार करना होगा, मैं बहुत खुशकिस्मत महसूस करता हूं। मैं अपने शौक में से एक को अपने करियर में बदलने में सक्षम रहा हूं, और यह मेरी कल्पना से कहीं ज्यादा लंबा था। मैं केवल जीवन का आभारी हो सकता हूं। उन्होंने प्रेस, टेनिस संस्थानों और बिरादरी को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया, जिसने उन्हें आगे बढ़ने में मदद की और स्टैंड में मौजूद अपने परिवार और टीम के लिए एक विशेष संदेश भी दिया।

उन्होंने आंखों में आंसू भरकर कहा, मैं शांत हूं, क्योंकि मुझे ऐसी शिक्षा मिली है, जिससे मैं अपने नए जीवन को मन की शांति के साथ जी सकता हूं। मेरे आसपास एक अच्छा परिवार है, जो मेरी मदद करता है।

बोटिक से हारने के बाद नडाल ने यह भी कहा कि यह उनके लिए एक भावनात्मक दिन था।

उन्होंने कहा, मुझे पता था कि यह एक पेशेवर टेनिस खिलाड़ी के रूप में मेरा आखिरी मैच हो सकता है। इससे पहले के पल भावनात्मक थे, सामान्य तौर पर उन्हें संभालना थोड़ा मुश्किल था। बहुत सारी भावनाएँ थीं। मैंने इसे यथासंभव बेहतर तरीके से करने की कोशिश की। मैंने परिणाम चाहे जो भी हो, मैंने आवश्यक ऊर्जा के साथ, यथासंभव सर्वश्रेष्ठ रवैया रखने की कोशिश की। अंत में उम्मीद की एक किरण दिखी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। मेरा प्रतिद्वंद्वी आज मुझसे बेहतर था और बस यही बात है।

जुलाई में नोवाक जोकोविच से हारने के बाद पेरिस ओलंपिक के दूसरे दौर के बाद से प्रतिस्पर्धी टेनिस नहीं खेलने वाले नडाल तब से कोर्ट पर अभ्यास कर रहे थे और अपने कप्तान डेविड फेरर के लिए खेलने में सक्षम महसूस कर रहे थे।

उन्होंने कहा, यह निर्णय लिया गया कि मैं खेलूंगा। हम जानते थे कि यह थोड़ा जोखिम भरा निर्णय था। डेविड ने हम सभी को अभ्यास करते हुए देखा था और हम सभी को लगा कि मैं मैच के लिए सही खिलाड़ी हूं।

सही रोडमैप तैयार करें...

दिल में हजारों सपने और मन में जीत का जज्बा लिए युवा निकल पड़ते हैं अपने ड्रीम करियर की ओर। मगर कई बार सही रोडमैप तैयार न होने से उन्हें मंजिल तक पहुंचने में कठिनाई होती है। संबंधित कोर्स आदि करने के बाद भी कामयाबी मिलने वालों का प्रतिशत बहुत कम देखा गया है। अधिकतर युवा पढ़ाई के दौरान ही अपने लक्ष्य तय कर लेते हैं, मगर सही रोडमैप तैयार न होने के कारण वे मंजिल तक नहीं पहुंच पाते और हताश हो जाते हैं। आइए जानते हैं ड्रीम करियर तक पहुंचने का क्या हो रास्ता।

खुद को परखें

सभी व्यक्ति एक जैसे नहीं होते। सबकी ताकत, कमजोरी, इच्छाएं, महत्वाकांक्षाएं और सपने सभी कुछ एक–दूसरे से बिल्कुल अलग होते हैं। साथ ही हर किसी में कोई न कोई खूबी जरूर होती है, जो उस व्यक्ति को अन्य लोगों से अलग बनाती है। सबसे पहले अपनी इस खूबी को पहचानिए। इससे खुद की पहचान में मदद मिलेगी और आपको अंदाजा हो जाएगा कि आप अपने बाकी साथियों के मुकाबले किस स्तर पर हैं? इसके बाद आप अपनी परफॉर्मेंस में सुधार के लिए सही तरीके अपना सकेंगे। अपनी ताकत के ईद-गिर्द ही अपना करियर बनाइए। इससे आप न सिर्फ अपने करियर में बेस्ट परफॉर्मेंस दे सकेंगे, बल्कि आपका आंतरिक विकास भी होगा और आप हमेशा खुश रह सकेंगे।

व्यक्तित्व को पहचानें

ऐसा काम न चुनें, जो आपके व्यक्तित्व के अनुरूप न हो। अगर आपकी कम्युनिकेशन स्किल अच्छी नहीं है तो मार्केटिंग के क्षेत्र में आपका भविष्य बहुत सुनहरा नहीं होगा। हम जिस चीज से संतुष्ट होते हैं और जो काम करने में सहजता महसूस करते हैं, वही बेहतर रूप से कर सकते हैं। जिस काम को हम रुचि के साथ आनंद लेकर करते हैं, उस काम में सफलता मिलना आसान होता है, लेकिन जो काम हमें असहज या कठिन लगते हैं, जिन्हें करने से आत्मसंतुष्टि नहीं मिलती, उनमें सफलता मिलना बहुत मुश्किल होता है।

लक्ष्य तय करें

एक प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी द्वारा करवाए गए सर्वे में यह बात निकल कर सामने आई है कि किसी भी करियर के प्रति रुझान उम्र के साथ-साथ बदलता है। वही लोग अंत तक एक करियर से किसी न किसी रूप में जुड़े रहे, जिन्होंने लक्ष्य तय किया हुआ था और उन्हें अपने करियर से प्यार था। पहली ही नौकरी का चयन अगर सही नहीं हुआ तो करियर में तरक्की की राहें मुश्किल हो सकती हैं। ऐसे में बार-बार नौकरी बदलने में आपका कीमती वक्त बर्बाद होगा। यह पहले से तय कर लें कि आपको किस क्षेत्र में करियर बनाना है या किन कंपनियों में काम करना चाहते हैं। अमेरिका के ब्यूरो ऑफ लेबर स्टैटिस्टिक्स ने नई रिपोर्ट में आंकड़ों के आधार पर 20 सबसे अच्छी नौकरियों की एक सूची पेश की है। इनमें इंजीनियर और विश्लेषक की नौकरियों को सबसे ऊपर रखा गया है। आंकड़ों का परीक्षण ग्लासडोर ने किया है।

क्षमताएं बढ़ाएं

ग्लासडोर डॉट कॉम वेबसाइट द्वारा करवाए गए सर्वे के मुताबिक जिन 63 प्रतिशत कर्मचारियों ने स्किल्स को बढ़ाने पर काम किया, उन्हें बेहतर पदोन्नति के साथ अच्छी सैलरी भी मिली। सर्वे में 74 प्रतिशत ने माना कि उन्हें खुद को आगे बढ़ाने के लिए स्किल्स सीखनी होंगी। 48 प्रतिशत कर्मचारियों के मुताबिक उनकी डिग्री उनके काम के साथ कहीं मेल नहीं खाती यानी इससे साफ हो गया कि शुरुआत में भले ही आप अपनी डिग्री की बदौलत कोई नौकरी पा लेते हैं, मगर उसमें टिके रहने व तरक्की पाने के लिए आपको अपनी मौजूदा क्षमताओं में इजाफा करना होगा। उन स्किल्स को पहचान कर सीखना होगा, जो आपके काम में सहायक हैं।

पाएं कार्यानुभव

किसी कंपनी में की गई इंटर्नशिप आपको आपके ड्रीम करियर तक पहुंचने में सहायक हो सकती है। इंटर्नशिप के दौरान आप क्लास रूम की थ्योरी क्लासेज से निकल कर जॉब मार्केट और पेशवर कार्यों की दुनिया से परिचित होते हैं। आपने जो शिक्षा हासिल की है, उसका वास्तविक प्रयोग कैसे करना है और आपकी शिक्षा आपके ड्रीम करियर में रास्ता बनाने में किस हद तक सहायक होगी, इसे इंटर्नशिप के दौरान परखा और जांचा जा सकता है।

रेज्यूमे हो दमदार

किसी भी कंपनी में अपना रेज्यूमे भेजने से पहले यह निश्चित कर लें कि इसमें कहीं कोई भाषाई अशुद्धि तो नहीं है, कोई योग्यता बढ़ा-चढ़ा कर तो नहीं लिखी गई है। इसके बाद ध्यान दें कि उसका डिजाइन, फॉन्ट साइज, आकर्षक हो, ताकि पढ़ते समय बोरियत न हो। जो भी कहना चाहते हैं, वह संक्षेप में प्रभावी ढंग से लिखा होना चाहिए।

रिसर्च करें

जिस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं, उसके बारे में जानकारियां एकत्र करें। उस क्षेत्र में काम कैसे होता है, काम करने की शैली कैसी है, वेतन कितना मिलता है, आने वाले समय में उस क्षेत्र में विकास की क्या संभावनाएं हैं, सरकार की नीति सेक्टर के लिए क्या है, क्षेत्र में काम करने के दौरान किस तरह की चुनौतियां सामने आ सकती हैं।

क्षमता और रुचि का रखें ध्यान...

12वीं के बाद करियर की दिशा को लेकर विद्यार्थियों के मन में कई सवाल होते हैं। मसलन- कौन-सी स्ट्रीम चुनें, प्रोफेशनल कोर्सेज में दाखिला लें या पारंपरिक डिग्री हासिल करें आदि। काउंसलर की मानें तो कैरियर की दिशा चुनते वक्त आपको दो बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए-क्षमता और रुचि। यदि आप इन बातों की तह तक पहुंच गए, तो आप अपने क्षेत्र में एक मुकाम हासिल कर सकते हैं। नजर डालते हैं बारहवीं के बाद के उन प्रमुख कैरियर विकल्पों पर, जिनमें से कोई एक क्षेत्र चुन कर आप मंजिल तक पहुंच सकते हैं, बशर्ते आपने क्षेत्र का चुनाव अपनी क्षमता और रुचि का आकलन करने के बाद किया हो।

चार्टर्ड अकाउंटेंसी

जो छात्र 10+2 में वाणिज्य लेते हैं, उनकी पहली प्राथमिकता चार्टर्ड अकाउंटेंसी होती है। आपको शायद यह जानकर हैरानी होगी कि भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंसी की मांग कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया सहित कई अन्य देशों में है। अंतरराष्ट्रीय अवसरों के कारण भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंसी युवाओं के लिए अग्रिम कैरियर विकल्प बन गया है। द इंस्टीट्युट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, जो भारत सरकारके अधीन पंजीकृत संस्था है, को भारत में इस क्षेत्र में पाठ्यक्रम चलाने का एकाधिकार प्राप्त है। विशेष जानकारी के लिए डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट आइसीएआइ डॉट ओआरजी पर संपर्क करें।

कंपनी सेक्रेटरीशिप

वाणिज्य से 10+2 पूरा करने वाले छात्रों का एक बड़ा वर्ग कंपनी सेक्रेटरी बनना चाहता है। आज हर उस कंपनी में, जिसका पेड-अप पूंजी 1 करोड़ से अधिक है, एक कंपनी सेक्रेटरी होना अनिवार्य है। तीन स्तरों में होने वाले इस पाठ्यक्रम सह परीक्षा की विस्तृत जानकारी के लिए आपइंस्टीट्युट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट आइसीएस आइ डॉट इडीयू पर संपर्क करें।

कॉस्ट एंड वर्क अकाउंटेंट

फाइनेंस के क्षेत्र में एक नया क्षेत्र उभर कर आया है, जिसे कॉस्ट एंड वर्क अकाउंटेंसी के नाम से जाना जाता है। चार्टर्ड अकाउंटेंसी या कंपनी सेक्रेटरीशिप की तरह तीन स्तरों- फाउंडेशन, इंटरमीडिएट और फाइनल परीक्षा को उत्तीर्ण कर कॉस्ट अकाउंटेंट की योग्यता प्राप्त कर सकता है। कॉस्टअकाउंटेंट किसी कंपनी का वह पदाधिकारी होता है, जिसे अपनी तकनीकी दक्षता से कंपनी की पूंजी व लागत का उचित इस्तेमाल करना होता है। विस्तृत जानकारी के लिए आपइंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंसी ऑफ इंडिया की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट आइसीएमएआइ डॉट इन पर संपर्क करें।

लॉ का क्षेत्र

वाणिज्य से बारहवीं के बाद छात्रों का एक बड़ा तबका लॉ के क्षेत्र में जाता है. 10+2 के बाद 5 वर्षीयलॉइंटिग्रेटेड पाठ्यक्रम पूरा करकानून के क्षेत्र में कैरियर को एक नई दिशा दी जा सकती है। पहले इस इंटिग्रेटेड पाठ्यक्रम में केवल बीएएलएलबी पाठ्यक्रम ही होता था। परंतु समय की मांग को देखते हुए बीएएलएलबी के अतिरिक्त व्यापार प्रबंधन की चाह रखने वाले छात्रों के लिए बीबीएएलएलबी, विज्ञान के छात्रों के लिए बीएससीएलएलबी या कॉमर्स के छात्रों के लिए बीकॉमएलएलबी पाठ्यक्रमों की भी घोषणा कर दी गयी है। इस पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए आपको एक विशेष प्रवेश जांच परीक्षा देनी होगी, जिसे कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट यानी क्लैट कहा जाता है। इस प्रवेश जांच परीक्षा के माध्यम से आपको देश के प्रतिष्ठित लॉ विश्वविद्यालय में दाखिले का अवसर प्राप्त होगा। विशेष जानकारी के लिए आप वेबसाइट पर विजिट करें।

बैंकिंग का क्षेत्र

यदि हम यह कहें कि आनेवाले कुछ वर्ष बैंकिंग के क्षेत्र में नई नौकरियों की चाह रखने वाले छात्रों के नाम होंगे, तो कुछ गलत न होगा। आगामी कुछ वर्षों में लगभग 1 लाख से अधिक छात्रों के लिए बैंकिंग सेक्टर के दरवाजे खुले रहेंगे। यदि आप 10+2 के बाद इस क्षेत्र में प्रवेश करना चाहते हैं, तो क्लर्क लेवल के लिए आवेदन करें। हालांकि कई बैंकों में अब क्लर्क के लिए भी स्नातक आवश्यक योग्यता के रूप में मांगी जाती है, परंतु कुछ विकल्प अभी भी 10+2 के बाद इस पद के लिए उपलब्ध हैं। यदि आप प्रोबेशनरी ऑफिसर के रूप में इस क्षेत्र में प्रवेश करना चाहते हैं, तो वाणिज्य से स्नातक करें और प्रवेश जांच परीक्षा में बैठने की रणनीति बनायें। बैंकों की रिक्तियों की अधिसूचना निरंतर अखबारों में निकलती रहती हैं।

बिजनेस मैनेजमेंट

भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था ने जहां एक ओर कॉरपोरेट दुनिया को नया आयाम प्रदान किया, वहीं दूसरी ओर बिजनेस मैनेजरों की भारी मांग ने युवाओं के लिए कैरियर द्वार खोल दिया।10+2 वाणिज्य के बाद 3 वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम आपको बिजनेस मैनेजमेंट की दुनिया में प्रवेश दिला सकते हैं। इन पाठ्यक्रमों को अलग-अलग विश्वविद्यालय में कई बार अलग-अलग नाम से जाना जाता है, परंतु इनके कोर्स कंटेंट लगभग एक जैसे होते हैं। कहीं इसे बीबीए यानी बैचलर इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन कहा जाता है, तो कहीं इसे बीबीएमयानी बैचलर इन बिजनेस मैनेजमेंट कहा जाता है। दिल्ली विश्वविद्यालय में इसे बैचलर इन बिजनेस स्टडीज का नाम दिया गया है। इन पाठ्यक्रमों में स्नातक करने के बाद किसी अच्छे संस्थान से एमबीए करने वाले छात्रों को पीछे मुड़ कर देखने की जरूरत नहीं पड़ती।

पत्रकारिता का क्षेत्र

एक समय था जब इस विषय को हिंदी या अंग्रेजी विभाग के साथ जोड़कर पढ़ाया जाता था, लेकिन हाल के वर्षों में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की चकाचौंध ने युवाओं के एक बड़े वर्ग का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। 10+2 वाणिज्य के बाद 3 वर्षीय बैचलर्स इन जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन या बीए (जेएमसी) जैसा पाठ्यक्रम आपको मीडिया के क्षेत्र में प्रवेश करने का अवसर दे सकता है, परंतु इस क्षेत्र में संघर्ष है, आपके स्थापित होने की समय सीमा भी निश्चित नहीं है। इस जोखिम को ध्यान में रखकर ही आप इस क्षेत्र में जाने की योजना बनायें। इस क्षेत्र में सफलता के लिए आपकी भाषा पर मजबूत पकड़ बेहद जरूरी है, चाहे बात प्रिंट मीडिया की हो या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की। वाणिज्य से पढाई करने के बाद पत्रकारिता के क्षेत्र में कैरियर बनाने का सपना देखने वाले छात्र बिजनेस स्टैंडर्ड, इंडियन इकनोमी, सीएनबीसी आवाज जैसे चैनलों और अखबारों में रोजगार खोज सकते हैं। इन चैनलों में वाणिज्य के जानकार को आर्थिक या बिजनेस पेज या प्रोग्राम का उत्तरदाई बनाया जाता है।

कंप्यूटर साइंस

एक समय था जब केवल गणित के छात्र ही इस क्षेत्र में प्रवेश करते थे। समय के साथ बढ़ती मांग को देखते हुए कई विश्वविद्यालय वाणिज्य या आर्ट्स के छात्र को भी इस क्षेत्र में प्रवेश देते हैं। बीसीए यानी बैचलर इन कंप्यूटर अप्लीकेशन के लिए 10+2 पर आर्ट्स, साइंस या कॉमर्स की कोई बाध्यता नहीं है, लेकिन इसी प्रकार के अन्य पाठ्यक्रम जैसे बीएससी (कंप्यूटर साइंस) या बीएससी (आइटी) में प्रवेश के लिए ज्यादातर विश्वविद्यालय 10+2 में गणित मांगते हैं। रुचि कंप्यूटर साइंस में है, तो निःसंकोच बीसीए पाठ्यक्रम को चुन सकते हैं। ध्यान रखें कि पाठ्यक्रम रेग्युलर हो,अन्यथा पूरा व्यावहारिक ज्ञान नहीं मिल पाएगा, जो क्षेत्र में सफल होने का आधार है।

मेडिकल

बायो के साथ 10+2 लेने वाले छात्रों का पहला कैरियर विकल्प मेडिकल होता है। एक बात समझना आवश्यक है। कई छात्र मेडिकल में कैरियर बनाने की चाह में चीन, रूस इत्यादि से मेडिकल की डिग्री लेकर आते हैं। ध्यान रहे, भारत में केवल वही मेडिकल डिग्री मान्य है, जो मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया से मान्य है। यदि आप देश से बाहर से कोई मेडिकल की डिग्री लेकर आते हैं, तो आपको पुनः मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित स्क्रीनिंग टेस्ट पास करना होगा, अन्यथा आपकी डिग्री अवैध हो जाएगी। कहने की आवश्यकता नहीं कि भारतीय मेडिकल संस्थानों में दाखिले के लिए सीबीएससी द्वारा प्रत्येक वर्ष ऑल इंडिया प्री मेडिकल टेस्ट का आयोजन किया जाता है, जिसके आधार पर सरकारी-पोषित व निजी मेडिकल संस्थानों में एमबीबीएस पाठ्यक्रम में दाखिला लिया जा सकता है।

डेंटिस्ट्री

बायो के साथ 10+2 उत्तीर्ण करने वाले छात्रों के लिए डेंटिस्ट्री (दांतों का डॉक्टर) भी एक उत्तम कैरियर विकल्प है। चार वर्षीय बैचलर इन डेंटल सर्जरी करने के बाद यदि आप इसमें मास्टर्स कर लें तो फिर पीछे मुड़कर देखने की आवश्यकता नहीं होगी। मान्य संस्थानों की अद्यतन जानकारी डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया के वेबसाइट पर उपलब्ध है। निजी संस्थानों के अतिरिक्त सरकारी संस्थानों में बीडीएस में दाखिले के लिए भी सीबीएससी द्वारा आयोजित ऑल इंडिया प्री मेडिकल टेस्ट को उत्तीर्ण करना आवश्यक है।

बायोटेक्नोलॉजी

रिसर्च और तकनीक से यदि आपका लगाव हो, तो बायोटेक्नोलॉजी का क्षेत्र आपको एक स्थायी कैरियर विकल्प दे सकता है। फार्मा कंपनियों में निरंतर बायो तकनीक विशेषज्ञों के लिए रिक्तियां निकलती रहती हैं। इस विषय को लेकर दो प्रकार के पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं- तीन वर्षीय बीएससी इन बायोटेक्नोलॉजी और चार वर्षीय बीटेक इन बायोटेक्नोलॉजी। कैरियर के लिहाज से इनमें से किसी पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद एमबीए करना बेहतर होगा, ताकि आपको तकनीकी ज्ञान के साथ साथ प्रबंधन कौशल भी आ सके।

अल्टरनेटिव मेडिसिन

एमबीबीएस के अतिरिक्त होमियोपैथी, यूनानी, आयुर्वेद जैसे अन्य कैरियर विकल्प भी हैं, जो आपको एक डॉक्टर के रूप में स्थापित कर सकते हैं। बैचलर इन आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी, बैचलर इन होमियोपैथी मेडिसिन एंड सर्जरी के अतिरिक्त नेचुरोपैथी, योग, फिजियोथेरपी जैसे पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, जिनको आप अपनी रुचि के अनुसार चुन सकते हैं।

नर्सिंग का क्षेत्र

नर्सिंग का क्षेत्र उन चुनिंदा क्षेत्रों में है, जिन में कभी भी रोजगार के अवसर कम नहीं होंगे। इस क्षेत्र में कई पाठ्यक्रम हैं, जैसे एक वर्षीय ऑक्जिलियरी नर्सिंग मिडवाइफरी यानी एएनएम से लेकर चार वर्षीय बीएससी नर्सिंग तक। मान्यता प्राप्त संस्थानों की सूची काउंसिल की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट इंडियन नर्सिंग काउंसिल डॉट ओआरजी पर उपलब्ध हैं।

इंडियन आर्मी

देश के युवाओं का एक तबका ऐसा भी है, जो अपने रोजगार के साथ-साथ देश की सेवा भी करना चाहता है। तो आर्ट्स के छात्र के रूप में आपके लिए यहां भी इंडियन आर्मी के दरवाजे खुले हुए हैं। जब आप स्नातक के अंतिम वर्ष में हों, तो संयुक्त लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सीडीएस यानी कंबाइंड डिफे स सर्विस में प्रवेश की योजना बनाएं।

प्रेग्नेंसी में कैसा भोजन खाना करना चाहिए?

आपको जरूरत है अपने आहार का ध्यान रखने की। क्या खाना है और क्या नहीं। क्या मैं नॉन-वेज खाऊं या नहीं। क्या मुझे पूरी तरह वेजिटेरियन रहना चाहिए। इसे लेकर कई महिलाएं दुविधा में रहती हैं। मांसाहारी भोजन में सब्जियों और फलों की तुलना में ज्यादा आयरन होता है। यदि आपको नॉन वेज खाने में कोई दिक्कत नहीं है तो यह आपके और आपके गर्भ में पल रहे बच्चे दोनों के लिए अच्छा होगा। यदि आपके शरीर में आयरन पहले से ही उचित मात्रा में मौजूद है तो आप नॉनवेज का इस्तेमाल 10 से 11 हफ्तों में भी कर सकती हैं।

नॉनवेज खाने में आपके लिए मछली का सेवन सबसे अच्छा रहेगा। मछली में ओमेगा 3 फैटी एसिड पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है और यह गर्भ में पल रहे बच्चे के दिमाग के लिए बहुत ही फायदेमंद हैं। हालांकि ओमेगा 3 फैटी एसिड के लिए आप भोजन में अलसी के बीजों का भी यूज कर सकती हैं, लेकिन इसके लिए मछली के सेवन से बेहतर कुछ नहीं। गर्भावस्था के दौरान आपको आम दिनों की ही तरह ही हेल्दी खाना खाना चाहिए। महिलाएं अपनी और गर्भस्थ शिशु की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने से खुशी का अनुभव करती है। इसलिए नॉन वेज उन सभी जरूरतों को पूरा करता है जो आपको और आपके नन्हें मेहमान के लिए जरूरी हैं। इस दौरान आपकी दिनभर की दिनचर्या में ब्रेकफास्ट, पास्ता, चावल और रोटी सभी कुछ होना चाहिए। यदि आप नॉनवेज हैं तो आपको प्रोटीन युक्त फल और सब्जियों का इस्तेमाल करना चाहिए। आपको खाने से संबंधित सभी चीजें थोड़ी-थोड़ी मात्रा में नियमित अंतराल पर लेनी चाहिए। एक बार में ज्यादा खाना आपको नुकसान दे सकता है। ऐसी कुछ नॉन वेज डिश जिन्हें आप प्रोटीन और आयरन के लिए यूज कर सकती है।

चिकन स्वीट कोर्न सूप: चिकन स्वीट कोर्न सूप प्रोटीन के लिए बहुत ही अच्छा विकल्प है। इसे तैयार करने के लिए आपको 250 ग्राम बोन लैस चिकन, आधा कप स्वीट कोर्न क्रीम की जरूरत पड़ेगी।

स्टीम्ड लैमन फिश सैलडः स्टीम्ड लैमन फिश सैलड में प्रोटीन की पर्याप्त मात्रा के साथ ही आयरन और विटामिन सी होता है। यह गर्भावस्था के दौरान आपके और आपके यहां आने वाले नन्हें मेहमान के लिए फायदेमंद रहेगा। इसे तैयार करने के लिए 300 ग्राम बिना हड्डी वाली मछली, 2 हरी मिर्च, नींबू का रस और धनिया पत्ती चाहिए।

फिश फिंगर: फिश फिंगर को आप अपनी दिनचर्या में स्नैक्स की तरह यूज कर सकती हैं। इसमें न केवल प्रोटीन की पर्याप्त मात्रा है बल्कि विटामिन ई, विटामिन ए, विटामिन डी, ओमेगा 3 फैटी एसिड के साथ ही कैल्शियम भी है। इसे तैयार करने के लिए आपको 300 ग्राम बोन लैस फिश के पीस, धनिया पत्ती, नींबू का रस, जीरा पाउडर और फैट किया हुआ छोटे अंडे की जरूरत होगी।

चिकन टिक्का चाट: चिकन टिक्का चाट को भी आप फिश फिंगर की ही तरह बतौर स्नैक्स यूज कर सकती हैं। इसमें कैल्शियम, आयरन, फाइबर और विटामिन सी की भरपूर मात्रा है।

स्पाइसी स्पागेटी और मीटबॉल्स: इसका इस्तेमाल आप अपने खाने के दौरान कर सकती हैं। स्पाइसी स्पागेटी और मीटबॉल्स का सेवन आपको प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन और विटामिन सी सब कुछ देगा। इसे तैयार करने केक लिए 150 ग्राम स्पागेटी, 300 ग्राम मटन, मशरूम, प्याज, अदरक, दूध, अंडा और मिर्ची पाउडर की जरूरत होगी।

चिकन पीस पुलावः चिकन पीस पुलाव में विटामिन ए, सी और के साथ ही फोलेट भी उचित मात्रा में होता है। टेस्टी चिकन पीस पुलाव का सेवन आप अपने भोजन में करें।

रेसिपी

ब्रेड कोफ्ता करी

सामग्री

ब्रेड कोफ्ते के लिए: 6 ताजे ब्रेड के स्लाईस, 5 स्पून ताजा दही, 2 स्पून मैदा, 2 स्पून बेसन, 2 स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 2 स्पून कटी हुई हरी मिर्च, एक चुटकी बेकिंग सोडा **अन्य सामग्री:** 1 कप लौकी के टुकड़े, 3 स्पून तेल, 1/2 कप उबले और छिले हुए छोटे आलू, आधे कटे हुए, 1/2 कप कसा हुआ प्याज, 1/4 स्पून हल्दी पाउडर, 2 स्पून धनिया-जीरा पाउडर, 2 स्पून लाल मिर्च पाउडर, 2 स्पून ताजा दही, 3/4 कप ताजा टमाटर का पल्प, 1/2 कप उबले हुए हरे मटर, **सजाने के लिए:** 1 स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

ब्रेड कोफ्ते के लिए: ब्रेड स्लाईस के कीनारे निकाल लें। ब्रेड स्लाईस को बाउल मे रखकर चुरा कर लें, दही, मैदा, बेसन, धनिया, हरी मिर्च, बेकिंग सोडा और नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं। मिश्रण को 20 बराबर भाग मे बांटकर प्रत्येक भाग के गोल आकार बना लें। कढ़ाई मे तेल गरम करें और एक बार मे थोड़े कोफ्ते डालकर, उनके सभी तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज ने निकालकर एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधि:** एक गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई में लौकी और 1 कप पानी मिलाकर, बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर लौकी के नरम होने तक या 8-10 मिनट के लिए पका लें। मिश्रण को पुरी तरह ठडा कर मिक्सर मे पीसकर मुलायम पेस्ट बना लें। एक तरफ रख दें। गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई में 2 टेबल-स्पून तेल गरम करें और आलू डालकर मध्यम आंच पर 2-3 मिनट या आलू के सुनहरे होने तक भून लें। छानकर एक तरफ रख दें। उसी कढ़ाई में, बचा हुआ 1 टेबल-स्पून तेल गरम करें, प्याज डालकर मध्यम आंच पर 2-3 मिनट या प्याज के पारदर्शी होने तक भून लें। हल्दी, धनिया-जीरा पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और 2 टेबल-स्पून पानी डालकर मध्यम आंच पर 1 मिनट तक पकाएं। ताजा दही और टमाटर का पल्प डालकर अच्छी तरह मिलाएं और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 1-2 मिनट के लिए पकाएं। लौकी का पेस्ट, 1/2 कप पानी, नमक, हरे मटर और भुने हुए आलू डालकर अच्छी तरह मिलाएं और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 2-3 मिनट के लिए पकाएं। परोसने के तुरंत पहले ब्रेड कोफ्ता डालें और हल्के हाथों से मिलाकर मध्यम आंच पर 1-2 मिनट तक पकाएं। धनिया से सजाकर गरमा गरम परोसें।

हान्डी खिचड़ी

सामग्री

3/4 कप चावल, 15 मिनट के लिए भिगोकर छाने हुए, 1/4 कप बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 1/4 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 1 स्पून धनिया-जीरा पाउडर, 1/4 स्पून हल्दी पाउडर, 1 स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, 1 स्पून लहसुन का पेस्ट, नमक स्वादअनुसार, 1/2 कप छिले हुए आलू के टुकड़े, 1/4 कप हरे मटर, 1/2 कप फूलगोभी के फूल, 2 स्पून तेल, 2 इलायची, 25 मिलीमीटर दालचीनी का टुकड़ा, **परोसने के लिए:** छाछ, पापड़

विधि

धनिया, प्याज, धनिया-जीरा पाउडर, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, लहसुन का पेस्ट और नमक को एक गहरे बाउल में अच्छी तरह मिला लें। आलू, हरे मटर, फूलगोभी, तेल, चावल, इलायची और दालचीनी डालकर अच्छी तरह मिला लें। इस मिश्रण को हान्डी में डालकर, 11/2 कप गरम पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें। ढक्कन से ढक कर, धीमी आंच पर 25-30 मिनट के लिए, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। छाछ और पापड़ के साथ तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**